KALINDI COLLEGE

कालिंदी महाविद्यालय

(NAAC ACCREDITED 'A+' GRADE)

UNIVERSITY OF DELHI

Prospectus 2023

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIYERSITY OF DELHI

प्रेस विज्ञप्ति

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक प्रवेश के लिए आवंटन-सह-प्रवेश कार्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के सभी स्नातक कार्यक्रमों के लिए आवंटन-सह-प्रवेश का कार्यक्रम इस प्रकार है:

1. **सीएसएएस के दूसरे चरण की शुरूआत**

   राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी)-यूजी के परिणामों की घोषणा के बाद, विश्वविद्यालय ने सोमवार **17 जुलाई 2023** से कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (यूजी) - 2023 (सीएसएएस (यूजी)) के चरण- II की शुरुआत की घोषणा की है।

   इस चरण में, जिन उम्मीदवारों ने चरण- I को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, उन्हें अपने डैशबोर्ड पर लॉग इन करना होगा (https://ugadmission.uod.ac.in) पात्रता मानदंडों को पूरा करने के बाद, अपने पसंदीदा कार्यक्रमों और कॉलेज संयोजनों को चुनने के लिए।

   जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक सीएसएएस पोर्टल पर अपना पंजीकरण नहीं कराया है, वे भी पंजीकरण करा सकेंगे क्योंकि विश्वविद्यालय ने दोनों चरणों को सोमवार, **24 जुलाई, 2023 शाम 04:59** बजे तक खुला रखने का निर्णय लिया है। चरण- I और चरण- II सोमवार **24 जुलाई 2023 को 04:59** अपराह्न समाप्त हो जाएंगा। और उम्मीदवारों द्वारा सहेजी/सबमिट की गई प्राथमिकताएं गुरुवार, 27 जुलाई 2023 को शाम 05:00 बजे की समय सीमा तक पहुंचने पर ऑटो-लॉक हो जाएंगी।

2. सुधार विंडो

उन उम्मीदवारों के लिए एक सुधार विंडो भी प्रदान की गई है, जिन्होंने अपना चरण-I पहले ही पूरा कर लिया है और कुछ क्षेत्रों को संपादित/संशोधित करना चाहते हैं।

यह उम्मीदवारों के लिए अपनी प्रोफ़ाइल अपडेट करने की एक बार की सुविधा है। ओबीसी (एनसीएल), ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक, पीडब्ल्यूबीडी, उम्मीदवार जो अपने अद्यतन दस्तावेज़/प्रमाणपत्र फिर से अपलोड करना चाहते हैं, वे सुधार विंडो में ऐसा कर सकते हैं।

उम्मीदवारों को सुधार विंडो में निम्नलिखित फ़ील्ड को संपादित/संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी:

(a) उम्मीदवार का नाम
(b) उम्मीदवार का फोटो
(c) उम्मीदवार के हस्ताक्षर
(d) उम्मीदवार का लिंग
(e) उम्मीदवार की पंजीकृत ईमेल आईडी
(f) उम्मीदवार का मोबाइल नंबर
(g) उम्मीदवार की श्रेणी/उप-श्रेणी/जाति/अतिरिक्त संख्या कोटा
(h)

उम्मीदवार इस विंडो के दौरान ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के लिए भी आवेदन नहीं कर पाएंगे। हालाँकि, वे अपने प्रमाणपत्र पुनः अपलोड कर सकते हैं।

प्रवेश प्रयोजनों के लिए केवल एनएसएएस पोर्टल पर अपलोड किए गए दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों पर ही विचार किया जाएगा।

सुधार विंडो गुरुवार **20 जुलाई 2023 शाम 04:59** बजे तक खुली रहेगी।

3. कार्यक्रम-विशिष्ट योग्यता स्कोर की गणना

चरण- II में, उम्मीदवारों को बारहवीं कक्षा में उनके द्वारा पढ़े गए विषयों को उन विषयों से जोड़ना होगा जिनमें वे CUET-2023 में उपस्थित हुए हैं। केवल उन्हीं विषयों पर विचार किया जाएगा जिनमें उम्मीदवार

ने बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है। यदि बारहवीं कक्षा में पढ़ा गया विषय सीयूईटी का हिस्सा नहीं था, तो बारहवीं कक्षा में पढ़े गए विषय के समान या उसके करीब के विषय पर विचार किया जाएगा। सही विषय-चयन प्रदान करना उम्मीदवार की एकमात्र जिम्मेदारी होगी।

प्रवेश के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रोग्राम-ग्रुप मेरिट स्कोर की गणना के लिए एनटीए द्वारा प्रदान किए गए विषय-आधारित "सामान्यीकृत स्कोर" पर विचार करेगा। उम्मीदवार उन सभी कार्यक्रमों के लिए, जिनके लिए वे पात्र हैं, सामान्यीकृत करोड़ के आधार पर अपना कार्यक्रम-विशिष्ट CUET स्कोर देख सकेंगे। ये प्रोग्राम-विशिष्ट CUET स्कोर स्वचालित रूप से गणना किए जाएंगे और उम्मीदवारों के डैशबोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएंगे।

4. प्राथमिकताएँ भरने के लिए सलाह ।

"वरीयता चयन" अनुभाग में, उम्मीदवार अपनी प्राथमिकताओं का चयन और क्रमबद्ध करने में सक्षम होगा। "उपलब्ध प्राथमिकताएँ" टैब उन सभी संभावित कार्यक्रम + कॉलेज संयोजनों को प्रदर्शित करेगा जिन्हें उम्मीदवार चुन सकता है। इसके अलावा, उम्मीदवार कॉलेजों के साथ-साथ कार्यक्रमों को फ़िल्टर करने के लिए शीर्ष पर उपलब्ध "उन्नत फ़िल्टर" विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। उम्मीदवार को अपनी पसंद के अनुसार प्राथमिकताएं चुननी और क्रमबद्ध करना होगा। चयन का क्रम वरीयता क्रम भी निर्धारित करेगा। उम्मीदवार अपनी प्राथमिकताओं को पुन: व्यवस्थित करने के लिए 'ऊपर, नीचे और वरीयता संख्या' आइकन का उपयोग कर सकते हैं। वरीयताओं का अंतिम क्रम, जैसे कि भरा और भरा हुआ, फिर "चयनित प्राथमिकताएं" टैब में दिखाई देगा। एक बार वरीयता क्रम से संतुष्ट होने के बाद, उम्मीदवार अपनी प्राथमिकताएँ प्रस्तुत करने के लिए "परिवर्तन सहेजें" अवश्य होना चाहिए।

उम्मीदवारों द्वारा सहेजी गई प्राथमिकताएं उम्मीदवारों के आवंटन और प्रवेश का निर्धारण करेंगी। यह सलाह दी जाती है कि यदि कोई उम्मीदवार प्रवेश लेने का इच्छुक हो तो अधिकतम संख्या में प्राथमिकताएं चुनें, यदि पेशकश की जाती है। चरण- II <u>की समय सीमा के बाद कार्यक्रमों और कॉलेजों को जोड़ने/हटाने/संपादित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.</u>

5. सीएसएएस (यूजी)- 2023 आवंटन-सह-प्रवेश अनुसूची

	काम	समय और दिनांक
	सीएसएएस के चरण I में पहले से पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए सुधार विंडो।	सोमवार, जुलाई 7, 2023 गुरुवार, 20 जुलाई 2023 शाम 04:59 बजे तक
सीएसएसी का चरण I और चरण II	वरीयता - सीएसएएस में कार्यक्रम और कॉलेजों के लिए आवेदन	सोमवार, 17 जुलाई 2023 सोमवार, 24 जुलाई 2023 शाम 04:59 बजे तक
	सीएसएएस प्राथमिकताओं को स्वतः लॉक करता है	गुरुवार, 27 जुलाई 2023, 05:00 अपराह्न
	सिम्युलेटेड सूची की घोषणा	शनिवार, 29 जुलाई, 2023, 05:00 अपराह्न
सिम्युलेटेड सूची	प्राथमिकता परिवर्तन विंडो	शनिवार, 29 जुलाई 2023 शाम 05:00 बजे से रविवार, 30 जुलाई, 2023 रात 11:59 बजे तक
	प्रथम सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	मंगलवार, 1 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न
सीएसएएस आवंटन और प्रवेश का पहला दौर	उम्मीदवारों को आवंटित सीट "स्वीकार" करनी होगी	मंगलवार, 1 अगस्त, 2023, शाम 05:00 बजे से शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023, शाम 04:59 बजे तक
	कॉलेज को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करना होगा	मंगलवार, 1 अगस्त 2023, शाम 5:00 बजे से शनिवार, 5 अगस्त 2023 शाम 4:59 बजे तक
	अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	शनिवार 6 अगस्त 2023, 04:59 अपराह्न तक
सीएसएसी आवंटन और प्रवेश का दूसरा दौर	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	सोमवार, 7 अगस्त, 2023, 05:00 अपराह्न
	उच्च प्राथमिकताओं को पुनः क्रमित करने के लिए विंडो	सोमवार, 7 अगस्त 2023 शाम 5:00 बजे मंगलवार, 8 अगस्त 2023 को शाम 04:59 बजे तक
	दूसरी सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	गुरुवार, 10 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट "स्वीकार" करनी होगी	गुरुवार, 10 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न से रविवार, 13 अगस्त 2023 शाम 04:59 बजे तक
	कॉलेज को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करना होगा	गुरुवार, 10 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न से सोमवार, 14 अगस्त 2023 शाम 04:59 बजे तक
	अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	मंगलवार, 15 अगस्त 2023 को शाम 04:59 बजे तक

कक्षाओं का प्रारंभ: बुधवार, 16 अगस्त, 2023		
सीएसएसी आवंटन और प्रवेश का तीसरा दौर (ईसीए, खेल, सीडब्ल्यू और अतिरिक्त कोटा के साथ)	रिक्त सीटों का प्रदर्शन	गुरुवार, 17 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न
	मध्य-प्रवेश, उच्च प्राथमिकताओं को पुनः क्रमित करने के लिए विंडो	गुरुवार, 17 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न से शनिवार, 19 अगस्त 2023 अपराह्न 04:59 बजे तक
	तीसरी सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	मंगलवार, 22 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न
	उम्मीदवारों को आवंटित सीट "स्वीकार" करनी होगी	मंगलवार, 22 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न से गुरुवार, 24 अगस्त शाम 04:59 बजे तक, 2023
	कॉलेज को ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करना होगा	मंगलवार, 22 अगस्त 2023, 05:00 अपराह्न से शुक्रवार, 25 अगस्त 2023 शाम 04:59 बजे तक
	अभ्यर्थियों द्वारा शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	शनिवार, 26 अगस्त 2023, शाम 04:59 बजे तक

विश्वविद्यालय रिक्त सीटों की उपलब्धता, यदि हो, के आधार पर और अधिक राउंड की घोषणा कर सकता है।

सेमेस्टर I, III, V और VII के लिए स्नातक कार्यक्रमों का शैक्षणिक सत्र बुधवार 16 अगस्त, 2023 को शुरू होगा।

6. पहले दौर में अतिरिक्त आवंटन

केवल आवंटन के पहले दौर में, यूआर, ओबीसी-एनसीएल, ईडब्ल्यूएस श्रेणियों में 20% अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा और सभी कॉलेजों में सभी कार्यक्रमों के लिए एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों में 30% अतिरिक्त आवंटन किया जा सकता है। हालाँकि, उन कॉलेजों में, जहां पिछले शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के 5% से कम निकासी हुई थी, यूआर/ओबीसी (एनसीएल)/ ईडब्ल्यूएस के लिए 10% अतिरिक्त आवंटन किया जा सकता है और एससी/एसटी/PWD के लिए 15% अतिरिक्त आवंटन किया जा सकता है।

सीटें उचित ढंग से भरने के लिए छात्रों के व्यापक हित में विश्वविद्यालय आवश्यकता पड़ने पर नीतियों पर निर्णय ले सकता है ।

7. जन जागरूकता वेबिनार

प्रवेश शाखा ने भावी छात्रों को उनके प्रश्नों के समाधान में मदद करने के लिए हेल्पडेस्क, चैट-बॉट और ईमेल सुविधा स्थापित की है।

विभिन्न कॉलेजों में हेल्पडेस्क भी स्थापित किए गए हैं। विवरण विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:http://admission.uod.ac.in

प्रवेश शाखा उम्मीदवारों को प्रवेश की प्रक्रिया में मदद करने के लिए शुक्रवार 21 जुलाई, 2023 से वेबिनार की श्रृंखला भी आयोजित करेगी।

वेबिनार का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा:यूनीवोफ़डेल्ही

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंडरग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन 2028, सीएसएएस 2020 नियमों को पढ़ें और सभी अपडेट के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाएं।

1. सूचना का स्नातक बुलेटिन 2023:
   https://www.du.ac.in/uploads/new-web/13.02.2023-DU-UG-BOI%202023.pdf
2. सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2023:
   https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/UG_CSAS_2023_14062023.pdf
3. प्रवेश वेबसाइट:
   http://admission.uod.ac.in
4. सीएसएएस पंजीकरण लीएनके:
   https://ugadmission.uod.ac.in

विषयसूची

1		अभिविन्यास	1
2		पूर्व प्राचार्य प्रो. अनुला मौर्य का सेवानिवृत्ति समारोह	2
3		प्राचार्य का सन्देश…	3
4		कालिंदी महाविद्यालय: लक्ष्य, उद्देश्य और शैक्षिणक नीति कल्पना करना	6
5		महाविद्यालय एक नज़र में	9
6		कॉलेज पोर्टल्स के भीतर जीवन	12
	I	एनसीडब्ल्यूईबी	12
	II	कोचिंग और सुधारात्मक कक्षाएं	13
	III	आंतरिक समिति	13
	IV	एंटी रैगिंग कमेटी	15
	V	उपस्थिति समिति	17
	VI	पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ	18
	VII	छात्र संघ	19
	VIII	ई.सी.ए	20
	IX	कल्पधरा इको क्लब	23
	X	लहरें	24
	XI	आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ	25

XII	एन.एस.सी(राष्ट्रीय कैडेट कोर)	29
XIII	एन.एस.ओ (राष्ट्रीय खेल संगठन)	30
XIV	डब्ल्यू.डी.सी(महिला विकास प्रकोष्ठ)	30
XV	ट्रांसजेंडर सेल.....	31
XVI	समान अवसर प्रकोष्ठ.....	31
XVII	डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र.....	32
XVIII	गांधी अध्ययन केंद्र	33
XIX	अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ.....	34
XX	पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ.....	35
XXI	दिल्ली से बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ.....	37
XXII	अभिभावक, शिक्षक, छात्र मिलन….....	38
XXIII	तंबाकू विरोधी समिति.....	39
XXIV	आई.बी.एस.डी.(जैव संपदा एवं सतत विकास संस्थान).....	39
XXV	वार्षिक अकादमिक जर्नल.....	40
XXVI	शॉर्ट-टर्म ऐड-ऑन कोर्स.....	40
XXVII	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम.....	41
XXVIII	प्लेसमेंट एवं कैरियर काउंसलिंग सेल.....	43
XXIX	उद्यमिता,कौशल विकास और नवाचार प्रकोष्ठ.....	44

	XXX	पुस्तकालय	44
	XXXI	साइबर सेंटर	46
	XXXII	आपदा प्रबन्धन	47
7	यू.जी.सी.एफ./एन.ई .पी. 2023 - चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम		49
	I	योग्यता संवर्धन पाठयक्रम	50
	II	कौशल संवर्धन पाठयक्रम	50
	III	मूल्य संवर्धन पाठ्यम	51
	IV	प्रस्तावित पाठ्यक्रमों कि सूची	52
8	विभाग		54
	I	भूगोल विभाग	54
	II	हिन्दी विभाग	64
	III	इतिहास विभाग	69
	IV	राजनीति विज्ञान विभाग	79
	V	संस्कृत विभाग	90
	VI	बी.ए. प्रोग्राम विभाग	100
9	सीट आवंटन		102
10	शुल्क संरचना		107
	I	शुल्क में छूट और छात्रवृत्ति	111

11 परिणाम एक नजर में 116

12 प्रॉक्टोरियल बोर्ड..... 118

महिला सुरक्षा..... 120

13 कॉलेज नियम और विनियम..... 121

I अध्यादेश..... 124

14 छात्र शिकायत निवारण समिति..... 125

15 महाविद्यालय प्रशासन..... 127

16 कुछ झलकियाँ..... 128

I कालिंदी एक नजर में..... 128

II घटनाएँ और गतिविधियाँ..... 130

III 56वाँ वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह एवं लेहरन..... 131

IV विभाग..... 134

V कॉलेज लेआउट और रोडमैप..... 145

17 विवरणिका समिति..... 146

अभिविन्यास (ORIENTATION)

हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कालिंदी महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए आगामी शैक्षणिक सत्र जल्द ही शुरू होने वाला है। प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में स्थित, कालिंदी महाविद्यालय असाधारण प्रतिभाओं को पोषित करने और विभिन्न विषयों में विश्व स्तरीय नागरिकों का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित है। नवागंतुक छात्राओं का हार्दिक स्वागत करते हुए हमें हर्ष का अनुभव हो रहा है , उन्हें हम महाविद्यालय की स्थायी विरासत का एक अभिन्न अंग बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

छात्राओं और अभिभावकों को महाविद्यालय के जीवंत वातावरण, बुनियादी ढांचे और व्यापक सुविधाओं के साथ एक व्यापक परिचय प्रदान करने के लिए, हमने एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम की योजना बनाई है। कक्षाओं के शुरू होने से एक दिन पहले आयोजित होने वाला यह इंटरैक्टिव सत्र, छात्राओं और अभिभावकों को महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम और सुविधाओं से परिचित कराने के लिए एक अमूल्य अवसर के रूप में काम करेगा। इस महत्वपूर्ण अवसर के दौरान, हम शैक्षणिक कैलेंडर, आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रियाओं, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों, अनुशासनात्मक दिशानिर्देशों, रैगिंग विरोधी नियमों, शुल्क रियायतों, अल्पकालिक ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, स्वच्छता प्रोटोकॉल से संबंधित तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। इस व्यापक ओरिएंटेशन में हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र महाविद्यालय के लोकाचार को अपनाये और अगले चार वर्षों में अपनी शैक्षिक यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों।

हम सभी छात्रों और अभिभावकों को महाविद्यालय ओरिएंटेशन प्रोग्राम और व्यक्तिगत विभागीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम की विशिष्ट तिथियों के बारे में समय पर सूचित करते रहेंगें इसके लिए आप महाविद्यालय की वेबसाइट को नियमित रूप से देखें ।

पूर्व प्राचार्य प्रो. अनुला मौर्य का सेवानिवृत्ति समारोह

प्रोफेसर अनुला मौर्य, जो 2009 में कालिंदी कॉलेज में प्रिंसिपल के रूप में पदभार ग्रहण किया और 10 से अधिक वर्षों तक कालिंदी कॉलेज की प्राचार्य के दायित्व का निर्वहन किया,प्रोफ़ेसर मौर्य ने 31 मार्च 2023 को सेवानिवृत्त हुयी। प्रिंसिपल और कॉलेज के साथ उनका लंबा जुड़ाव, उनके अत्यधिक समर्पण और कड़ी मेहनत ने कॉलेज के लिए नई ऊंचाइयों और प्रशंसाओं को हासिल करने का मार्ग प्रशस्त किया, जैसे NAAC के पहली बार विजिट(2016) में "ग्रेड ए" और दूसरी बार में "ग्रेड ए +" (2022) । उनके नेतृत्व में कालिंदी कॉलेज अंतरध्वनि में सर्वश्रेष्ठ कॉलेज के लिए दो बार पुरस्कार विजेता बना, उनकी प्रेरणा और प्रतिबद्धता ने कॉलेज परिसर में ढांचागत उन्नयन और नवीनता को प्राप्त किया!

विभिन्न ऑनर्स कोर्स और ऐड-ऑन/सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करना ।

27 टीचिंग स्टाफ और 15 नॉन-टीचिंग स्टाफ की स्थायी नियुक्ति इस उल्लेखनीय यात्रा में उनके द्वारा कॉलेज में किए गए कार्य के प्रमाण हैं! प्रोफेसर मौर्य को सम्मान देने के लिए, कालिंदी कॉलेज स्टाफ एसोसिएशन ने 31 मार्च, 2023 को उनका सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया। कई सदस्यों ने अपनी प्यार भरी यादों और भावनाओं को साझा किया, दिन भर के कार्यक्रम का समापन दोपहर के भोजन और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

प्राचार्या संदेश

प्रिय छात्राओं ,

मैं, कालिंदी महाविद्यालय के सम्मानित संकाय और प्रशासन की ओर से, आप सभी का सौहार्दपूर्ण स्वागत करती हूं। यह बेहद खुशी की बात है कि आप इस प्रतिष्ठित संस्थान में एक प्रेरक यात्रा पर निकले हैं। हम आने वाले बैच के सभी उत्साही छात्रों का स्वागत करते हैं, जिन्होंने कालिंदी महाविद्यालय का हिस्सा बनना चुना है, एक प्रसिद्ध प्रतिष्ठान जिसका समृद्ध इतिहास है और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता है।

कालिंदी महाविद्यालय के संकाय और प्रशासन की ओर से, मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान में शामिल होने के लिए आप सभी का स्वागत करती हूँ। महाविद्यालय में उत्साही छात्राओं के नए बैच का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। 1967 में केवल 599 स्नातक छात्रों के साथ कालिंदी महाविद्यालय का आरम्भ हुआ। तब से, हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। आज महाविद्यालय में 4000 से अधिक नियमित स्नातक, नॉन-कॉलेजिएट, एस.ओ.एल. और स्नातकोत्तर छात्राएँ पढ़ रहीं हैं। वर्षों से यह हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है कि आज हमारे महाविद्यालय में कुल 26 पाठ्यक्रम है, जिनमें से 21 विषयों की एक श्रृंखला तथा 5 एड ऑन पाठ्यक्रम हैं,वर्षों के इस विस्तार और विविधीकरण पर हम गौरवान्वित हैं। महाविद्यालय को इस उपलब्धि को नैक द्वारा "ए+" ग्रेड की मान्यता

प्रदान की गई। यह महाविद्यालय की प्रतिष्ठा का सूचक है। शिक्षा, खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों के क्षेत्रों में सभी के संयुक्त प्रयासों के परिणाम स्वरुप कालिंदी महाविद्यालय को नैक से "ए+" ग्रेड प्राप्त हुआ है। अपनी छात्राओं के प्रति समर्पित सेवा के 56 गौरवशाली वर्ष कालिंदी महाविद्यालय ने पूरे कर लिए हैं, जिसमें हम "ज्ञानं शिलं धर्मश्चैव भूषणम्" शब्दों में निहित अपने आदर्श वाक्य ज्ञान, शील और कर्तव्य के तीन गुणों के प्रति सम्मान के साथ के साथ खड़े हैं। यही वे संस्कार हैं जो हम अपने सभी छात्राओं में डालना चाहते हैं जो महाविद्यालय की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप सभी हमारी संस्था द्वारा प्रदान किए गए सभी संसाधनों और अवसरों का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे और हमारे युवा उत्साह को नई ऊंचाइयों और क्षितिज की ओर ले जाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कालिंदी में, हम औपचारिक शिक्षा के अलावा एक समग्र शिक्षा प्रदान करने में विश्वास करते हैं जो विश्वविद्यालय के ढांचे के भीतर मौजूद है। इसके अलावा, एथलेटिक्स, पावर लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, फुटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, ताइक्कांडो, और किक बॉक्सिंग सहित अन्य खेलों में, हमारे छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों सहित विभिन्न मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। हम अपने छात्रों को उनके चुने हुए विषयों में उभरती प्रवृत्तियों और प्रगति को नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने में विश्वास करते हैं। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, हम बौद्धिक विकास और आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करते हुए, कई शैक्षणिक कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन करते हैं।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे छात्र महाविद्यालय के अनुभव का अधिकतम लाभ उठाएं, इसके लिए हमने नियमित कक्षा भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उपस्थिति नीतियों को लागू किया है। यह सुनिश्चित करते हुए कि वित्तीय बाधाएं उनकी शैक्षणिक यात्रा में बाधा नहीं बनती हम विभिन्न श्रेणियों में योग्य छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और पुरस्कार भी उपलब्ध करवाते हैं । इसके अतिरिक्त, हमारी संस्था खुले संचार की शैली को महत्व देती है, और हम संवाद को बढ़ावा देने और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए नियमित अभिभावक शिक्षक छात्र मिलन (PTSI) बैठकें आयोजित करते हैं.

कालिंदी महाविद्यालय शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता के लिए अपनी प्रतिष्ठा पर गर्व करता है। हमने विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय रैंक धारकों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जिसमें छात्र लगातार 100% अंक प्राप्त कर रहे हैं और ओ और ए + ग्रेड प्राप्त कर रहे हैं। हमारी खेल टीमों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है और हमारे संस्थान की प्रशंसा की है।

हर स्तर पर छात्राओं की सहायता करने के प्रयास में कालिंदी महाविद्यालय के 84 सदस्यों की उच्च योग्य प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारियों का गठन किया। संस्था सुचारू रूप से चले ये सदस्य सदा इसके लिए प्रयत्नशील रहतें हैं। महाविद्यालय अपने कर्मचारियों और छात्राओं की स्वच्छता, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय में स्वच्छता अत्यधिक प्राथमिकता देता है। हम अपने संस्थान में छात्रों के लिए एक पोषण वातावरण बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं, और इसके लिए हमारे पास किसी भी प्रकार के भेदभाव के लिए शून्य सहनशीलता की नीति है। किसी भी प्रतिकूल घटना या अभ्यास को रोकने और उससे निपटने के लिए, कालिंदी की एक मजबूत एंटी-रैगिंग नीति है और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक उपाय हैं। हमारे संस्थान में आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ छात्राओं को उनकी शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक निष्पक्ष और खुला मंच प्रदान करता है, जिसका तुरंत समाधान किया जाता है। जाति और लिंग भेदभाव से जुड़े मुद्दों के प्रति छात्राओं को संवेदनशील और शिक्षित करने तथा उनका समाधान करने के लिए, हमारे पास एक सक्रिय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ और एक महिला विकास प्रकोष्ठ है। इसके अतिरिक्त, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र और गांधी अध्ययन केंद्र छात्रों को जाति के मुद्दों और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के बारे में शिक्षित करके इस दिशा में काम करते हैं।

जैसा कि स्पष्ट है, पिछले शैक्षणिक सत्र से शिक्षण और अधिगम ऑनलाइन मोड़ से भौतिक रूप में आरम्भ कर दिया गया है । हम सभी ने बड़ी दृढ़ता, बहादुरी और धैर्य के साथ अभूतपूर्व परिस्थितियों को पार किया है। अकादमिक जगत को भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और हमने कालिंदी में ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन शिक्षण और सीखने को अपने सभी छात्रों के लिए कुशल और सुलभ बनाने के लिए सभी संभव उपाय किए हैं। हमने ऑनलाइन परीक्षा (ओबीई) के अलावा कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्रभावी ढंग से संचालित करने में सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त की। हमारे प्राध्यापकों, कर्मचारियों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से समर्पित छात्रों की मदद से, हमने आपदाओं को अवसर में बदल दिया है।

मैं उत्सुकता से हमारे संस्थान में आपका औपचारिक रूप से स्वागत करती हूं, कालिंदी महाविद्यालय एक समावेशी कैंपस अनुभव और एक समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आइए हम सब मिलकर अकादमिक उत्कृष्टता की यात्रा शुरू करें और जीवन के प्रति एक सशक्त दृष्टिकोण अपनाएं।

प्रो. मीना चरान्दा

कालिंदी महाविद्यालय: लक्ष्य, उद्देश्य और शैक्षिणक नीति कल्पना करना

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रमुख संस्थान कालिंदी महाविद्यालय ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जो विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों में परिलक्षित होता है। हमारा महाविद्यालय पूर्व छात्रों के रूप में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और विद्वानों का दावा कर सकता है। महाविद्यालय में जिम्मेदार और अच्छी तरह से नागरिकों का निर्माण करके राष्ट्रीय समुदाय की सेवा की एक लंबी परंपरा है।

महाविद्यालय पटेल नगर में 8.25 एकड़ का परिसर तक फैला है। यह उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक, एम्फीथिएटर, नई रसायन प्रयोगशाला, छात्र सुविधा ब्लॉक और खेल उपयोगिता केंद्र, जिमनासिया, शिक्षक साइबर सेंटर, अतिरिक्त सुरक्षा गेट, विज्ञान ब्लॉक में अतिरिक्त कमरे जैसे विभिन्न घटकों से बना है। पार्किंग क्षेत्र, अगस्त क्रांति पार्क, सरस्वती पार्क, बुद्ध पार्क, बटरफ्लाई पार्क, हर्बल गार्डन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ-साथ नवनिर्मित प्रशासनिक ब्लॉक, अकादमिक ब्लॉक और थीम पार्क, नव स्थापित आरओ-वाटर प्यूरीफाइंग सिस्टम, अग्निशामक, सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर आदि। हाल ही में, कुल 31 परियोजनाएं पूरी की गई हैं और अन्य पाइपलाइन में हैं। हमारे दूरदर्शी शासी निकाय के अथक समर्थन के साथ, हमें आशा है कि गर्ल्स हॉस्टल को पूरा करने, ऑडिटोरियम, बॉटनी और जूलॉजी संग्रहालयों के नवीनीकरण और बास्केटबॉल कोर्ट और बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण की हमारी आगामी योजना जल्द ही पूरी होगी। हम अपनी छात्राओं की व्यापक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के सुधार की दिशा में अथक प्रयास कर रहे हैं।

कालिंदी महाविद्यालय विविध प्रकार के शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें 20 मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हैं। इसके अतिरिक्त, हम आधुनिक वैश्विक बाजार में छात्रों को इन-डिमांड कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए 2 समकालीन अल्पकालिक ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम विदेशी भाषाओं जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं: फ्रेंच और चीनी। हमें न केवल नियमित छात्रों के लिए बल्कि नॉन -कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड और स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग सेंटर के छात्रों के लिए भी गर्व है। हमारे संस्थान को 176 उच्च योग्य और प्रतिष्ठित शिक्षण संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा तैयार किया गया है जो शैक्षणिक गतिविधियों और संस्थागत जिम्मेदारियों

में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इसके अलावा, हमारे पास एक कुशल और सहयोगी प्रशासनिक/तकनीकी/सहायक स्टाफ है जिसमें 86 सदस्य हैं जो महाविद्यालय के सुचारू संचालन में योगदान करते हैं। साथ मिलकर, हम अपने विविध छात्र निकाय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें दुनिया भर के 7,400 से अधिक छात्र शामिल हैं।

एक वैश्वीकृत शैक्षणिक बुनियादी ढांचे की खोज में हम हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए महाविद्यालय ने हमारे संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं को संशोधित करने के लिए कई पहल की हैं। हमारे युवा छात्राओं को सर्वोत्तम सुविधाएं और संसाधन प्रदान करने के प्रयास में, महाविद्यालय ने 240 बिस्तरों वाले 80 कमरों वाले एक गर्ल्स हॉस्टल के उद्घाटन के साथ अपने बुनियादी ढांचे को और बढ़ाने की कल्पना की है, जिसके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। वर्तमान में, अतिरिक्त स्वीकृत परियोजनाएं भी हैं जिन्हें जल्द शुरू किया जायेगा जैसे संगम परिसर का नवीनीकरण; परिसर का पूर्ण विद्युतीकरण; पुस्तकालय का विस्तार और सीवर प्रणाली में सुधार। इसके अतिरिक्त 8 नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं जो निकट भविष्य में शुरू की जाएंगी, जिसमें विज्ञान ब्लॉक का विस्तार, शैक्षणिक ब्लॉक का विस्तार, खेल मैदान का विकास, विकलांगों के लिए लिफ्ट का प्रावधान शामिल है। छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा उद्देश्यों के लिए 40 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, और महाविद्यालय के लिए एक केंद्रीकृत सार्वजनिक-संबोधन प्रणाली।

महाविद्यालय का कक्षा शिक्षण और शैक्षणिक नवाचार पर एक मजबूत फोकस है। अकादमिक दुनिया में विकास के साथ तालमेल रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय अनुसंधान, विकास और नवाचार पर केंद्रित है। हम अधिगम को सरल बनाने के लिए कक्ष से परे, छात्रों को प्रोफेसरों द्वारा प्रदान की गई करीबी बातचीत और सलाह के माध्यम से अपने महत्वपूर्ण और विश्लेषणात्मक कौशल का अध्ययन और विकास करने के लिए प्रयास प्रोत्साहित करते हैं।

पाठ्यचर्या योजनाओं और पाठ्यक्रम-पूर्णता रिपोर्टों के माध्यम से, छात्रों के लाभ के लिए शिक्षण को सुव्यवस्थित किया गया है। कोविड के बाद की दुनिया में शिक्षण-प्रशिक्षण की परिवर्तित प्रकृति को देखते हुए, हमने महाविद्यालय की वेबसाइट सहित विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर छात्रों के लिए ई-संसाधन उपलब्ध कराने पर बहुत जोर दिया है। हमारे प्रोफेसर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के संगठन के माध्यम से हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा और प्रशिक्षण देने का प्रयास

करते हैं, जिसमें प्रख्यात विद्वानों को शामिल किया जाता है जो कक्षा की व्यस्तता को पूरक करते हैं। हाल ही में, छात्र परामर्श को एक मेंटर-मेंटी प्रोग्राम के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया है जिसका उद्देश्य छात्रों को उनकी सफलता के मार्ग में शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को दूर करने में सहायता करना है। छात्राओं के व्यक्तित्व के समग्र विकास के हर एक पहलू पर उचित ध्यान दिया जाता है। चिकित्सकीय देखभाल और मनोवैज्ञानिक परामर्श महाविद्यालय में हमेशा एक पूर्ण स्टाफ रहता है यहाँ एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें तमाम बेहतरीन स्टॉक मौजूद है तथा कॉल पर एक पेशेवर मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के साथ होता है।

एक जीवंत विद्वतापूर्ण वातावरण व अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देकर,बौद्धिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए, हमारा महाविद्यालय भविष्य में सक्षम नागरिकों की एक पीढ़ी को आकार देने में प्रतिबद्ध व समर्पित है, जो सपने देखने वालों और नवप्रवर्तकों के वैश्विक समुदाय में अपने योगदान के माध्यम से देश को गौरवान्वित करेंगे। इस परिवर्तनकारी यात्रा में हमारे साथ जुड़ें और एक विश्व स्तरीय शिक्षा का अनुभव करें, जो आपको एक उल्लेखनीय भविष्य के लिए तैयार करती है।

महाविद्यालय एक नजर में

• सुविधाएं और बुनियादी ढांचा

• विशाल, हवादार कक्षाएँ

• एलसीडी प्रोजेक्टर के साथ 25 कक्षाएं

• टीचिंग, रिसर्च एंड इनोवेशन ब्लॉक

• पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक प्रयोगशालाएँ

• वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी के अलग-अलग संग्रहालय

• दृश्य-श्रव्य शिक्षण सहायक सामग्री के साथ कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला

• मल्टीमीडिया पत्रकारिता स्टूडियो

• उत्पादन नियंत्रण कक्ष

• अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय

• संगोष्ठी कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)

• कंप्यूटर लैब

• समिति कक्ष (प्रशासनिक ब्लॉक)

• सम्मेलन कक्ष (टी.आर.आई. ब्लॉक)

• ट्यूटोरियल कक्ष (अकादमिक ब्लॉक)

• सभागार (संगम परिसर-विस्तार की प्रक्रिया के तहत)

* एम्फीथिएटर (उन्मुक्त परिसर)

• छात्र साइबर केंद्र

• शिक्षक साइबर केंद्र

- गार्डन: थीम पार्क, सरस्वती पार्क, हर्बल गार्डन, अगस्त क्रांति पार्क, बुद्ध पार्क
- खाद मशीन
- कन्वेंशन सेंटर और छात्र सुविधाएं ब्लॉक
- लड़कियों का छात्रावास (निर्माणाधीन - 240 बिस्तर)
- जिम
- बहु-सुविधा खेल उपयोगिता केंद्र
- संकाय सदस्यों के लिए स्टाफ रूम
- भूगोल लैब
- गणित लैब
- आईक्यूएसी सेल

महाविद्यालय सहायता सेवाएँ

- वाई-फाई सक्षम परिसर
- बिजली बैकअप
- सीसीटीवी निगरानी के साथ परिसर सुरक्षा
- अग्नि शामक
- फोटोकॉपी सुविधा काउंटर
- आर.ओ. युक्त वाटर कूलर प्रणाली
- कैफेटेरिया
- मदर डेयरी कियोस्क
- नेस्कैफे कियॉस्क

- पेपर रीसाइक्लिंग मशीन
- लाइब्रेरी में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर और ई-टेक्स्ट एक्सेस उपलब्ध है
- विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार परीक्षा लेखन (स्क्राइबर्स) सुविधा
- नर्स सुविधा के साथ चिकित्सा-सह-परामर्श कक्ष (सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक)
- चिकित्सकीय सुविधाएं
- काउंसलर परिसर का दौरा करते हैं
- शिक्षकों द्वारा छात्र सलाह
- सौर पेनल्स
- पावर बैकअप
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- पठन सामग्री सुलभ प्रारूप में (ऑडियो, ब्रेल, ई-टेक्स्ट)
- ई-संसाधनों तक दूरस्थ लॉगिन पहुंच
- विकलांगों के लिए बाधा मुक्त पहुंच
- व्हीलचेयर की सुविधा

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

समन्वयक: डॉ. निवेदिता गिरी, राजनीति विज्ञान विभाग

उप समन्वयक: डॉ. मनीला नारज़ारी, राजनीति विज्ञान विभाग

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (NCWEB), कालिंदी कॉलेज शिक्षण केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने छब्बीस केंद्रों में से एक है। यह केंद्र एनसीडब्ल्यूईबी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार अर्ध-नियमित मोड पर संचालित होता है। 2022 से एनसीडब्ल्यूईबी में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी लागू है और सभी यूजी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के नियमित कॉलेजों के समान हैं। बी. ए. प्रोग्राम और बी.कॉम प्रोग्राम केंद्र द्वारा पेश किए जाने वाले दो पाठ्यक्रम हैं। केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में रहने वाली (आधार कार्ड/वोटर कार्ड/पासपोर्ट के आवासीय प्रमाण वाले) महिला उम्मीदवार छात्रों के रूप में नामांकन कर सकती हैं।

प्रवेश एनसीडब्ल्यूईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कट-ऑफ के साथ योग्यता के आधार पर किया जाता है। शिक्षण कक्षाएं रविवार को आयोजित की जाती है। अंतिम सेमेस्टर विश्वविद्यालय परीक्षाओं में शामिल होने के लिए न्यूनतम 66% उपस्थिति आवश्यक है, जो नियमित कॉलेज के साथ-साथ होती हैं। इसके अलावा केंद्र में स्नातक के छात्राओं के लिए पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्र छात्रों के समग्र विकास के लिए कार्यशालाओं, सेमिनार, व्याख्यानों और पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन करता है।

बोर्ड कार्यालय: गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ट्यूटोरियल बिल्डिंग, दूसरी मंजिल गुरु तेग बहादुर रोड, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव नई दिल्ली, दिल्ली 110007, ऑफिस कॉल: 01127667640,

एनसीवेब वेबसाइट: http://ncweb.du.ac.in

एडमिशन से जुड़ी जानकारी: https://youtu.be/4b_vOxWIGKk

कोचिंग और उपचारात्मक (रीमेडीयल) कक्षाओं की समिति

संयोजिका - सुश्री अंशु चोटानी

सह संयोजिका - डॉ. कृष्णा कुमारी

कालिंदी कॉलेज अपने छात्रों को अध्ययन की अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य के लिए कॉलेज ने एक उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा तैयार किया है और परिसर में शैक्षणिक और पाठयक्रम गतिविधियों की इसके माध्यम से बढावा दिया है।

कॉलेज अपने छात्रों के लिए कैरियर परामर्श, प्लेसमेंट और अन्य पेशेवर मदद की सुविधा भी देता है जो अपना करियर स्थापित अन्य क्षेत्रों में स्थापित करना चाहते हैं।

कालिंदी कॉलेज उन छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाओं का आयोजन करता है, जिन्हें बिना किसी शुल्क के अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने शैक्षणिक सत्र में मदद की आवश्यकता होती है। इसका मुख्य उद्देश्य उनके अनुशासन विषयों की उनकी समझ में सुधार करना और उनकी पढ़ाई में मदद और मार्गदर्शन करना है।

शैक्षणिक वर्ष के लिए पूरे कॉलेज के लिए समय सारिणी (अन्य विभागों) जैसे- गणित, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, संस्कृत, आदि के समन्वय से तैयार की जाती है। यह समिति शिक्षकों को कक्षाओं के संचालन के लिए राजी करने और प्रेरित करने में सहायक होता है। यह कमजोर छात्रों के लाभ के लिए लाभदायक है। इस पहल से बड़ी संख्या में छात्र लाभान्वित हुए हैं।

फरवरी 2012 में कॉलेज ने अपने पंजीकृत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर को छोड़कर) और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए ग्यारहवीं योजना, यूजीसी की योजना के तहत कोचिंग कक्षाओं की शुरुआत की। इन कक्षाओं में इन पृष्टभूमि के उत्साही छात्रों ने भाग लिया जिन्होंने सीखने में गहरी रुचि दिखाई। छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा पेशेवर कोचिंग से लाभान्वित किया जाता है।

कोचिंग कक्षाओं के अलावा, इन छात्रों को अध्ययन सामग्री जैसे किताबें/कंप्यूटर सुविधाएं, समाचार पत्र, प्रतिस्पर्धी पत्रिकाएं और ऑनलाइन संसाधन सामग्री आदि प्रदान की जाती है।

कॉलेज के संकाय सदस्य और बाहर के कुछ विशेषज्ञ, जिन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है, समन्वयक / प्रशिक्षक के रूप में भाग लेते हैं।

रिसोर्स पर्सन का मुख्य ध्यान उन क्षेत्रों में सुधार करना है जिनमें छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ताकि छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भागीदारी कर सकें और खुद को सफल कर सकें।

आंतरिक समिति (आ.ई.सी), कालिंदी महाविद्यालय

अध्यक्ष:-प्रो. संगीता ढल

लैंगिक संवेदनशीलता और लैंगिक न्याय किसी भी मजबूत संस्थान के स्तंभ हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय अपने छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करने का प्रयास करता है जहां वे आगे बढ़ सकें। कालिंदी महाविद्यालय की आंतरिक समिति (आईसी) जिसे पहले आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के नाम से जाना जाता था, इस तरह की दृष्टि की सुविधा प्रदान करती है और इसमें यौन उत्पीड़न की शिकायतों को तेजी से और परिश्रमपूर्वक संबोधित करने के लिए आवश्यक तंत्र मौजूद हैं। आंतरिक समिति महाविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न के मामलों से निपटती है कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है और यौन शिकायतों की रोकथाम और निवारण करता है। (कृपया अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट देखें: http://www.kalindi.du.ac.in)

अध्यादेश XV-D दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यौन उत्पीड़न के खिलाफ नीति पर आधारित है और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, शैक्षणिक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से मुक्त शैक्षणिक और कार्य वातावरण को बनाए रखने और बनाने का प्रयास करता है। "यौन उत्पीड़न" में कोई भी अवांछित यौन निर्धारित व्यवहार शामिल है, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से और इसमें शारीरिक संपर्क और अग्रिम, यौन अनुग्रह की मांग या अनुरोध, यौन-रंगीन टिप्पणियां, अश्लील साहित्य दिखाना या यौन संबंध का कोई अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कार्यस्थल पर किसी महिला का यौन उत्पीड़न भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 के तहत लैंगिक समानता और जीवन और स्वतंत्रता के उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।

आईसी में निम्नलिखित सदस्य होते हैं:

(ए) एक अध्यक्ष जो एक वरिष्ठ संकाय सदस्य होगा

(बी) शिक्षण स्टाफ में से दो सदस्य

(सी) यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों से परिचित गैर-सरकारी संगठन या कानूनी जानकर, में से एक सदस्य:

(डी)दो गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य

(ई) तीन निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि

महाविद्यालय की आंतरिक समिति कार्यशालाएँ आयोजित करती है और छात्रों, संकाय सदस्यों, प्रशासनिक और संविदा कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर लिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

एंटी रैगिंग कमेटी

संयोजिका : प्रो. नैना हसीजा

सह-संयोजिका : डॉ. अपराजिता गौड़

'रैगिंग' का अर्थ है ऐसा कोई भी कार्य करना जो किसी छात्र को शारीरिक, मनोवैज्ञानिक या दैहिक क्षति या शर्मिंदगी या शर्मिंदगी का कारण बनता है या पैदा होने की संभावना है, और इसमें शामिल है,

(ए) किसी छात्रा को चिढ़ाना या गाली देना या व्यावहारिक मजाक करना या उसे चोट पहुँचाना।

(बी) किसी भी छात्रा को कोई भी कार्य करने या कुछ भी करने के लिए कहना, जिसे वह सामान्य तौर पर करने या प्रदर्शन करने के लिए तैयार नहीं होती।

रैगिंग अन्य अपराधों से भिन्न है क्योंकि इसका उद्देश्य केवल विकृत आनंद प्राप्त करना है। रैगिंग अन्य अपराधों से इसलिए भी भिन्न है क्योंकि इसे समाज के कुछ वर्गों द्वारा सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

सर्वोच्च न्यायालय का अवलोकन और निर्देश:

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि शैक्षणिक गतिविधियों या कैंपस जीवन में नामांकन से किसी भी वयस्क नागरिक को देश के कानूनों के दंडात्मक प्रावधानों से छूट नहीं मिलनी चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, यदि रैगिंग का कोई मामला प्रशासन या संकाय के ध्यान में लाया जाता है, तो स्थानीय पुलिस को मामले की रिपोर्ट करना संस्थान के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है।

रैगिंग के विरोध

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के आधार पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने "उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियम, 2009" तैयार किया। उक्त एंटी-रैगिंग नियमों के अनुपालन में, कालिंदी महाविद्यालय में परिसर के अंदर और/या बाहर रैगिंग पूरी तरह से प्रतिबंधित है। रैगिंग और/या इसके दुष्प्रेरण में शामिल कोई भी व्यक्ति, चाहे वह सक्रिय रूप से या निष्क्रिय रूप से, या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा हो, यूजीसी विनियम 2009 के आदेश के साथ-साथ प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है और दंडित किया जा सकता है। फिलहाल लागू कोई अन्य दंडात्मक कानून। कालिंदी महाविद्यालय सख्ती से यह सुनिश्चित करता है कि नए छात्रों को एक अनुकूल और स्वागत योग्य वातावरण दिया जाए। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए संस्थान द्वारा यूजीसी रेगुलेशन 2009 के अनुसार एक रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया गया है।

रैगिंग विरोधी समिति की भूमिकाएँ एवं जिम्मेदारियाँ

- रैगिंग से जुड़े किसी भी कृत्य के प्रति शून्य सहिष्णुता और कालिंदी महाविद्यालय में यूजीसी विनियमन 2009 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना।
- कालिंदी महाविद्यालय में रैगिंग को रोकने के लिए रैगिंग विरोधी दल विशेष निगरानी रखे।

कालिंदी महाविद्यालय ने महाविद्यालय के परिसर में रैगिंग रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। अभिविन्यास (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) के दौरान, सभी नवागंतुक (फ्रेशर्स) को रैगिंग के बारे में अच्छी तरह से जानकारी दी जाती है और साथ ही रैगिंग के कार्य में शामिल व्यक्ति के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। नवागंतुक (फ्रेशर्स) को महाविद्यालय में किसी भी रैगिंग गतिविधि की रिपोर्ट करने के लिए रैगिंग विरोधी समिति के सदस्यों के संपर्क नंबर और ई-मेल आईडी के बारे में भी सूचित किया जाता है। रैगिंग विरोधी समिति महाविद्यालय में रैगिंग गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए शिक्षकों की रैगिंग विरोधी दल का गठन करती है। इस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कई सख्त फैसले लिए गए हैं। रैगिंग में शामिल छात्राओं पर प्राचार्या के निर्णय के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा/निष्कासित किया

जाएगा या एक विशिष्ट अवधि के लिए निष्कासित भी किया जाएगा। महाविद्यालय में प्रमुख स्थानों पर कई सूचनापट्ट लगाए गए हैं, जिनमें अध्यादेश XV-C द्वारा अनिवार्य रैगिंग विरोधी कानूनों से संबंधित प्रावधान बताए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में कोई भी छात्रा रैगिंग विरोधी समिति से संपर्क कर सकती है।

उपस्थिति समिति

संयोजिका- प्रो.इंदु चौधरी

सह संयोजिका - डॉ.सुधा गुलाटी

महाविद्यालय की उपस्थिति समिति में अलग-अलग पाठ्यक्रमों के फैकल्टी सदस्य शामिल हैं यह समिति नियमित रूप से बैठकें करती है और प्रशासन कार्यालय के साथ बातचीत करती है यह सुनिश्चित करने के लिए कि अध्यादेशों को बनाए रखने के लिए उचित और समय पर कदम उठाए जाते हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपस्थिति के संबंध में समय-समय पर निर्धारित दिशा-निर्देश विद्यार्थियों को संप्रेषित करती है। समिति विभिन्न विभागों के प्रभारी शिक्षकों के साथ भी समन्वय करती है ताकि विभाग कम उपस्थिति वाले छात्रों की सूची तैयार करे और माता-पिता/अभिभावकों को सूचित करने के लिए पत्र भेजने की व्यवस्था करता है।

महत्वपूर्ण नियम

- उपस्थिति के लिए दिए जाने वाले अंकों के लिए क्रेडिट की गणना करते समय चिकित्सा प्रमाणपत्रों को बाहर रखा जाएगा, हालांकि ऐसे प्रमाणपत्रों को परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता की गणना के उद्देश्य से ध्यान में रखा जाएगा ।
- छात्र को परीक्षा में बैठने के लिए अलग से दिए गए व्याख्यानों/प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल/प्रस्तुतियों की कुल संख्या के दो तिहाई कार्यक्रमों में भाग लेने की आवश्यकता होगी।
- छात्र जो एक साथ लिए गए सभी विषयों में उपरोक्त वर्णित उपस्थिति की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं करेगा, संबंधित सेमेस्टर के दौरान 40% से कम व्याख्यान/प्रस्तुति/ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में भाग नहीं लिया है, वह आगामी सेमेस्टर परीक्षा में केवल प्राचार्य की अनुमति से ही शामिल हो सकता है । ऐसे छात्र को अगले सेमेस्टर में कम उपस्थिति की कमी की पूर्ति करनी होगी।

- यदि किसी छात्र को एन.सी.सी शिविरों/नागरिक सुरक्षा कार्य/एन.एस.एस सार्वजनिक कार्यों/खेल या अन्य पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग लेने के लिए चुना जाता है या विभिन्न मंचों पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करता है, तो अनुपस्थिति की अवधि के दौरान दिए गए व्याख्यानों की संख्या की गणना 'डीम्ड के रूप में की जाएगी। केवल तभी भाग लिया गया जब संबंधित शिक्षक द्वारा अनुमति दी गई हो।

पूर्व छात्र समिति और पूर्व छात्र संघ

संयोजिका :- डॉ अनीता टैगोर

सह-संयोजिका:- डॉ विनीता मीणा

कालिंदी महाविद्यालय का पूर्व छात्र संघ पेशेवर संपर्कों का एक विशाल नेटवर्क है जो आपको लंबी अवधि में महाविद्यालय जीवन और करियर जीवन के बीच संबंध बनाने में मदद करता है। महाविद्यालय में एक सक्रिय पूर्व छात्र संघ है। यह एक मजबूत सोशल नेटवर्क के माध्यम से पूर्व छात्रों के संपर्क में रहता है। पूर्व छात्र संघ के सहयोग से पूर्व छात्र समिति पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। यह महाविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को अपने अनुभव साझा करने और अपने पेशेवर करियर से सीखने के लिए आमंत्रित करता है। यह छात्रों को प्रेरित करने और उन्हें बाहरी पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ने में मदद करता है।

पूर्व छात्र संघ

अध्यक्ष:-डॉ सविता शर्मा

उपाध्यक्ष:- सुश्री आरुषि बाथला

पूर्व छात्र संस्थान के ब्रांड एंबेसडर होते हैं, जो इसके लोकाचार को व्यक्त करते हैं। उनका अनुभव, शिक्षा और समाज के लिए योगदान उनके अल्मा मेटर को प्रतिष्ठा दिलाते हैं। वर्षों के निष्क्रियता के बाद, 2009 में कालिंदी महाविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन को पुनर्जीवित किया गया था। इसके विकास के पीछे मुख्य उद्देश्य पूर्व छात्रों और छात्रों के बीच एक पुल का निर्माण करना और पूर्व छात्रों की व्यस्तता को बढ़ाना,

एक समुदाय से संबंधित माहौल बनाना और संस्थागत को गहरा करने के लिए पूर्व छात्रों को राजी करना है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय की पूर्व छात्र समिति अपने ब्रांड एंबेसडरों को समकालीन भारत में कैरियर परामर्श से लेकर बाल अधिकारों की सुरक्षा तक कई विषयों पर विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके माध्यम से, महाविद्यालय और पूर्व छात्र परस्पर लाभकारी और सार्थक दीर्घकालिक संचार में संलग्न हो सकेंगे। पूर्व छात्र संघ में लगभग 2000 पूर्व छात्र पंजीकृत हैं। फ्रेशर्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम, फेस बुक, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूर्व छात्रों के संघ के बारे में जागरूकता का प्रसार किया जाता है।

छात्र संघ

संयोजिका :- सुश्री शालिनी शर्मा

सह संयोजिका :- डॉ. मनीला नारज़ारी

छात्र संघ वार्षिक रूप से नियुक्त होने वाला एक सक्रिय निकाय है।यह छात्रों के कल्याण और विकास के लिए के लिए अस्तित्व में है। सभी मुख्य प्रदर्शनों के जिम्मेदार होने के नाते वे कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जैसे ओरिएंटेशन कार्यक्रम, शपथ समारोह, नवागंतुक स्वागत (फ्रेशर्स वेलकम) और कई अन्य। संघ निकाय के माध्यम से छात्रों को नेतृत्व और अन्य जीवन कौशल विकसित करने, घटनाओं का प्रबंधन करने और विविध पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है। छात्र संघ भविष्य के नेताओं को महाविद्यालय परिसर में पोषित करके तैयार करता है।

विविध सांस्कृतिक क्लबों की गतिविधियाँ

छात्र संघ की मदद से कई सांस्कृतिक क्लब काम कर रहे हैं। संबंधित सलाहकारों के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक क्लब छात्रों को विभिन्न संदर्भों और स्थान में अपने कौशल को सुधारने के लिए आवश्यक पर्यवेक्षण प्रदान करते हैं। क्लब की विभिन्न गतिविधियों में जरूरत पड़ने पर सीनियर्स तुरंत जूनियर्स की मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। प्रत्येक छात्र को कम से कम एक क्लब के लिए नामांकन करना होगा। छात्रों के लिए अपने संबंधित क्लबों द्वारा आयोजित साप्ताहिक सत्र में भाग लेना अनिवार्य है।क्लब काफी सक्रिय हैं और शिक्षक की भागीदारी उन्हें विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने के लायक बनाती है।

विविध गतिविधियाँ और छात्र जीवन में उसकी भूमिका

फ्रेश फेस, शपथ समारोह, नवागंतुक स्वागत समारोह (फ्रेशर्स), दीपावली मेला, वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-लहरें, वार्षिक दिवस और विदाई आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ये आयोजन न केवल छात्रों के बीच एकता की भावना को प्रोत्साहित करते बल्कि ऐसा मंच भी प्रदान करते हैं जहाँ छात्र अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करते हैं और बड़े पैमाने पर पहचाने जाते हैं। यह छात्रों की छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने में भी मदद करता है क्योंकि वे घटनाओं गतिविधियों से संबंधित हर चीज का प्रबंधन करते हैं। इन आयोजनों में भाग लेने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे भविष्य के महान नेता बनने के लिए तैयार होते हैं। यह भी हो सकता है कि अगली विश्व-सुंदरी या एक महान राजनीतिक नेता हमारे द्वारा आयोजित फैशन शो और बहस का हिस्सा हो।

ई.सी.ए

प्रत्येक छात्र में एक अद्वितीय अंतर्निहित प्रतिभा होती है जिसे प्रोत्साहन और पोषण की आवश्यकता होती है। छात्रों को विविध प्रकार की सांस्कृतिक अवधारणाओं से अवगत कराने से उनका व्यक्तित्व स्वतंत्र विचारों से सम्पन्न व आत्मविश्वासी बन जाता हैं। अवसरों और विविध मंचों के प्रावधान हेतु बहुसांस्कृतिक शिक्षा और छात्रों में समावेशी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, कालिंदी महाविद्यालय में ईसीए (पाठ्येतर गतिविधि) समिति है, जिसमें 21 क्लब सक्रिय रूप से ललित कला, साहित्य, रंगमंच आदि में काम कर रहे हैं।

संयोजिका : डॉ. रेणु गुप्ता

सह-संयोजिका : सुश्री गुंजन वर्मा

i) डिबेटिंग सोसाइटी: मंत्रणा

- संयोजिका (अंग्रेजी) - डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित
- सह-संयोजिका (अंग्रेजी) - डॉ. (श्रीमती) मुकेश
- संयोजिका (हिंदी) - डॉ. आरती सिंह
- सह संयोजक (हिंदी) - डॉ. लवकुश कुमार

ii) वन-एक्ट प्ले: आगाज

- संयोजिका - डॉ. मंजू शर्मा
- सह-संयोजिका - डॉ. रक्षा गीता

iii) नुक्कड़ नाटक: रक्श

- संयोजिका - सुश्री सोनिया कांबोज
- सह संयोजक - डॉ. पंकज कुमार

iii) संगीत क्लब

- संयोजिका - डॉ. रेणु गुप्ता
- सह-संयोजिका - सुश्री अनुराधा कोटियाल

iv) अंताक्षरी

- संयोजिका - डॉ. सनावर सोहम
- सह-संयोजिका - डॉ. शालिनी अग्रवाल

v) नुपुर

- संयोजिका - सुश्री गुंजन वर्मा - सामूहिक नृत्य
- सह-संयोजिका - डॉ. ऋचा गुप्ता-समूह नृत्य
- संयोजिका - डॉ. हरविंदर कौर-एकल नृत्य
- सह-संयोजिका - सुश्री अदिति चौधरी- सोलो डांस

vi) संस्कृत तरंगनी

- संयोजिका - डॉ. मंजू लता
- सह-संयोजिका - डॉ. निशा

vii) फैशन-एस्ता

- संयोजिका - डॉ. गरिमा प्रकाश
- सह-संयोजिका - डॉ. प्रिया बाला

viii) मीडिया क्लब

- संयोजिका - डॉ. के. वंदना रानी
- सह-संयोजक - डॉ. एग्रा जॉन

ix) ग्रेफिटी

- संयोजिका - डॉ. कर्णिका गौर
- सह संयोजिका - डॉ. कृष्णा कुमारी

x) रचनात्मक गद्य लेखन (हिंदी/अंग्रेजी)

- संयोजक - डॉ. उत्पल कुमार (हिंदी)
- सह संयोजिका - सुश्री . रेखा मीणा
- संयोजिका - प्रो. मोनिका बस्सी (अंग्रेज़ी)
- सह-संयोजिका - सुश्री शिप्रा गुप्ता

xi)काव्य - सृष्टि /ऑफ मसेस एंड बार्ड्स (अंग्रेजी कविता)

- संयोजिका (अंग्रेज़ी) - सुश्री मोनिका जुत्शी
- सह-संयोजिका (अंग्रेजी) - सुश्री कीर्तिका लोटनी
- संयोजक (हिंदी) - डॉ. देशराज
- सह संयोजक - डॉ. अभिषेक कुमार सिंह

xii) मेहदी क्लब

- संयोजिका - सुश्री चारु खन्ना
- सह-संयोजिका - सुश्री गरिमा गौर

xiii) पेंट और ब्रश क्लब

- संयोजिका - डॉ. पूनम त्यागी
- सह-संयोजिका - सुश्री माधुरी सिंह

xiv) रंगोली

- संयोजिका - डॉ. दिव्या वर्मा
- सह-संयोजिका - डॉ. प्रतिभा ठाकुर

xv) आरोग्य

- संयोजिका - डॉ. रंजना राय मिश्रा
- सह-संयोजिका - सुश्री सुधा पाण्डेय

xvi) आइवोरी महाविद्यालय बैंड

- संयोजिका - डॉ. शानुजा बेरी
- सह-संयोजिका - डॉ. प्रिया सिंह

xvii) इको क्लब

- संयोजिका - डॉ. दिव्या वर्मा
- सह-संयोजक - डॉ. मयंक कृष्णा

कल्पधरा: इको क्लब

संयोजिका:- डॉ. दिव्या वर्मा

कल्पधरा, इको क्लब पर्यावरण विज्ञान विभाग, कालिंदी महाविद्यालय का महत्वपूर्ण और सक्रिय क्लबों में से एक है। पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रभारी शिक्षक संयोजक हैं और दो अन्य संकाय सदस्य ईको-क्लब के सह-संयोजक हैं, साथ ही छात्र सदस्य पदाधिकारी और अन्य छात्र स्वयंसेवक हैं जिन्हें साक्षात्कार के बाद चुना जाता है। क्लब के सदस्य जलवायु परिवर्तन से मानव जाति के अस्तित्व के संकट के बारे में जागरूकता पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इको-क्लब का विजन युवा मन को हरे और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने और प्रकृति और धरती मां के साथ सद्भाव में रहने के लिए प्रज्वलित करना है। क्लब का आदर्श वाक्य "प्रकृति के बिना जीवन नहीं है" है। ईको-क्लब की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और ईको-क्लब गतिविधियों की योजना काफी पहले से बनायी जाती है। क्लब युवा छात्रों को सार्थक पर्यावरणीय गतिविधियों और परियोजनाओं जैसे "पृथ्वी दिवस समारोह", "विश्व ओजोन दिवस" आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के बैनर तले गार्डन कमेटी और आई.क्यू.एसी कालिंदी महाविद्यालय के साथ इको-क्लब ने 16 सितंबर 2022 को "मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल @ 35: ग्लोबल कोऑपरेशन प्रोटेक्टिंग लाइफ ऑन अर्थ" विषय पर एक वृक्षारोपण अभियान और एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जैसे विश्व ओजोन दिवस। ईको-क्लब ने छात्रों के रचनात्मक पक्ष को प्रदर्शित करते हुए अपना पहला न्यूज़लेटर "CRAFTING A GREEN WORLD" जारी किया। इको-क्लब ने वर्ष 2023 के लिए अपना पहला टेबलटॉप कैलेंडर प्रकाशित किया, जिसकी थीम "फ्लाइंग ज्वेल्स ऑफ कालिंदी

महाविद्यालय" है, जिसमें परिसर की तितली विविधता को दर्शाया गया है। महाविद्यालय में दो साइट्स हैं जहां क्लब द्वारा बायोडायवर्सिटी डिस्प्ले बोर्ड-लिविंग इन हार्मनी विद नेचर को प्रदर्शित किया जाता है। इसमें मई 2022 से नवंबर 2022 के बीच कालिंदी परिसर के भीतर ली गई वनस्पतियों और जीवों की तस्वीरें हैं। 2 स्तनधारी, 33 पक्षी, 1 सरीसृप, बोर्ड पर 2 उभयचर और 46 आर्थ्रोपोड (24 तितली सहित) प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया है। जैव विविधता बोर्ड को मुख्य रूप से उन प्रजातियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विकसित किया गया था जो कैंपस पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व और बातचीत करते हैं।

लहरें

संयोजिका : प्रो. इंदु चौधरी

सह-संयोजिका : डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित और डॉ. निधि कपूर

कालिंदी कॉलेज हर साल अपना दो दिवसीय वार्षिक अंतर-कॉलेज सांस्कृतिक उत्सव लहरें मनाता है। इस वर्ष, यह महोत्सव माननीय प्राचार्य प्रोफेसर अनुला मौर्य के कुशल मार्गदर्शन में 15 और 16 फरवरी 2023 को बहुत उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया था। इस वर्ष उत्सव की थीम थी 'उत्सव: जीवन का उत्सव', जिसमें महामारी के बाद जीवन के प्रति सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण पर जोर दिया गया था। दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति देखी गई। प्रसिद्ध गायक पद्म भूषण पंडित साजन मिश्रा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि सुश्री सुमन देवगन, एक महान ग़ज़ल गायिका और कलाकार, इस कार्यक्रम की विशेष अतिथि थीं। दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त श्री एसके गौतम को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उत्सव का मुख्य आकर्षण पद्मश्री श्रीमती गुलाबो सपेरा की नृत्य और लोकप्रिय पंजाबी पॉप गायक श्री. शंकर साहनी की स्टार प्रस्तुति थी।

हरें 2023 के पहले दिन की शुरुआत उद्घाटन के साथ हुई, जिसके बाद अंताक्षरी, संस्कृत तरंगिनी, समूह गीत, पोस्टर-मेकिंग, अंग्रेजी रचनात्मक लेखन, स्लैम कविता पाठ, रंगोली, मेहंदी, भित्तिचित्र, एकल नृत्य, फोटोग्राफी और एड-मैग शो जैसे विभिन्न प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस वर्ष एक नया संयोजन रिदमिक योग और एरोबिक्स प्रतियोगिता थी जिसका उद्देश्य हमारे जीवन में फिटनेस के महत्व पर जोर देना था। उत्सव के पहले दिन कॉलेज बैंड की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिन

का समापन थीम-आधारित फैशन शो के साथ हुआ, जिसमें डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे प्रासंगिक सामाजिक-पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

उत्साह का दूसरे दिन भी चमक बरकरार रही। स्ट्रीट प्ले, एकल गायन, काव्य सृष्टि, हिंदी रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, वन एक्ट प्ले और ग्रुप डांस जैसे आयोजनों में बड़े पैमाने पर भागीदारी देखी गई और प्रतिभागियों को बांधे रखा। शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के टैलेंट शो का सभी उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। दिन की पहचान पद्मश्री श्रीमती गुलाबो सपेरा और श्री शंकर साहनी का शानदार प्रदर्शन था। सभी ने फ़ुटलूज़ के बाद डीजे अलीज़ेह की धुन पर नृत्य किया।

लहरें 2023 की शानदार सफलता के कारक थे, दिल्ली-एनसीआर के 42 विभिन्न डीयू कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों से 21 विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में लगभग 1267 छात्रों की भागीदारी रही । लहरें 2023 के प्रमुख प्रायोजक केनरा बैंक, हीरो मोटोकॉर्प और द लीजेंड्स कैफे थे। मीडिया प्रायोजकों में डी.यू टुडे, डी.यू इन्फो मीडिया, डी.यू ऑनलाइन कैंपस, डी.यू कम्पटीशन, यूथ दिल्ली और डी.यू इंडिया शामिल थे।

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष: प्रो. मीना चरान्दा

समन्वयक: डॉ. तारकेश्वर

सह-समन्वयक: डॉ. वर्षा सिंह, डॉ. निधि कपूर, डॉ. निधि अरोड़ा, डॉ. पवन कुमार

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ, स्व और बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन, पदोन्नति तथा जीविका पहल के संयोजन माध्यम से गुणवत्ता को उच्च शिक्षा को परिभाषित तत्व बनाने के लिए काम करता है। इस प्रक्रिया में आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ ने विभिन्न उपाय किए जैसे:

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रत्यायन चक्र-2

शैक्षणिक सत्र 2022-23 राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रत्यायन चक्र-2 का वर्ष था, आईक्यूएसी ने एसएसआर जमा कर कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् पीयर टीम के लिए तैयार किया। पीयर टीम के दौरे के मद्देनजर शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम, पाठ्येतर, ढांचागत और प्रशासनिक गतिविधियों की निगरानी के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया था; कई बैठकें आयोजित की गईं; अकादमिक और भौतिक सुविधाओं और विभिन्न स्थानों की कई "समीक्षा यात्रा" आयोजित की गई ।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् पीयर टीम का दौरा

कॉलेज में 14 से 15 दिसंबर, 2022 तक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् पीयर टीम का संचालन किया गया। इस साइकिल 2 प्रत्यायन के दौरान, पीयर टीम संस्था के गुणात्मक पहलुओं पर केंद्रित थी।

पहले दिन, टीम ने प्राचार्या, आईक्यूएसी और संचालन समिति के साथ बैठक-सह-प्रस्तुति की, उसके बाद पाठ्यचर्या, शिक्षण और सीखने की प्रथाओं का आकलन करने के लिए सभी विभागों, समितियों और नोडल सोसायटी के साथ प्रस्तुति-सह-बातचीत की; अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियाँ; अवसंरचना और सीखने की सुविधाएं; पर्यावरण, लिंग और सामाजिक समावेशिता के प्रति संस्थागत सर्वोत्तम प्रथाएं; सांस्कृतिक विविधता और कौशल; प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन के साथ-साथ कॉलेज के अन्य पहलू।

दूसरे दिन, प्राचार्या, आईक्यूएसी, टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ और छात्रों के साथ आयोजित मीटिंग में पीयर टीम द्वारा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई और जमा की गई, जिसमें उन्होंने अपनी टिप्पणियों पर प्रकाश डाला जो कॉलेज के बारे में सराहनीय थीं और इसके लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

इस पूरी यात्रा के दौरान शासी निकाय, प्राचार्या, आईक्यूएसी के बाहरी विशेषज्ञ, पूरे शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी, छात्र, अभिभावक, पूर्व छात्र, सभी ने सहयोग किया। इस पूरी प्रक्रिया ने कालिंदी कॉलेज को एक संस्था के रूप में अपनी क्षमताओं का आकलन करने में सक्षम बनाया है।

अंत में यह घोषणा करना गर्व और महान उत्साह की बात है कि 20 दिसंबर 2022 को कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा "ग्रेड ए +" से सम्मानित किया गया।

साथ ही आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ स्वयं और बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन, पदोन्नति और जीविका पहल के संयोजन के माध्यम से गुणवत्ता को उच्च शिक्षा का परिभाषित तत्व बनाने के लिए काम करता है। इस प्रक्रिया में आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ ने विभिन्न उपाय किए जैसे:

- नीतिगत दस्तावेजों का गठन और जेंडर ऑडिट, ग्रीन ऑडिट (पर्यावरण और ऊर्जा चेतना के लिए) का आयोजन
- ट्रांसजेंडर सेल के गठन का सुझाव
- सभी हितधारकों का एसएसएस, फीडबैक और सर्वेक्षण आयोजित करना और छात्रों की आम सभा का आयोजन करना
- आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की प्रस्तावित और क्रियान्वित योजनाएं

- AQAR: नई AQAR समिति का गठन किया गया जिसने AQAR 2021-22 को संकलित किया
- आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ ने विभिन्न अनुसंधान और प्रकाशन पर कार्यशाला/सेमिनार/संकाय संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुसंधान और विकास सेल को प्रेरित किया।
- कालिंदी कॉलेज और उसके बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का गवाह बना

    1. चार्टर्ड इंटरनेशनल दा विंची यूनिवर्सिटी (CIDVU), डेलावेयर, यूएसए

    2. वेस्ट कोस्ट इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज, टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड आर्ट्स (WCIUSTMA), डेलावेयर, यूएसए

    3. क्राउन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल चार्टर्ड इंक। (सीयूआईसीआई), यूएसए, सांता क्रूज़ प्रांत, अर्जेंटीना

- आईक्यूएसी इस उद्देश्य से आईसीटी अकादमी (तमिलनाडु राज्य सरकार और उद्योग के सहयोग से भारत सरकार की एक पहल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। उन्नत आईटी कौशल पर अंतिम वर्ष के छात्रों को स्नातक करने और आईटी और आईटीईएस उद्योग में युवा कौशल के लिए उपलब्ध नौकरी के अवसर प्रदान करने के लिए।

- MIS और डिजिटलीकरण: MIS (प्रबंधन सूचना प्रणाली) का पुनरुद्धार और प्रशासनिक / लेखा डिजिटलीकरण आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा शुरू की गई अगली पहल हैं।

- सीएएस 2018 के तहत पदोन्नति: दिल्ली विश्वविद्यालय और यूजीसी द्वारा तैयार सीएएस 2018 दिशानिर्देशों के तहत; आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ सक्रिय रूप से शामिल है, APAR और प्रमोशन मामलों को कॉल करना, उनका मूल्यांकन करना, और कॉलेज प्रशासन और विषय विशेषज्ञों के बीच कनेक्टिंग ब्रिज के रूप में कार्य करना। आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ ने चरण I से II तक 52 फैकल्टी की पदोन्नति को सफलतापूर्वक संसाधित किया है; स्टेज II से III तक 47; स्टेज III और उससे ऊपर के 30 और एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के लिए 12।

- आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ कॉलेज की विभिन्न समितियों के सहयोग से प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में भी शामिल रहा है:

1. दो सप्ताह अंतःविषय ऑनलाइन संकाय विकास program' पर "एमओओसी, इ ओपन एजुकेशन में कंटेंट डेवलपमेंट, रिसर्च मेथडोलॉजी और स्टैटिस्टिकल टूल्स दुनिया"

2. तंबाकू विरोधी समिति, कालिंदी कॉलेज के सहयोग से "तंबाकू के खिलाफ लड़ाई" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार

3. अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से "शिक्षा में बौद्धिक संपदा अधिकार" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

4. टिकाऊ अनुसंधान मॉडल डिजाइन करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए "नवाचार और सतत पर्यावरण" विषय पर एक इंटरकॉलेज वर्किंग मोडल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

एनसीसी: राष्ट्रीय कैडेट कोर

ए.एन.ओ.: लेफ्टिनेंट (डॉ.) आरती सिंह

सीटीओ: सुश्री बलजीत कौर

राष्ट्रीय कैडेट कोर भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह स्वैच्छिक आधार पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए खुला है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एक त्रि-सेवा संगठन है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल है, जो देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में तैयार करने में लगी हुई है। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) जो रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आता है, की स्थापना 1917 में भारतीय सेना की ताकत के पूरक के लिए की गई थी। यह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तरों पर कैडेटों के विकास पर केंद्रित है। यह साहस, साथी-भावना, अनुशासन, नेतृत्व और एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण की गुणवत्ता को विकसित करता है। यह निस्वार्थ सेवा, खेल भावना और कर्तव्य के प्रति अथक समर्पण की भावना भी पैदा करता है। लक्ष्य उन्मुख युवाओं के संगठनात्मक प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन तैयार करना है, जो सशस्त्र बलों की सहायता कर सकते हैं और राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। कैडेटों को 'बी' और 'सी' प्रमाणपत्र दिए जाते हैं जो उन्हें सशस्त्र बलों, पुलिस और सीआरपीएफ के साथ रोजगार हासिल करने में 5-10% लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

कालिंदी कॉलेज के शिक्षाविदों में एनसीसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह 1971 में 5 दिल्ली गर्ल्स बटालियन और 'ग्रुप बी' दिल्ली निदेशालय के तहत शुरू किया गया था, जिसमें वर्तमान में 164 छात्र नामांकित हैं। हाल ही में इसे कॉलेज में 'वीएसी' विषय के रूप में जोड़ा गया है। लेफ्टिनेंट डॉ. आरती सिंह संबद्ध एनसीसी अधिकारी हैं और सुश्री बलजीत कौर कार्यवाहक अधिकारी हैं। वे कॉलेज में एनसीसी के मुख्य प्रमुख कार्यकर्ता हैं, जो एनसीसी इकाई (कीर्ति नगर) द्वारा विस्तृत स्थायी अनुदेशात्मक (पीआई) कर्मचारियों की सहायता से योजना बनाने और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए जिम्मेदार हैं। इन वर्षों में, कालिंदी कॉलेज एनसीसी ने विभिन्न मील के पत्थर हासिल किए जिनमें सशस्त्र बल की सिफारिश शामिल है। हमारे कैडेट एनसीसी द्वारा आयोजित विभिन्न शिविरों में भाग लेते हैं जिसमें राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी), बुनियादी नेतृत्व शिविर (बीएलसी), आरडीसी (गणतंत्र दिवस शिविर) और वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी) शामिल हैं जो सभी कैडेटों के लिए अनिवार्य शिविर है। यह हर साल दो पुनरावृत्तियों में आयोजित किया जाता है, हमारे कैडेट इस शिविर में भाग लेते हैं, बहुमूल्य अनुभव और चिरस्थायी यादों के साथ लौटते हैं।

'उड़ान', कालिंदी कॉलेज के एनसीसी का वार्षिक उत्सव हर साल कैडेटों की टीम और एनसीसी के संकाय द्वारा आयोजित किया जाता है। इसी तरह, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेज हर साल इस तरह के फेस्ट आयोजित करते हैं जो कैडेटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने संस्थान को गौरवान्वित करने का अवसर देते हैं। कैडेटों को रैंक भी दी जाती है जो उन्हें कार्यकारी स्तर पर कार्य, घटना, कर्तव्यों और रिपोर्ट के संचालन के लिए जिम्मेदार बनाती है। आर्मी विंग के रैंक में SUO (सीनियर अंडर ऑफिसर), JUO (जूनियर अंडर ऑफिसर), SGT (सार्जेंट), CPL (कॉर्पोरल) और LCPL (लांस कॉर्पोरल) शामिल हैं।

जो छात्र एनसीसी में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें कॉलेज में उपलब्ध एनसीसी कक्ष से फॉर्म प्राप्त करना चाहिए और निर्धारित अवधि में स्टाफ सलाहकार को जमा करना चाहिए।

एनएसओ: राष्ट्रीय खेल संगठन

संयोजिका : प्रो. सुनीता मंगला

शारीरिक शिक्षा विभाग, कालिंदी कॉलेज स्वास्थ्य और खेल-संबंधी सुविधाएँ छात्रों एवं कर्मचारियों को प्रदान करता है। विभाग विभिन्न खेलों जैसे एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, शतरंज, फुटबॉल, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, खो-खो, भारोत्तोलन तायक्वोंडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और योग के लिए कोचिंग प्रदान करता है । इसके अलावा हम प्रचार भी करते हैं जिम्नास्टिक, निशानेबाजी, तैराकी और टेनिस जैसे खेलो का। कॉलेज की विभिन्न टीमें सक्रिय रूप से इंटर कॉलेज, दिल्ली राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेते हैं। विभाग छात्रों, संकायों और नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए विभिन्न खेलों के अंतर-कक्षा मैचों का भी आयोजन करता है। स्पोर्ट्स सोसायटी भी आमंत्रण इंटर कॉलेज के दिव्यांग वर्ग के लिए शतरंज और कैरम सहित विभिन्न खेलों के टूर्नामेंटका आयोजन करती है । स्वास्थ्य और फिटनेस पर सेमिनार, कार्यशालाएं और वेबिनार भी आयोजित किए जाते हैं।

महिला विकास प्रकोष्ठ

संयोजिका: प्रो. इन्दु चौधरी

कालिंदी महाविद्यालय का महिला विकास प्रकोष्ठ इस महाविद्यालय का मंच है. यह दैनिक जीवन में लिंग के महत्वपूर्ण मुद्दों से जुड़ी हुई है और इसका उद्देश्य इस बारे में सूक्ष्म समझ प्रस्तुत करना है कि लिंग संबंधी रूढ़ियों को कैसे चुनौती दी जा सकती है। यह युवा विद्यार्थियों और संकाय-सदस्यों में विचारशीलता की

भावना पैदा करने के लिए उपयुक्त शैक्षणिक साधनों का उपयोग करता है। पूर्व में अपने नवोन्मेषी प्रयासों डब्ल्यूडीसी ने न केवल महाविद्यालय परिसर में लिंग गुणवत्ता बल्कि लिंग समानता की भी वकालत की है। यह विद्यार्थियों को लिंग भेद आधारित अस्तित्व पर प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है जो भेदभावपूर्ण और इससे महिलाओं के बीच मैत्री की शक्ति का निर्माण होता है। खुली कार्यशालाएं, संगोष्ठियों , अभियान, सम्मेलन, फिल्म फेस्टिवल ऐसे तरीके हैं जिससे डब्ल्यूडीसी भारत में अंतर-विभागीय फेमिनिज़्म के शमन का प्रयास करता है।

ट्रांसजेंडर सेल

संयोजिका : डॉ अनीता टैगोर

सह संयोजक : डॉ देशराज

कालिंदी महाविद्यालय का ट्रांसजेंडर सेल दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का पहला है। लैंगिक विविधता और समावेशिता के कारण के लिए प्रतिबद्ध, सेल गंभीर रूप से तीसरे लिंग के लिए बहस, चर्चा और सक्रियता में लगी हुई है। यह लैंगिक न्याय के मुद्दों को समझने के लिए विभिन्न विकास संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है। पिछले एक साल में, इसने शिक्षाविदों में छात्रों के विकास के लिए लैंगिक विविध पारिस्थितिकी तंत्र का जश्न मनाने के लिए डॉ अनीता टैगोर की अध्यक्षता में महिला विकास सेल के साथ सहयोग किया है।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ

संयोजिका : डॉ. रेणु बाला

कालिंदी महाविद्यालय का सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ 2015 से सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है । सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ विभिन्न परियोजनाओं की अंतर्गत रक्तदान, अंगदान, प्लास्टिक प्रयोग प्रतिषेध अभियान, युवा संवेदीकरण कार्यशाला, कौशल विकास प्रशिक्षण और वृद्धाश्रम का दौरे की शुरुआत करके समाज में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है।

प्रकोष्ठ में दो प्रमुख संघ सम्मिलित हैं- एनएक्टस और कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सी. डी. एफ.)कालिंदी। ये विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचानने और उभारने के लिए अभिनव, उत्तरदायित्वपूर्ण और

प्रभावशाली मंच प्रदान करता है। ये सभी गतिविधियां नेतृत्वकर्ताओं और नागरिकों को सामाजिक एवं नैतिक रूप से ज़िम्मेदार बनाने में सहयोग करती हैं।

एनेक्टस कालिंदी तीन परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है- प्रोजेक्ट रहमत, प्रोजेक्ट वेरेन और प्रोजेक्ट राही, जो लोगों के जीवन को बदलने के लिए उद्यमशील कार्यशक्ति का उपयोग करती है। सतत विकास हेतु स्वच्छता, कृषि, भेदभाव पर्यावरण, विषमता, निर्मूलन और स्त्री सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर नव सृजनात्मक समाधान के रूप प्रभाव डालने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ), कालिंदी महाविद्यालय शाखा, अपने प्रोजेक्ट किलकारी, प्रोजेक्ट उन्नति और प्रोजेक्ट युक्ता के माध्यम से, जो संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) से जुड़ा है। इसका उद्देश्य उद्यमशीलता के उपक्रमों और कार्यों द्वारा समाज के वंचित वर्ग का उत्थान करना है, जो ग़रीब और आर्थिक रूप से हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन में आशा की किरण जगा रहा है।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ की गतिविधियों में भागीदारी विद्यार्थियों को सफल कैरियर बनाने के लिए आवश्यक अनुभव, कौशल और संपर्क द्वारा अपने समुदायों में सार्थक अंतर करने का अवसर प्रदा करती है। स्थापना के बाद से, सेल ने विभिन्न सहकारी और सामाजिक कार्यों के साथ-साथ छात्र और संस्थागत पहलों के माध्यम से पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया है।

कम समय में की गई उल्लेखनीय प्रगति हमारे संकाय, संसाधन और पूर्व छात्रों की सूची का प्रमाण है। कालिंदी महाविद्यालय में सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ के सदस्य के रूप में विद्यार्थी बेहतर दुनिया के निर्माण के उद्देश्य में योगदान हेतु हजारों अन्य विद्यार्थियों और व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर एक विश्वव्यापी संजाल का निर्माण करते हैं।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र

संयोजिका :-डॉ गरिमा प्रकाश

सह-संयोजिका :- डॉ. रजनी

कालिंदी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) का अंबेडकर अध्ययन केंद्र वर्ष 2017 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के विचार को प्रचारित प्रसारित करना

था। डॉ अंबेडकर एक भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे। वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री के साथ-साथ संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष भी थे और उन्हें भारत के संविधान का मुख्य वास्तुकार माना जाता है। अम्बेडकर के सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए कालिंदी कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठि, छात्रों के द्वारा पेपर प्रस्तुति और डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के दौरा आयोजित करने की योजना है।

छात्र की दृष्टि और ज्ञान को विकसित करने के अपने मिशन के एक भाग के रूप में, केंद्र ने विभिन्न कार्यक्रमों और सेमिनार का आयोजन किया है।

गांधी अध्ययन मंडल

संयोजक: डॉ. रिनी पुंडीर

सह-संयोजक: सुश्री शिप्रा गुप्ता

आज की दुनिया में महात्मा गांधी का एक उपयुक्त कथन, जिन्होंने ठीक ही कहा था, "सौम्य तरीके से, आप दुनिया को बदल सकते हैं"। इस आदर्श वाक्य के लिए प्रतिबद्ध, कालिंदी महाविद्यालय का गांधी अध्ययन मंडल एक सक्रिय सह-पाठ्यचर्या समिति है जो अपने छात्रों के बीच गांधीवादी आदर्शों के आधार पर वैकल्पिक विचार और व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, गांधी अध्ययन मंडल (जीएससी) ने महाविद्यालय के लिए काफी ख्याति अर्जित की है। कालिंदी महाविद्यालय का यह केंद्र अपने सभी छात्रों के लिए खुला है और छात्रों और शिक्षकों के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करता है। यह सदस्यों को अद्वितीय मूल्यों और नैतिकता के साथ एक आधुनिक भारत बनाने के लिए गांधी के विचारों के महत्व और प्रासंगिकता और हमारे जीवन और मूल्यों को आकार देने में उनके योगदान पर विचार-विमर्श करने में मदद करता है। कालिंदी महाविद्यालय के इस केंद्र ने बापू की विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है। इस केंद्र गांधीवादी शिक्षाओं के सार के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए पूरे वर्ष कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए जाना जाता है। उनके सिद्धांतों और दर्शन को जीएससी द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, वेबिनार, पेपर प्रस्तुतियों, पोस्टर निर्माण और विभिन्न अन्य गतिविधियों के माध्यम से जीवित रखा जाता है। यह युवा दिमागों को शैक्षणिक उपाधि हासिल करने के साथ-साथ गांधीवादी मूल्यों को अपनाकर परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाता है।

अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ

संयोजिका : डॉ. विनीता मीणा

सह संयोजक : डॉ. दीपक यादव

हमारे महाविद्यालय समुदाय का एक अभिन्न अंग है यह 2015 में स्थापित किया गया था। कालिंदी महाविद्यालय एससी/एसटी सेल शुरू करने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला महाविद्यालय है, जिसका उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर दिनेश सिंह और साउथ कैंपस के निदेशक डॉ उमेश राय ने किया था।

सेल का उद्देश्य समानता, समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। कालिंदी महाविद्यालय में हम सामाजिक न्याय के सिद्धांतों में दृढ़ता से विश्वास करते हैं और एक ऐसा पोषक वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं जहां हर छात्र को सफल होने और फलने-फूलने के समान अवसर हों। हमारा एससी/एसटी सेल हमारे एससी/एसटी छात्रों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्हें अकादमिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक समर्थन और संसाधन प्रदान करता है।

कालिंदी महाविद्यालय में एससी/एसटी सेल उन बाधाओं या चुनौतियों को दूर करने की दिशा में काम करता है जिनका एससी/एसटी छात्रों को अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान सामना करना पड़ सकता है। हम समझते हैं कि हाशिए की पृष्ठभूमि के छात्रों को अद्वितीय बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, और हमारा सेल यहां हर कदम पर मार्गदर्शन, सहायता और प्रोत्साहन देने के लिए है।

एस.सी/एस.टी सेल में संकाय और कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम एक समावेशी स्थान बनाने में गर्व महसूस करती है जहां छात्र स्वतंत्र रूप से खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं, अपनी चिंताओं पर चर्चा कर सकते हैं और सहायता मांग सकते हैं। हम एससी/एसटी छात्रों के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों के बारे में महाविद्यालय समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी करते हैं। एक समावेशी और सम्मानजनक वातावरण को बढ़ावा देकर, हम अपने महाविद्यालय के भीतर सद्भाव, समझ और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना चाहते हैं।

पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ

संयोजक : डॉ.एम.अरुणजीत सिंह

सह-संयोजिका : सुश्री एल.पावनी

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विशिष्ट जातीय समूह शामिल थे। इसकी स्थानिक और भौगोलिक स्थिति ने इस क्षेत्र को अपेक्षाकृत अस्पष्ट और देश के बाकी हिस्सों से अलग कर दिया है। प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षा की प्राप्ति के लिया हर साल दिल्ली आने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। दिल्ली विश्वविद्यालय को इन इच्छुक छात्रों की बड़ी संख्या प्राप्त होता है, यह विश्वविद्ययालय और इसके संबद्ध कॉलेजों के लिए बहुत ही प्रशंसनीय और साथ ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। विशेष रूप से, विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र से आने वाले छात्रों की प्रवेश योग्य और उनके सुगमता को बढ़ावा देने के लिए कई सकारात्मक कदम उठाए हैं।

कालिंदी महाविद्यालय में पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ 2012 में गठित दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे पुराने कॉलेजों में से एक है। इससे पहले भी सरकार समर्थित शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के प्रकोष्ठ के लिए भारत सरकार के निर्देश को अधिसूचित किया गया था।

उद्देश्य:

महाविद्यालय में सेल का मुख्य उद्देश्य उत्तर पूर्व क्षेत्र के छात्रों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करना था। मुद्दे और समस्याएं महाविद्यालय में रोजमर्रा की दैनिक जीवन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि शहर में भी हैं। प्रवेश प्रक्रिया और इससे संबंधित मामलों से शुरू होकर अकादमिक विषयों और पाठ्यक्रम से परिचित होने तक, सेल एक नए वातावरण के साथ तालमेल बिठाने में छात्रों के लिए एक सहायक प्रणाली के रूप में काम करता है। पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों और अन्य छात्रों के बीच अनुकूल बातचीत और समझ के लिए एक सेतु के रूप में भी काम करता है। सेल महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में उत्तर पूर्वी छात्रों के भीतर और बाहर छात्रों के बीच विविधता में एकता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इस संबंध में महाविद्यालय परिसर में ही एक बहुप्रतीक्षित छात्रावास सुविधा परियोजना भी प्रगति पर है। 2014 में तत्कालीन शासी निकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर दीनबंधु साहू ने महाविद्यालय में नॉर्थईस्टर्न गर्ल्स हॉस्टल नाम के हॉस्टल की आधारशिला रखी थी।

सेल की गतिविधियां:

स्थापना के बाद से, कालिंदी महाविद्यालय के पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ ने विविध विषयों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों आयोजन किया है। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में नियमित रूप से उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वार्षिक अंतरमहाविद्यालयी सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा शैक्षिक और सूचनात्मक संगोष्ठी, कार्यशाला और प्रतियोगिता लगातार आयोजित की जाती हैं। आठ उत्तर-पूर्वी राज्यों (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड त्रिपुरा और सिक्किम) से आने वाले छात्र इसमें न केवल भाग लेते हैं, बल्कि इस प्रकोष्ठ के तहत कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

वर्तमान में, पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से दूसरे और तीसरे वर्ष के लगभग 50 छात्र विभिन्न विभागों में नामांकित हैं।

सेल कैसे काम करता है?

प्रकोष्ठ एक समिति के माध्यम से काम करता है जिसमें क्षेत्र के संकाय के बीच प्राचार्या द्वारा चुने गए संयोजक होते हैं। समिति के अन्य सदस्यों में एक सह-संयोजक और महाविद्यालय के संकाय सदस्य शामिल हैं।

छात्रों के साथ समन्वय में सेल के सुचारू कामकाज के लिए, समिति हर साल नामांकन के साथ-साथ एक छात्र मतदान प्रणाली के माध्यम से विभिन्न बैचों से 10 से 12 छात्र प्रतिनिधियों को पदाधिकारिय के रूप में चुनती है। अध्यक्ष वरिष्ठ बैच (अंतिम वर्ष) से चुने जाते हैं।

पदाधिकारियों की स्थिति:

1. अध्यक्ष
2. उपाध्यक्ष
3. महासचिव
4. संयुक्त सचिव
5. वित्त सचिव
6. जनसंपर्क
7. सहायक जनसंपर्क
8. क्रिएटिव डायरेक्टर

9. सहायक रचनात्मक निदेशक

10. तीन अलग-अलग वर्षों के छात्र प्रतिनिधि।

इस निर्वाचित ओबीएस कैंपस में सौहार्दपूर्ण और अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रभारी संकाय के परामर्श से प्रकोष्ठ चलाया जाता है। छात्रों के बीच बंधुत्व की भावना को बढ़ावा और विविध शैक्षणिक और सांस्कृतिक स्थान हेतु सद्भाव की दिशा में प्रकोष्ठ का उद्देश्य हैं।

दिल्ली से बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ

संयोजिका- डॉ. निशा बख्शी

सह-संयोजिका- डॉ. निशा गोयल

बाहरी और विदेशी छात्र प्रकोष्ठ का गठन बाहरी छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें संबंधित मुद्दों पर निरंतर समर्थन, मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए किया गया है। प्रकोष्ठ का प्राथमिक उद्देश्य बेहतर शैक्षिक अवसरों और करियर की संभावनाओं का पता लगाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाले बाहरी और विदेशी छात्रों के लिए एक अनुकूल, आरामदायक और स्वागत योग्य वातावरण बनाना है। चूंकि पिछले कुछ वर्षों में बाहरी छात्रों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हुई है, प्रकोष्ठ स्वयं को एक महत्वपूर्ण समर्थन प्रणाली के रूप में सेवा देने का प्रयास करता है जिससे बाहरी छात्र आसानी से अपनी समस्याओं और मुद्दों को महाविद्यालय प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस के अलावा, प्रकोष्ठ इन छात्रों को कई गतिविधियों में भी शामिल करता है ताकि वे अपने शिक्षकों और संस्था के अन्य छात्रों के साथ बातचीत करते समय परिचित और समावेश की भावना विकसित कर सकें। बाहरी और विदेशी छात्रों का प्रकोष्ठ भी किराए के आवास/पीजी/हॉस्टल में रहने के दौरान सुरक्षा उपायों के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए छात्रों की बैठक, इंटरैक्टिव सत्र और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। प्रकोष्ठ का मुख्य प्रयास बाहरी छात्रों के लिए एक रचनात्मक, उत्साही और उत्पादक महाविद्यालय अनुभव की दिशा में लगातार काम करना है ताकि महाविद्यालय में उनका प्रवास उनके लिए एक सुखद और यादगार अनुभव बन सके।

अभिभावक-शिक्षक-छात्र बैठक/मिलन (पीटीएसआई)

संयोजिका - डॉ.अलका चतुर्वेदी

सह-संयोजिका - डॉ.निधि कपूर

अभिभावक-शिक्षक-छात्र मिलन, माता-पिता, शिक्षक और छात्रों से बना एक औपचारिक संगठन है, जिसका उद्देश्य कॉलेज में अभिभावकों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाना है।

पीटीएसआई के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं-

1. छात्रों के हित में माता-पिता और शिक्षकों के बीच मजबूत संबंध बनाना।
2. कॉलेज में क्या हो रहा है, अभिभावकों को इसकी जानकारी देना और इसके बारे में अपनी राय व्यक्त करना।
3. विद्यार्थियों को माता-पिता और शिक्षक के दृष्टिकोण को समझना।
4. यह निर्धारित करना कि कॉलेज छात्रों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्हें सर्वोत्तम शिक्षण अनुभव प्रदान करे।

कॉलेज माता-पिता को जानकारी देने और हमारे शिक्षकों के समर्थन से योजनाएं तैयार करने के लिए पीटीएसआई की मेजबानी करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी छात्र अपनी पूरी क्षमता तक विकास कर सकें। इस बैठक के माध्यम से शिक्षक छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि, रुचियों और हर चीज के बारे में छात्र की राय जानते हैं। यह कॉलेज के कामकाज के साथ-साथ छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है। कॉलेज में पीटीएसआई छात्र और पूरे कॉलेज के जीवन को बेहतर बनाने और बढ़ाने की दिशा में काम करता है। किसी छात्र के बारे में अधिक जानने से शिक्षक को तदनुसार उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है।

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए अभिभावक-शिक्षक-छात्र मिलन 23 अप्रैल 2022 को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक विभिन्न विभागों द्वारा गूगल मीट पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था। विभिन्न विभागों के छात्रों के अभिभावकों ने पीटीएसआई में भाग लिया और गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया भी दी।

तंबाकू निषेध समिति

संयोजिका- प्रो. मोनिका बस्सी

सह-संयोजिका- डॉ. वर्षा सिंह

सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण के विज्ञापन और विनियमन का निषेध) अधिनियम, 2003 ने कॉलेजों को महाविद्यालय परिसर में विशिष्ट स्थानों पर सूचना प्रदर्शित करना वर्जित है, जिसमें प्रमुखता से कहा गया था कि शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री सख्त वर्जित है और यह अधिनियम की धारा 24 के तहत दंडनीय अपराध है। महाविद्यालय उल्लिखित शासनादेश का कड़ाई से पालन करता है.

कालिंदी महाविद्यालय के छात्र तम्बाकू सेवन के खिलाफ हैं, हालांकि तम्बाकू विरोधी समिति हमारे छात्रों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने में कोई कसर नहीं छोड़ती, क्योंकि तम्बाकू में जहरीले रसायन हमारे शरीर के लगभग हर हिस्से को नुकसान पहुँचाते हैं और इस तरह कई बीमारियों के खतरे को बढ़ाता है. कालिंदी महाविद्यालय को इस बात पर गर्व है कि महाविद्यालय कैंपस तंबाकू मुक्त कैंपस है तम्बाकू के उपयोग से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जातें हैं।ये कार्यक्रम निकोटीन के उपयोग के नकारात्मक प्रभाव पर विस्तार बताते हैं जो किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसकी भलाई के हर पहलू को दूषित करता है।

IBSD (कालिंदी कॉलेज सेंटर)

संयोजिका - सुश्री श्वेता राज

सह संयोजिका - डॉ. सीमा गुप्ता

पूर्वोत्तर में महिला उद्यमिता के लिए आईबीएसडी कालिंदी कॉलेज केंद्र की स्थापना 25 जनवरी 2017 को हुई थी। जैव संसाधनों की खोज और उत्तर पूर्वी राज्यों की जैव विविधता को समझना केंद्र का उद्देश्य है। और जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के आधुनिक उपकरणों के उपयोग के माध्यम से पूर्वोत्तर के जैव संसाधनों का विकास और उपयोग करना है। केंद्र निम्नलिखित पहलों पर ध्यान केंद्रित करेगा जैसे उत्तर पूर्वी राज्य की जैव विविधता का पता लगाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए छात्रों का आदान-प्रदान, उद्यमिता, और जैव संसाधनों का मूल्य वर्धित उत्पादन, पशु/पौधों के जैव संसाधनों दोनों पर नृवंशविज्ञान अध्ययन और अनुसंधान की जागरूकता।

वार्षिक अकादमिक जर्नल

संपादक: डॉ. शिल्पिका बाली मेहता (अंग्रेजी अनुभाग), सुश्री रेखा मीणा (हिंदी अनुभाग)

सह-संपादक: शिप्रा गुप्ता (अंग्रेजी अनुभाग) डॉ. संजय कुमार सिंह (हिंदी अनुभाग)

कालिंदी कॉलेज का वार्षिक अकादमिक जर्नल एक समीक्षित, बहु-विषयक, त्रिभाषी जर्नल है। मार्च 2023 में इसका 22वां अंक जारी किया गया था। गुणवत्ता युक्त शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयास के परिणामस्वरूप विविध विषयों को कवर करने वाले विभिन्न विषयों के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा शोध पत्रों का एक समृद्ध संग्रह तैयार किया गया। मिशन के कुछ विषय कम्प्यूटेशनल भौतिकी, जैव-उर्वरक में प्रोग्रामिंग, पौधों के विकास को बढ़ावा देने वाले बैक्टीरिया का उपयोग, भारी धातुओं के उपयोग से मिट्टी के प्रदूषण को सीमित करना आदि इसके प्रमुख विषय थे। इस प्रकार पर्यावरण संबंधी चिंताएँ विद्वानों की शैक्षणिक शोध पत्र में संलग्न में हुईं। कुछ अन्य लेख में समाज की बारीकियों, 'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा और लैंगिक समानता आदि विषयों को भी लिया गया! इस प्रकार,ऐसे शोध विषय के मुद्दों ने विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाला, जिन्हें संकाय सदस्य और अनुसंधान करने वाले विद्वान अपनी अकादमिक गतिविधियों में शामिल करते हैं।

लघु अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम

समन्वयक- डॉ. रंजना रॉय मिश्रा

कालिन्दी महाविद्यालय शासी निकाय द्वारा स्वीकृत्त लघु-अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो छात्रों को ऐसे कौशल से युक्त करने का इरादा रखता है जो उन्हें आज की दुनिया के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में अतिरिक्त लाभ और बढ़त प्रदान करता है। ऐसे अतिरिक्त पाठ्यक्रमों और उनके प्रवेश का विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

लघु-अवधि अतिरिक्त पाठ्यक्रम का नाम	समन्वयक	अवधि	पाठ्यक्रम शुल्क
विदेशी भाषा फ्रेंच में सर्टिफिकेट कोर्स (जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से)	सुश्री सोनिया कम्बोज	1 वर्ष	रुपये 8000/-
ट्रैवल और टूरिज्म में सर्टिफिकेट कोर्स	डॉ. सीमा सहदेव	4 माह	रुपये 8000/-

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम

संयोजिका - डॉ. वंदना रानी

सह-संयोजक: डॉ राजेश कुमार मीणा

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों की पेशकश करने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की फर्मों के साथ संयुक्त उद्यम संकाय और शिक्षार्थियों के लिए अध्ययन के अपने चुने हुए क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ बने रहना आसान बनाते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पाठ्यक्रम में मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों की पेशकश करना महत्वपूर्ण है ताकि छात्र व्यक्तिगत रूप से विकसित हो सकें और कार्यस्थल की मांगों के लिए खुद को तैयार कर सकें। हमारा महाविद्यालय शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म दोनों तरह के सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो नियमित क्लास शेड्यूल से परे या ग्रीष्म अवकाश के दौरान आयोजित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम, जो पेशेवरों और व्यावसायिक नेताओं द्वारा पढ़ाए जाते हैं, छात्रों को उनके करियर के लिए पेशेवर मूल्य को बढ़ाकर प्रतिस्पर्धी नौकरी के बाजार में बढ़त दिलाते हैं। हमारा महाविद्यालय समय-समय पर प्रशिक्षण सत्र, सेमिनार आयोजित करता है, और वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास में छात्रों की भलाई के लिए अन्य कार्यक्रम है। हमने मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: हमने मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित

लाभ प्रदान करते हैं: हमने मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों के माध्यम से इन मूल्यवान करियर उन्मुख कार्यक्रमों की पेशकश की है, जिसमें छात्रों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त होता है। हर साल, कई शिक्षार्थी इन कौशल समृद्ध पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों में तेजतर्रार पेशेवर बनने की इच्छा पैदा करते हैं जो नवीनतम रुझानों का पालन करते हैं और अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं: मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम छात्रों को कई व्यवसायों में प्रशिक्षण और परामर्श प्राप्त करने का मौका देते हैं। वास्तव में यह उनका समर्थन भी करता है क्योंकि वे करियर के नए रास्ते तलाशते हैं। ये कार्यक्रम हमारे शिक्षार्थियों को उनके साथियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करते हैं और निम्नलिखित लाभ प्रदान करते हैं:

- तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और योग्यता को बढ़ाता है।
- वांछित क्षेत्र में मौजूदा रुझानों के संपर्क में आने से स्नातकों की रोजगार क्षमता में सुधार होता है।
- शिक्षार्थियों को प्रेरित करने और समकालीन शोध उपकरणों को लागू करने के तरीके को समझने में उनकी मदद करने के लिए बुनियादी समस्या-समाधान तकनीकों को स्थापित करने का प्रयास करता है।

मूल्य संवर्धनपाठ्यक्रम 2020-2021 का विवरण:

क्र.सं..	पाठ्यक्रम शीर्षक	विभाग	पाठ्यक्रम समन्वयक	वर्ष
1	नैनोमैटिरियल्स और नैनोटेक्नोलॉजी के फंडामेंटल	रसायन विज्ञान	डॉ. राजेश कुमार मीणा	नवंबर 2021
2	योग और कल्याण	शारीरिक शिक्षा डॉ.	डॉ. सुनीता शर्मा	नवंबर 2021
3	'नाट्य-कला' लघुअवधि प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम	हिंदी विभाग	डॉ. मंजु शर्मा & सह-संयोजिका डॉ. ऋतू	जनवरी 2022

4	बुनियादी कंप्यूटर और आईटी कौशल	कंप्यूटर विज्ञान	सुश्री अरोकिया राम्या और श्री मनोज कुमार (सह-समन्वयक)	जनवरी 2022
5	'पायथन के साथ डेटा विश्लेषण'	अर्थशास्त्र	डॉ शालिनी अग्रवाल और श्री रोहित	फरवरी 2022
6	भूसूचना	भूगोल	प्रो. सीमा सहदेव और डॉ. जितेंद्र ऋषिदेव (सह-समन्वयक)	अप्रैल 2022

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम 2020-2021 का विवरण:

क्र.सं...	पाठ्यक्रम शीर्षक	विभाग	पाठ्यक्रम समन्वयक	वर्ष
1	योग और कल्याण	शारीरिक शिक्षा डॉ.	डॉ. सुनीता शर्मा	जनवरी 2023
2	वैदिक गणित	गणित	डॉ अभिषेक कुमार	जनवरी 2023

प्लेसमेंट एंड करियर काउंसलिंग सेल

संयोजिका: डॉ. निधि कपूर

सह-संयोजिका: सुश्री सोनिया कांबोज

प्लेसमेंट सेल 'क्रिप्टस' का सबसे ज्यादा ध्यान महाविद्यालय के स्नातक छात्रों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों सहित निजी क्षेत्र में प्रतिष्ठित संगठनों में नियुक्ति के अवसर प्रदान करना और उन्हें आगे के करियर के अवसरों के लिए परामर्श और मार्गदर्शन देना है। अपनी स्थापना के बाद से इसने प्लेसमेंट सप्ताह, नौकरी और इंटर्नशिप मेला आयोजित करके और टीसीएस, विप्रो, बजाज कैपिटल, शेयरखान, रिलायंस जियो और कई अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों का स्वागत करके अपार सफलता प्राप्त की है। इसके अलावा, संभावित नियोक्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली स्क्रीनिंग और चयन प्रक्रिया का सामना करने के लिए छात्रों को कौशल से लैस करने के लिए, प्लेसमेंट सेल विभिन्न सत्रों, सेमिनारों और

कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिसमें बायोडाटा निर्माण, समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार और नौकरी आवेदन से संबंधित अन्य पहलुओं के बारे में ज्ञान प्रदान किया जाता है।

उद्यमिता, कौशल विकास और नवाचार प्रकोष्ठ(ESDI)

संयोजिका -डॉ. अलका चतुर्वेदी

इस सेल का गठन छात्रों में उद्यमिता की भावना/जागरूकता विकसित करने, रचनात्मकता कौशल और नवीन सोच को पोषित करने और आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को पहल करने और जिम्मेदारियों को स्वीकार करने के लिए सशक्त और प्रेरित करना है ताकि वे दूसरों की तुलना में रोजगार निर्माता बनकर चुनौतीपूर्ण दुनिया में कामयाब हो सकें। यह छात्रों को एक साथ आने, चर्चा करने और उनके रचनात्मक विचारों को सामने लाने का एक अवसरवादी मंच प्रदान करता है। यह छात्रों को समूह चर्चा, औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन और टीम निर्माण के माध्यम से नेविगेट करके अपने विचारों को व्यावसायिक योजनाओं में अवधारणा, तर्कसंगत और श्रृंखलाबद्ध करने में मदद करता है।

कॉलेज का ESDI सेल विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है जैसे: सेमिनार, कार्यशालाएं, वार्ता, औद्योगिक दौरे, फूड फेस्ट और युवा उद्यमियों के साथ बातचीत आदि। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्र समुदाय को उद्यमशीलता गतिविधि के प्रति अधिक उत्साही बनाना है।

पुस्तकालय

लाइब्रेरियन: सुश्री कर्णिका गौड़

परिचय:

महाविद्यालय का पुस्तकालय समृद्ध है। पुस्तकालय का उद्देश्य पाठ्यक्रम से संबंधित शिक्षक और छात्र की आवश्यकताओं की सहायता करना है। एक जानकार और विनम्र पुस्तकालय कर्मचारी छात्रों को साहित्य और पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में मार्गदर्शन और सलाह देता है। छात्रों को अक्सर पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पुस्तकालय के संग्रह में विभिन्न विषयों पर 87,845 से अधिक पुस्तकें हैं, जिनका उपयोग छात्र अपने अध्ययन के संबंधित क्षेत्रों में सफल होने के लिए कर सकते

हैं। पुस्तकालय का संग्रह तीन श्रेणियों में किया जाता है: सामान्य, पाठ्यपुस्तक और संदर्भ। पुस्तकालय अपनी खुली रैक प्रणाली, विस्तृत पठन क्षेत्र, वेब सेंटर और संदर्भ अनुभाग के साथ एक सुविधाजनक सीखने का वातावरण प्रदान करता है, पुस्तकालय में फोटोस्टेट सेवा भी उपलब्ध है, जिसका लाभ संकाय और छात्र उठा सकते हैं। पुस्तकालय 61 प्रिंट पत्र/पत्रिकाओं के साथ अंग्रेजी और हिंदी में 13 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। वेब केंद्र पुस्तकालय की पहली मंजिल पर स्थित है और उपयोगकर्ताओं को डीयू-ई पुस्तकालय, एन-सूची और डेलनेट के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। ई-संसाधनों तक दूरस्थ सामग्री भी उपलब्ध है (केवल संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए), पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड दिया जाता है। साहित्यिक चोरी की जांच के लिए पुस्तकालय में उरकुंड सॉफ्टवेयर है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर पुस्तकालय से संबंधित समस्त जानकारी उपलब्ध है। महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से, आगंतुक पुराने परीक्षा पत्रों, ओपन-एक्सेस पत्र/पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, जर्नल कंटेंट अलर्ट सर्विस, कई शैक्षिक डिजिटल संसाधन लिंक और आस्क ए लाइब्रेरियन विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। पुस्तकालय हरित पहल को भी बढ़ावा दे रहा है और इस प्रकार पुस्तकालय के बेकार कागज के बजाय पुनर्नवीनीकरण सामग्री की खरीद कर रहा है। सुगम्य पुस्तकालय और डीयू ब्रेल पुस्तकालय के माध्यम से प्रिंट विकलांग छात्रों के लिए ई-पुस्तकों और ई-पत्रिकाओं की सुविधा प्रदान की जाती है और पुस्तकालय के भूतल पर पीडब्ल्यूडी छात्रों के लिए पुस्तकालय में एनवीडीए स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर वाले दो कंप्यूटर सिस्टम उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय दिशानिर्देश :

1. महाविद्यालय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र के पहले दिन सभी छात्रों और अभिभावकों को सामान्य पुस्तकालय दिशानिर्देश दिया जाता है।
2. नए छात्रों के लिए पुस्तकालय सुविधाओं और सेवाओं के बारे में जानने के लिए एक उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विभागवार आयोजित किया जाता है।

पुस्तकालय सदस्यता :

1. छात्रों को पुस्तकालय टिकट के लिए विधिवत भरा हुआ छात्र सदस्यता फॉर्म जमा करना आवश्यक है और कर्मचारियों द्वारा दी गई तारीख पर उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। छात्र सदस्यता फॉर्म पुस्तकालय में उपलब्ध है।

साइबर सेंटर

संयोजिका : डॉ. वंदना गुप्ता,

सह-संयोजिका : सुश्री कर्णिका गौर, डॉ उत्पल कुमार

कालिंदी महाविद्यालय का साइबर केंद्र अच्छी सुविधा से लैस है |साइबर केंद्र विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है।

यह शिक्षक और छात्रों के शोध कार्य को सुविधाजनक बनाने में भी मदद करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से सब्सक्राइब्ड 63 उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस कैंपस नेटवर्क के माध्यम से कालिंदी कॉलेज का साइबर केंद्र शिक्षकों और छात्रों को उच्च गुणवत्ता युक्त इन्टरनेट की सुविधा प्रदान कराता है।

इनके अलावा 21 अन्य और डेटाबेस डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के माध्यम से भी सुविधा प्रदान कराता है।

इस कैंपस वाइड नेटवर्क के माध्यम से ओपन एक्सेस ई-संसाधन भी उपलब्ध है।

छात्र साइबर सेंटर:-

दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. दिनेश सिंह द्वारा 2012 में स्टूडेंट्स साइबर सेंटर का उद्घाटन किया गया!

साइबर केंद्र 100 एमबीपीएस की गति के साथ ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इसमें 2 सर्वर और 90 कंप्यूटर हैं।

शिक्षक साइबर सेंटर:-

शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, कॉलेज ने छात्रों के साइबर केंद्र से सटे शिक्षकों के लिए एक विशेष साइबर केंद्र स्थापित किया है, जिसमें 35 कंप्यूटर हैं, जो सभी इंटरनेट के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ

संयोजिका : प्रोफेसर सीमा सहदेव

सह-संयोजक: डॉ. शशि भूषण

आपदा प्रबंधन अधिनियम (डीएम अधिनियम), 2005 की धारा (30) (1) के तहत, कॉलेज के लिए आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और बहिर्गमन योजना लागू करना अनिवार्य है। कालिंदी कॉलेज में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ वर्ष 2021-22 के शैक्षणिक वर्ष में शुरू किया गया था। प्रकोष्ठ किसी भी समय आपदा की स्थिति में कॉलेज के छात्रों को आपदा तैयारी के बारे में शिक्षित करने या परिचित कराने का कार्य करता है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ विभिन्न प्रकार की आपदाओं और संभावित रक्षात्मक कदम के बारे में जागरूक करने पर ध्यान केंद्रित करता है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ का मूल उद्देश्य असुरक्षित क्षेत्रों में आधारभूत स्तर पर छात्रों को शिक्षित करना या प्रशिक्षण देना और उन्हें किसी भी आपदा की स्थिति में सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित करना है।

आग और आकस्मिक भगदड़ : निपटान अभ्यास रिपोर्ट

26 अगस्त, 2022 को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आग और भगदड़ पर निपटान अभ्यास का आयोजन किया गया था। वालंटियर को भूगोल विभाग और आपदा जोखिम न्यूनीकरण समूह से चुना गया था और दोनों वालंटियर को हताहत के रूप में चित्रित करने के लिए चुना गया और डीडीएमए भी अपने वालंटियर भी ले लाया जो मामूली और गंभीर हताहत को दर्शाने वाले थे।

इसने छात्रों को निकट भविष्य में होने वाली किसी भी आपदा के लिए तैयार किया। हताहतों के उपचार के बाद अभ्यास पूरा किया गया और फिर अधिकारियों को सभागार (संगम परिसर) में ले जाया गया और उन्होंने अभ्यास में खामियों को साझा किया और छात्रों ने भी अभ्यास के अपने अनुभव साझा किए।

आपदा के प्रति जागरूकता अभियान

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने 16.11.2022 को संगोंष्ठी कक्ष में ''आपदा के प्रति जागरूकता'' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। फिर छात्रों ने एक वीडियो प्रस्तुत किया जिसमें बताया गया कि हमारा प्रकोष्ठ क्या है और पदाधिकारियों का परिचय भी दिया गया। संयोजक ने आपदा प्रबंधन कोषांग की कार्ययोजना के बारे में जरूरी जानकारी दी। उन्होंने प्रकोष्ठ के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया।

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ का वार्षिक उत्सव 'सिंगरक्षण'

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने संगोंष्ठी कक्ष में अपना पहला वार्षिक उत्सव 'सिंगरक्षण - टीकाकरण : एक अभूतपूर्व कार्यक्रम' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हमारे मुख्य अतिथि श्री राकेश आर्य, एनआईडीएम विशेषज्ञ व्याख्याता, क्षेत्रीय अध्ययन विकास केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली की उपस्थिति रही। उन्होंने "गूगल अर्थ इंजन (जी): पर्यावरण और आपदा प्रबंधन के लिए एक क्लाउड कंप्यूटिंग एप्लिकेशन" विषय पर ज्ञानवर्धक संगोष्ठी शुरु की।

इस दिन कई अंतरमहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन ''एक विचार और अनेक जिंदगियां'' विषय पर किया गया। 'कर्म या कयामत- अधिक आपदा जागरूक युवाओं का निर्माण' विषय पर आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता ने आपदा न्यूनीकरण के बारे में उनकी जागरूकता को दर्शाया। 'रियल वर्ल्ड टू रील' विषय पर रील मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

यू.जी.सी.एफ/एन.ई.पी 2023

संयोजिका: डॉ. पुनम सचदेवा

यूजीसीएफ-2022

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में प्रवेश लेने वाले छात्रों द्वारा अपनाई जाने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा - 2022 के अनुसार है, कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020

कुछ मुख्य अंश

यूजीसीएफ विभिन्न विषयों में कई निकास विकल्पों के साथ चार साल के स्नातक कार्यक्रमों की एक संरचना है।

1. सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र। इसके लिए 44 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है।
2. सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा। इसके लिए 88 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है।
3. बैचलर ऑफ (अध्ययन का क्षेत्र) (ऑनर्स) अनुशासन (अध्ययन के एकल मुख्य अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए) सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद 132 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।
4. बैचलर ऑफ (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के विषयों के कई प्रमुख पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए)। सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद 132 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।
5. बैचलर ऑफ (अध्ययन क्षेत्र/अनुशासन) (अनुसंधान/परियोजनाओं/उद्यमिता के अकादमिक समापन के साथ ऑनर्स) अनुशासन (अध्ययन के एकल मुख्य अनुशासन पाठ्यक्रम के लिए) सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद 176 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।

6. बैचलर ऑफ (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (ऑनर्स)। सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद 176 क्रेडिट पढ़ना अनिवार्य है ।

एनईपी दिशानिर्देशों के अनुसार, छात्र कोर और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। इन पाठ्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)

नोडल अधिकारी: डॉ. निशा गोयल

सह-संयोजिका: डॉ. अंजू रतन

एनईपी में, शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से, दो पाठ्यक्रम पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) और क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) हैं, जिनका अध्ययन प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए अनिवार्य है।

पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) सिद्धांत से व्यावहारिक (पाठ्यक्रम 1) और एईसी सूची से किसी भी चुनी गई भारतीय भाषा (पाठ्यक्रम 1) का अध्ययन सेमेस्टर 1 और सेमेस्टर 2 में फ्लिप मोड में किया जाएगा। इसी तरह, पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) सिद्धांत से व्यावहारिक (पाठ्यक्रम 2) का अध्ययन फ्लिप मोड में किया जाएगा।) और प्रथम वर्ष में चुनी गई उसी भाषा के पाठ्यक्रम 2 का अध्ययन सेमेस्टर 3 और सेमेस्टर 4 में फ्लिप मोड में किया जाएगा।

प्रथम वर्ष में यूजीसीएफ 2022 के तहत पेश किए जाने वाले योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) के सूची में निम्नलिखित भाषाएं हैं:-

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मैथिली, नेपाली, उड़िया, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, हिंदी और संस्कृत।

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)

नोडल अधिकारी: डॉ. मंजू शर्मा

सह संयोजिका: डॉ. कंचन बत्रा

एसईसी सभी विषयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं और इसका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, योग्यता, दक्षता और कौशल प्रदान करना है। एसईसी पाठ्यक्रम महाविद्यालय के सभी विभागों द्वारा विषम

और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की एक सूची है। एक छात्र जो एक अकादमिक परियोजना का चयन करना चाहता है, उसे जीई, एसईसी, वीएसी पाठ्यक्रमों का उचित संयोजन चुनना होगा; और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/समुदाय (आईएपीसी) जो अध्ययन की योजना में निर्दिष्ट विभिन्न मॉड्यूल के रूप में पेश किया जाएगा।

एसईसी पाठ्यक्रमों के लिए लिंक

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/21092022_SEC.pdf

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)

नोडल अधिकारी: डॉ. शिल्पिका बाली मेहता

सदस्य: डॉ. उत्पल कुमार, डॉ. ईशा वर्मा और डॉ. मीनाक्षी वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के घोषित उद्देश्यों के अनुसार, मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) छात्रों को समग्र शिक्षा प्रदान करने के जनादेश को पूरा करना चाहते हैं। मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य करुणा, सहानुभूति, साहस, लचीलापन, वैज्ञानिक स्वभाव, रचनात्मक कल्पना, तर्कसंगत विचार, कार्य, सेवा और जिम्मेदारी के मूल्यों को प्रदान करके एक व्यापक शिक्षा प्रदान करना है। वीएसी पेपर के लिए कुछ विवरण इस प्रकार हैं:

- वीएसी पेपर का अध्ययन अनिवार्य है: सेमेस्टर 1, 2, 3 और 4
- चार सेमेस्टर (1-4) में से प्रत्येक में वीएसी पेपर अलग होना चाहिए
- वीएसी पेपर अनुशासन विशिष्ट नहीं हैं; सभी पेपरों की पात्रता किसी भी स्ट्रीम में 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होना है
- प्रत्येक वीएसी पेपर का क्रेडिट स्कोर: 2 क्रेडिट (1 थ्योरी +1 प्रैक्टिकल या 2 प्रैक्टिकल)
- प्रति सप्ताह कक्षाएँ: 3 या 4 (क्रेडिट के अनुसार)
- प्रत्येक सेमेस्टर के शुरू होने से पहले, छात्र मेल द्वारा साझा किए गए Google फॉर्म के माध्यम से अपनी पसंद का वीएसी पेपर चुनते हैं।

2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित वीएसी पेपरों की सूची निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके देखी जा सकती है:

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/26102022_VAC.pdf

विश्वविद्यालय द्वारा सूचित किए जाने पर सूची को अद्यतन किया जाएगा और छात्रों के साथ साझा किया जाएगा।

पाठ्यक्रम की पेशकश की

क्रमांक	अवधि
1	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
2	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी
3	बीए (ऑनर्स) भूगोल
4	बीए (ऑनर्स) हिंदी
5	बीए (ऑनर्स) इतिहास
6	बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता
7	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
8	बीए (ऑनर्स) संस्कृत
9	बी.कॉम.
10	बी.कॉम. (ऑनर्स)
11	बी.एस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान
12	बी.एस.सी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान
13	बी.एस.सी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस
14	बी.एस.सी (ऑनर्स) गणित
15	बी.एस.सी (ऑनर्स) भौतिकी
16	बी.एस.सी (ऑनर्स) जूलॉजी
17	बी.एस.सी. (जीवन विज्ञान)
18	बी.एस.सी कंप्यूटर के साथ भौतिक विज्ञान
19	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
20	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)

21	बी.ए. प्रोग्राम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
22	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + अर्थशास्त्र)
23	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
24	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + भूगोल)
25	बी.ए. प्रोग्राम (कंप्यूटर साइंस + गणित)
26	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
27	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
28	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
29	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + गणित)
30	बी.ए. प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
31	बी.ए. प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + भूगोल)
32	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + इतिहास)
33	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + गणित)
34	बी.ए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
35	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + इतिहास)
36	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + गणित)
37	बी.ए प्रोग्राम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
38	बी.ए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)
39	बी.ए प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
40	बी.ए प्रोग्राम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
41	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
42	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
43	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
44	बी.ए प्रोग्राम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

विभाग

भूगोल विभाग

(1)विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:

भूगोल विभाग की स्थापना वर्ष 1995 में बी.ए पाठ्यक्रम के साथ हुई थी। भौगोलिक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए, महाविद्यालय में बी.ए. (ऑनर्स) सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अंतर्गत 2017 में भूगोल विषय को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। उत्कृष्टता के लिए यह विभाग सदैव प्रतिबद्ध रहा है। सैद्धांतिक परिपाटी के साथ विभाग ने उपकरणों से सुसज्जित कार्टोग्राफी और जी.आई.एस. प्रयोगशाला की स्थापना की है। कार्टोग्राफी, रिमोट सेंसिंग, जी.आई.एस. और जी.पी.एस. के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुप्रयोगों के माध्यम से छात्रों को सीखने और उनके कौशल को बढ़ाने के लिए सुसज्जित कार्टोग्राफी प्रयोगशाला और जी.आई.एस. लैब की स्थापना की गई है। भूगोल विभाग ने महाविद्यालय के 3-डी और 2-डी मानचित्र तैयार किए हैं, जो छात्रों और आने-जाने वालों को महाविद्यालय परिसर के भीतर शिक्षण और गैर-शिक्षण स्थानों को जानने में मदद करते हैं।

विभाग वार्षिक जियो फेस्ट- पुनरुत्थान का आयोजन करता है, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र और विशेषज्ञ अकादमिक परिचर्चा में भाग लेते हैं और परस्पर विचार-विमर्श करते हैं। सोसाइटी की अपनी ई-पत्रिका "जियोसोफी" है, जिसका संपादन और संरक्षण इसके कार्यकारी सदस्यों द्वारा किया जाता है।

भूगोल विभाग 'यात्रा और पर्यटन' नामक एक सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है, जिसका उद्देश्य यात्रा और पर्यटन उद्योग में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को शिक्षित, प्रशिक्षित एवं कौशल विकास करना है, और जो उन्हें वैकल्पिक कैरियर के अवसर प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भूगोल विभाग महाविद्यालय परिसर में स्थापित पेपर रीसायकल यूनिट के कार्यों को भी देख रहा है। यह इकाई विभिन्न विभागों से एकत्रित बेकार कागज को पुन: संसाधित करती है और पुनर्नवीनीकरण कर कागज का उत्पादन करती है, जिसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भूगोल विभाग में अनुभवी और सक्षम कर्मचारियों के प्रबंधन के तहत प्रायोगिक कक्षाएं संचालित करने के लिए उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला है। विभाग के पास प्रयोगशाला के अलावा विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों का अच्छा संग्रह है।

I. कार्टोग्राफी लैब: ट्रेसिंग टेबल, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर, मानचित्र, मॉडल और अनेक चार्ट हैं।

II. जी.आई.एस. लैब: कंप्यूटर, जी.पी.एस, स्टीरियोस्कोप, रोटामीटर और प्लैनीमीटर और एल.सी.डी. उपकरण प्रोजेक्टर आदि से सुसज्जित हैं। प्रयोगशाला उपग्रह चित्रों, हवाई तस्वीरों के साथ-साथ विभिन्न प्रयोगों से संबंधित सतत कार्यक्रमों को करवाने में समर्थ है।

III. विभागीय पुस्तकालय: विभाग का अपना पुस्तकालय है, जहां भूगोल से सम्बंधित पुस्तकों, प्रायोगिक नोट्स और परियोजनाओं पर पुस्तकों का अच्छा संग्रह है । पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें छात्राओं को भी दी जाती हैं।

IV. भण्डार कक्ष: विभाग के पास मानचित्रों, चार्ट के साथ-साथ औजार एवं उपकरणों के भण्डारण के लिए पृथक भण्डार कक्ष भी है।

(2) विषय का दायरा:

पाठ्यक्रम के विषय क्षेत्र हैं भू-आकृति विज्ञान, कार्टोग्राफिक तकनीक, मानव भूगोल, विषयगत कार्टोग्राफी, जलवायु विज्ञान, भूगोल में सांख्यिकीय प्रणाली, भारत का भूगोल, आर्थिक भूगोल, पर्यावरणीय भूगोल, शोधविधि और उसके कार्य - क्षेत्र, क्षेत्रीय योजना और विकास, रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस., भौगिलिक विचारों का मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन जैसे विषय -क्षेत्र परियोजना कार्य पर आधारित होते हैं।

इस पाठ्यक्रम की संभावनाएं हैं-भारतीय सर्वेक्षण, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, शहरी और ग्रामीण विकास विभाग, महानगर विकास निगम और सामाजिक और पर्यावरण अनुसंधान संगठन की संभावनाएं निहित हैं। यह पाठ्यक्रम भूगोल, भूविज्ञान, मेट्रोलॉजी और शहरी एवं क्षेत्रीय योजना के अनुशासन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

भूगोल में स्नातक कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद, छात्र निम्नलिखित रूप से सक्षम होंगे:

- विभिन्न स्थानिक और अस्थानिक पैमानों पर बदलती अंतःक्रियाओं की जांच करके एक एकीकृत मानव-पर्यावरण प्रणाली के रूप में पृथ्वी का विश्लेषण कर सकते हैं।
- भौतिक और मानव भूगोल की विभिन्न शाखाओं की विषय को समझने के लिए।
- भौगोलिक आंकड़ों का विश्लेषण करना और मानव-पर्यावरण संबंधों के संदर्भ में इसके महत्व की व्याख्या करना।
- मौखिक, लिखित और दृश्य रूपों का उपयोग करके भौगोलिक अवधारणाओं और आंकड़ों को प्रभावी ढंग से संचारित करना।
- मानव-पर्यावरण की समस्याओं के नवीन समाधानों को आगे बढ़ाने में प्रभावी रूप से योगदान दे सकते हैं।
- एक या अधिक भौगोलिक उप-विषयों से उपयुक्त अवधारणाओं, विधियों और उपकरणों का उपयोग करके जटिल वास्तविक दुनिया की चुनौतियों की जांच कर सकते हैं।
- भौगोलिक ज्ञान की सामाजिक प्रासंगिकता की व्याख्या करना और इसे वास्तविक विश्व के मानव-पर्यावरण मुद्दों पर लागू कर सकते हैं।

3.संकाय सदस्यों का विवरण

क्र. सं.	**नाम**	**पद**	**योग्यता**	**अध्ययन का क्षेत्र**	**शिक्षण अनुभव**	**क्र. सं.**
1	डॉ.सीमा सहदेव (विभाग प्रभारी)	सह - प्राध्यापक	एम.ए., एम्.फिल.,पीएच.डी	राजनीतिक भूगोल/चुनावी भूगोल/ पर्यावरण भूगोल	27 वर्ष	स्थायी
2	डॉ. उषा कुमारी पाठक	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी (रांची विश्वविद्यालय)	भू-आकृति विज्ञान, शहरी आकृति विज्ञान और क्षेत्रीय योजना	9.5 वर्ष	तदर्थ
3	सुश्री गीता कुमारी	सहायक प्रोफेसर	एम.ए. (डीयू) एम.फिल. (डीयू)	(अध्ययन) जलवायु परिवर्तन, आजीविका, कृषि, प्राकृतिक	6 वर्ष	तदर्थ

			पीएचडी(जेएमआई)	संसाधन और ग्रामीण विकास		
4	डॉ. शशि भूषण	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी (जेएनयू)	प्रकृति संसाधन प्रबंधन (जलवायु परिवर्तन)	6 वर्ष	तदर्थ
5	डॉ. जितेंद्र ऋषिदेव	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी. (डीयू) एम.ए.,एम.फिल.	भू-आकृति विज्ञान	5.5 वर्ष	तदर्थ
6	डॉ. अखिलेश मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	एम.ए. (बीएचयू), एम.टेक (यूएनओएम), पीएचडी (डीयू)	भू-आकृति विज्ञान, जल विज्ञान और रिमोट सेंसिंग और जीआईएस.	4 वर्ष	तदर्थ
7	सुश्री माधुरी मीना	सहायक प्रोफेसर	एम.ए. (जेएनयू), पीएचडी (अध्ययन)	पर्यावरण और भौतिक भूगोल	4 वर्ष	तदर्थ
8	डॉ. शालिनी शिखा	सहायक प्रोफेसर	पीएचडी (जेएनयू)	राजनीतिक भूगोल	4 वर्ष	तदर्थ
9	डॉ. अविजीत महला	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी. (जेएनयू)	रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के साथ भू-आकृति विज्ञान	2 वर्ष	तदर्थ

4. प्रयोगशाला कर्मचारी का विवरण :

नाम	**पदनाम**
1. श्री सोनू कुमार	प्रयोगशाला परिचारक
2. श्री राकेश यादव	प्रयोगशाला परिचारक

5. शिक्षण का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

कोर्स विवरण :

(i)ऑनर्स कोर्स के लिए

बीए ऑनर्स भूगोल एनईपी			
सेमेस्टर	**डीएससी (अनुशासन विशिष्ट कोर) क्रेडिट – 4**	**डीएसई (अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक) क्रेडिट - 4**	**जीई (जेनेरिक इलेक्टिव) क्रेडिट - 4**
सेमेस्टर I	भौतिक भूगोल		भारत का भूगोल
	मानव भूगोल		विकास के स्थानिक आयाम
	डिजिटल कार्टोग्राफी (व्यावहारिक)		स्वास्थ्य और कल्याण का भूगोल
सेमेस्टर II	भू-आकृति विज्ञान		वैश्वीकरण और गतिशीलता
	जनसंख्या भूगोल		आपदा प्रबंधन
	भूगोल में सांख्यिकीय विधियाँ (व्यावहारिक)		पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और प्रथाएँ
सेमेस्टर III	जलवायु विज्ञान शास्त्र	जैव-भूगोल	समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दे

	शहरी भूगोल	शुष्क और अर्ध-शुष्क का भूगोल क्षेत्र	पर्यटन का भूगोल
	रिमोट सेंसिंग के मूल सिद्धांत (व्यावहारिक)		स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी
सेमेस्टर IV	ओसियानोग्राफी	हिमालय का भूगोल	सतत विकास: विज्ञान और नीति इंटरफ़ेस
	आर्थिक भूगोल	ग्रामीण विकास	संघर्ष का भूगोल और शांति अध्ययन
	जीआईएस के बुनियादी सिद्धांत (व्यावहारिक)		क्षेत्रीय विकास
सेमेस्टर V	पर्यावरण और पारिस्थितिकी	राजनीतिक भूगोल	शब्द क्षेत्रीय भूगोल
	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा	सामाजिक भूगोल	व्यापार और वाणिज्य का भूगोल
	अनुसंधान पद्धति और क्षेत्र कार्य (व्यावहारिक)		जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन
सेमेस्टर VI	भारत का क्षेत्रीय भूगोल	अंतरिक्ष और अपराध	भू-विरासत और भू-पर्यटन
	भौगोलिक विचार	लिंग भूगोल	मीडिया भूगोल और वर्चुअल स्पेस
	आपदा प्रबंधन-आधारित परियोजना रिपोर्ट (व्यावहारिक)		सतत विकास के लिए शिक्षा
सेमेस्टर VII	भूमि उपयोग योजना और नीति	औद्योगिक भूगोल	भू-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
		जल संसाधन प्रबंधन	बस्ती का भूगोल
		चुनावी भूगोल	व्यवहार और भावनाओं का भूगोल

		गतिशीलता और प्रवासन का भूगोल	
VIII	उन्नत स्थानिक विश्लेषण (व्यावहारिक)	अंतरिक्ष, संस्कृति और समाज	खाद्य सुरक्षा
		शहरी प्रणालियों की गतिशीलता	पर्यावरणीय नैतिकता और कानून
		क्षेत्रीय योजना एवं विकास	सामुदायिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण
		परिवहन का भूगोल	

ii) प्रोग्राम पाठ्यक्रमों के लिए

प्रथम वर्ष (एनईपी)

सेमेस्टर	मुख्य	गौण	एईसीसी
I	मानव भूगोल	भौतिक भूगोल	पर्यावरण विज्ञान/ (अंग्रेजी/एमआईएल/संचार)
ii	भू-आकृति विज्ञान	जनसंख्या भूगोल	(अंग्रेजी/एमआईएल/संचार)/पर्यावरण विज्ञान

द्वितीय वर्ष (एनईपी)

सेमेस्टर	मुख्य	गौण
iii (एनईपी)	1. जलवायु विज्ञान 2. जनसंख्या भूगोल	जलवायु विज्ञान शास्त्र
Iv (एलओसीएफ)	पर्यावरण भूगोल (कोर)	

तृतीय वर्ष (एलओसीएफ)

सेमेस्टर	डीएससी	सामान्य ऐच्छिक	एसईसी (सेक)
V	1. भारत का भूगोल, या 2. विश्व आर्थिक भूगोल	आपदा प्रबंधन	फ़ील्ड तकनीक और सर्वेक्षण विधियाँ (एसईसी)
Vi	1. आपदा जोखिम न्यूनीकरण या 2. पर्यटन का भूगोल	जलवायु परिवर्तन भेद्यता और शमन	जीआईसाइंस (एसईसी) का परिचय

6.प्रमुख अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन:

सेमिनार का शीर्षक, ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन	आयोजक विभाग एवं दिनांक	प्रायोजक	स्तर (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय/ राज्य/विश्वविद्यालय/महा विद्यालय
जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा बायोडाटा राइटिंग एवं ऑनलाइन पर्सनल ब्रांड मैनेजमेंट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।	भूगोल 09.09 2022	नहीं	महाविद्यालय
ओजोन परत के तथ्यों और ओजोन के नष्ट होने के नुकसान को दर्शाने के लिए विश्व ओजोन दिवस मनाया गया।	भूगोल 16.09.2022	नहीं	महाविद्यालय

'माइंड द गैप' किसी को छोड़ें नहीं और पास रखें थीम पर विश्व प्राकृतावास दिवस मनाया गया।	भूगोल 30.09.2022	नहीं	महाविद्यालय
भूगोल विभाग ने "प्रकृति के डूबते क्षेत्र: जोशीमठ घटना पर एक प्रकाश" विषय पर अपना वार्षिक उत्सव 'रिसर्जेंस 23' आयोजित किया गया।	भूगोल 10.02.2023 एवं 11.02.2023	नहीं	महाविद्यालय
वार्षिक जियो फेस्ट रिसर्जेंस 2023 में "हिमालय क्षेत्रों में प्रकृति, मानदंड और आवश्यकता: सतत विकास" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।	भूगोल 10.02.2023	नहीं	महाविद्यालय

7. विभाग में अनुसंधान परियोजना:

क्रमांक	**प्रधान अन्वेषक (सह-अन्वेषक) का नाम**	**परियोजना का शीर्षक**	**फंडिंग एजेंसी, अवधि और मंजूरी की तारीख**	**परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी)**	**छात्रों का नाम**
1.	डॉ सीमा सहदेव डॉ. उषा पाठक सुश्री गीता कुमारी डॉ. शशि भूषण	कालिंदी महाविद्यालय, डीयू की आपदा प्रबंधन योजना और क्षमता निर्माण	कालिंदी महाविद्यालय; एक वर्ष; (2021-22)	पूर्ण	ज्योत्सना, पलक, दृष्टि, कृतिका ओझा, सत्या, साक्षी तोमर

	डॉ. जितेन्द्र ऋषिदेव श्री अखिलेश मिश्रा सुश्री माधुरी मीना डॉ. शालिनी शिखा				

8. शैक्षणिक सत्र 2022-23 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची:

एस.एन.	**नाम**	**पद**	**संस्थान**
1	डॉ. प्रशांत शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर (वित्त) और कार्यक्रम निदेशक	जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नोएडा
2	प्रो. बिन्ध्य वासिनी पांडे	प्रोफेसर, भूगोल विभाग,	दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स
3	डॉ. दीप नारायण पांडे	सहायक प्रोफेसर,	आपदा प्रबंधन के लिए विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
4	श्रीमती इंदु सिन्हा	वैदिक किसान,	उद्यमी
5	डॉ. करुणा श्री	सहेयक प्रोफेसर,	भूगोल विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय
6	सुश्री रितु तेहरिया	उद्यमी	
7	डॉ. राकेश आर्य	सह - प्राध्यापक,	सीएसआरडी, जे.एन.यू

हिन्दी विभाग

1.विभाग का संक्षिप्त परिचय:

कालिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना सन् 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ हुई। शुरूआत बी.ए. पास के हिन्दी पाठ्यक्रमों के शिक्षण से हुई। सन् 1971 में बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पाठ्यक्रम की और सन् 1991 में एम.ए.हिन्दी पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई। हिन्दी विभाग, वाणिज्य-स्नातक व अन्य कला-स्नातक पाठ्यक्रमों की छात्राओं को विविध अन्तर-अनुशासनिक पाठ्यक्रम भी पढ़ाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित विभाग की 'हिन्दी साहित्य परिषद्' समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। बहुआयामी प्रतिभा की धनी विभाग की वरिष्ठ सदस्या डॉ. बुद्धिराजा को उनकी जापान यात्रा के दौरान जापान की ओर से सम्मानित किया गया था | विभाग में तीन स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत हैं- डॉ. मंजू शर्मा (2006), डॉ. आरती सिंह (2006), सुश्री रेखा मीणा (2010)

2.पाठ्यक्रम का कार्यक्षेत्र

- संघ लोक सेवा आयोग, विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन व रोजगार के लिए आवेदनपरक सहभागिता।
- हिंदी में उच्च शिक्षा, जैसे-एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.।
- हिंदी- अंग्रेजी अनुवाद पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा व रोजगार।
- विभिन्न प्रिण्ट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया- माध्यमों में रोजगार।
- बैंकिंग, फिल्म, अनुवाद, पटकथा-लेखन, ब्लॉग–लेखन सृजनात्मक लेखन आदि में रोजगार की अपार संभावनाएँ।

3.संकाय सदस्यों का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	योग्यता	अध्ययन का क्षेत्र	शिक्षण अनुभव
1	डॉ. आरती सिंह	सहायक प्रोफेसर	पीएच. डी.	रीतिकाल	17
2	डॉ. मंजू शर्मा	सहायक प्रोफेसर	पीएच. डी.	हिंदी नाटक और रंगमंच	17
3	सुश्री रेखा मीणा	सहायक प्रोफेसर	एम.ए.हिंदी और एम.ए जनसंचार और पत्रकारिता	मीडिया और कथा साहित्य	14
4	डॉ. विभा ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	कथा साहित्य	12 वर्ष 9 महीने
5	सुश्री बलजीत कौर	सहायक प्रोफेसर	एम्.फिल	हिंदी नाटक और रंगमंच	12
6	डॉ. रक्षा गीता	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	कथा साहित्य	11
7	डॉ.ऋतू	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	हिंदी नाटक और रंगमंच	11
8	डॉ.हेमंत रमण रवि	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	हिंदी नाटक और रंगमंच	8
9	डॉ. संजय कुमार सिंह	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	कथा साहित्य	6
10	डॉ.लवकुश कुमार	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी	कथा साहित्य	6
11	डॉ. ममता चौरसिया	सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी,पी.डी.एफ.	कथा साहित्य	6 वर्ष 10महीने

4. माध्यम –हिन्दी

5. पाठयक्रम विवरण

सेमेस्टर	कोर	जेनेरिक इलेक्टिव (कोई एक)	ए.ई.सी.सी.
I	DSE-1:हिंदी कविता आदिकाल एवं निर्गुण भक्ति काव्य DSE-2:हिंदी साहित्य का इतिहास DSE-3:हिंदी कहानी	हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	हिन्दी भाषा और संप्रेषण
II	3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल और मध्यकाल) 4 हिन्दी कविता रीतिकालीन कविता)	पटकथा और संवाद लेखन	-
III	5 भारतीय साहित्य 6 हिन्दी नाटक और एकांकी 7 सामान्य भाषा विज्ञान	-	सोशल मीडिया
IV	8 भारतीय काव्यशास्त्र 9 हिन्दी (कविता	हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	भाषा और समाज

	छायावाद के बाद) 10 हिन्दी उपन्यास		
V	11 पाश्चात्य काव्यशास्त्र 12 हिन्दी नाटक और एकांकी	अस्मितामूलक विमर्श एवं हिन्दी साहित्य अथवा भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक अध्ययन अथवा भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
VI	13 हिन्दी आलोचना 14 हिन्दी निबंध एवं अन्य विधाएँ	हिन्दी की भाषिक विविधताएँ अथवा भारतीय साहित्यःपाठपरक अध्ययन	अवधारणात्मक साहित्यिक पद अथवा हिन्दी रंगमंच

बी.ए., बी.कॉम. प्रोग्राम का पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "क" (जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

प्रथम वर्ष बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम. प्रोग्राम हिंदी "ख" (जिन्होंने कक्षा 10 तक हिंदी पढ़ी है।)

प्रथम वर्ष बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम प्रोग्राम हिंदी "ग" (जिन्होंने आठवीं तक हिंदी पढ़ी है।)

वर्ष	सेमेस्टर	बी. ए. प्रो./ कोर	ए.ई.सी.
I	I	हिंदी भाषा और साहित्य - क हिंदी भाषा और साहित्य- ख हिंदी भाषा और साहित्य -ग	हिन्दी भाषा और संप्रेषण,औपचारिक लेखन, सोशल मिडिया और ब्लॉग लेखन
I	II	हिंदी भाषा और साहित्य - क हिंदी भाषा और साहित्य - ख हिंदी भाषा और साहित्य - ग	हिन्दी भाषा और संप्रेषण ,औपचारिक लेखन ,सोशल मिडिया और ब्लॉग लेखन

वर्ष	सेमेस्टर	बी.कॉम कोर	सेक (SEC)
II	III	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास- - क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास - ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास - ग	रचनात्मक लेखन
II	IV	हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास -क हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास -ख हिंदी भाषा और साहित्य उद्भव और विकास - ग	पटकथा लेखन

6.शोध -परियोजना :- नहीं

7.वक्ताओं और अतिथियों के नाम की सूची अकादमिक वर्ष (2021-22)

क्र. सं.	अतिथि वक्ता का नाम	पद/ संबंधित संस्था का नाम	तिथि	सहभागियों को संख्या
1.	प्रोफेसर मंजू मुकुल	हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	11 नवम्बर 2022	60
2	नासिरा शर्मा, डॉक्टर नीलिमा चौहान	लेखिका ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय	24 अप्रैल 2023	65

इतिहास विभाग

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय:

'इतिहास वर्तमान विकास और भविष्य की आशाओं के संबंध में, अतीत में समाज में जीवन के सभी पहलुओं का अध्ययन है। यह समय में मनुष्य की कहानी है, यह साक्ष्य के आधार पर अतीत की जांच हैं । वास्तव में, प्रमाण इतिहास शिक्षण और सीखने का कच्चा माल है।'

इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, कालिंदी महाविद्यालय की स्थापना के तीन साल (1970-71) के भीतर बी.ए.(ऑनर्स) इतिहास की शुरूआत की गई थी। ऑनर्स स्तर पर इतिहास का अध्ययन केवल कक्षा शिक्षण तक ही सीमित नहीं है। मनुष्य के जीवन में समय द्वारा निभाई गई भूमिका को समझने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों, संग्रहालयों और अभिलेखागारों की यात्रा की भी आवश्यकता होती है। इस महत्वपूर्ण भूमिका को पूरा करने के लिए, 'धरोहर', एक ऐतिहासिक समाज का गठन किया गया है। धरोहर के निर्माण के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों में ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहित करना और इस तरह उन्हें विभिन्न अंतर-विभागीय गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

2. विषय का दायरा:

एक इतिहास स्नातक के रूप में व्यक्ति ने विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक तर्क, मौखिक और लिखित संचार और अनुसंधान कौशल जैसे नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मूल्यवान कौशल प्राप्त किया होगा। इतिहास की डिग्री करियर की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए एक अच्छा 'लॉन्च पैड' है:-

- एम.ए. (इतिहास)
- पुरातत्त्व
- कला का इतिहास
- विरासत अध्ययन
- पुरालेखपाल/अभिलेख प्रबंधक
- संग्रहाध्यक्ष
- वंशावली अध्ययन

3. संकाय सदस्यों का विवरण:

क्र.सं	नाम	पद	योग्यता	विशेषज्ञता का क्षेत्र	नियुक्ति का प्रकार	शिक्षण अनुभव
1	डॉ. रिनी पुंडीर (प्रभारी शिक्षिका)	सह-प्राध्यापक	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	नियमित (स्थायी)	17 वर्ष
2	डॉ. गरिमा प्रकाश	सह-प्राध्यापक	एम.ए., पीएचडी	आधुनिक भारतीय इतिहास	नियमित (स्थायी)	17 वर्ष
3	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., पीएचडी	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	अस्थायी	10 वर्ष
4	सुश्री अदिती चौधरी	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल.	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	अस्थायी	7 साल 8 महीना
5	डॉ. ओम प्रकाश	सहायक प्रोफेसर	एम.फिल., पीएच.डी	प्राचीन भारतीय इतिहास	अस्थायी	6 साल 2 माह
6	डॉ. त्सेरिंग फुंचोक	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	प्राचीन भारतीय इतिहास	अस्थायी	6 साल 5 महीने
7	डॉ. नूतन पांडे	सहायक प्रोफेसर	एम.ए.,पीएच. डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास	अस्थायी	5 साल 11 महीना
8	श्री अमृत अनुराग	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल.	प्राचीन भारतीय इतिहास	अस्थायी	3 वर्ष 10 महीना

9	डॉ. रामसरिक गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	आधुनिक भारतीय इतिहास	अस्थायी	3 वर्ष 4 महीने

4. **शिक्षा का माध्यम:**अंग्रेजी/हिन्दी

5. पाठ्यक्रम विवरण:

बी.ए. (ऑनर्स) कोर्स के लिए

सेमेस्टर- I						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**चयनित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
सी-1 भारत का इतिहास-I (प्रारंभ से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व तक)- डीएससी 01 सी-2 प्राचीन विश्व की सामाजिक संरचनाएं और सांस्कृतिक पैटर्न-I- डीएससी 02		जीई-I: दिल्ली थ्रू द एजेस: द मेकिंग ऑफ इट्स अर्ली मॉडर्न हिस्ट्री या जीई-II: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव: प्रतिस्पर्धी	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल सम्प्रेषण या पर्यावरण विज्ञान	वार्तालाप और नेतृत्व		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय

सी-3 संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास: स्वतंत्रता से लेकर गृहयुद्ध तक डीएससी 03		इतिहास जीई III भारत में संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी जीई IV इतिहास को समझना				भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

सेमेस्टर- II						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**चयनित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
C-1 भारत का इतिहास-II 300ce -750ce डीएससी 01 सी-2 मध्यकालीन		जीई-I: युगों तक दिल्ली: औपनिवेशिक काल से समकालीन काल तक	अंग्रेजी/हिन्दी /एमआईएल सम्प्रेषण या	बातचीत और		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और

विश्व की सामाजिक संरचनाएं और सांस्कृतिक पैटर्न-II- डीएससी 02 सी-3 संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास: नए युग की राजनीति का पुनर्निर्माण डीएससी 03		या जीई-II इतिहास और संस्कृति: पाठ, वस्तुओं और प्रदर्शन इतिहास में प्रतिनिधित्व जीई III भारतीय समाज: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य जीई IV भारतीय विरासत को समझना	पर्यावरण विज्ञान	नेतृत्व		मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

बीए (प्रो.) पाठ्यक्रम के लिए:1 वर्ष

सेमेस्टर- I						
अनुशासन विशिष्ट कोर	**चयनित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम**	**इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्र**

(डीएससी)			**(एईसी)**	**(एसईसी)**	**सामुदायिक आउटरीच (2)**	**म (वीएसी)**
मेजर के रूप में डीएससी I: भारत का इतिहास प्रारंभिक काल से लेकर ई.पू. तक। 300 ई.पू डीएससी द्वितीय प्राचीन समाज नाबालिग के रूप में डीएसई-1 भारत का इतिहास आरंभिक काल से लेकर ईसा पूर्व तक। 300 ई.पू		जीई-I: दिल्ली थ्रू द एजेस: द मेकिंग ऑफ इट्स अर्ली मॉडर्न हिस्ट्री या जीई-II: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव: प्रतिस्पर्धी इतिहास जीई III भारत में संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी जीई चतुर्थ इतिहास को समझना	अंग्रेजी/हिन्दी /एमआईएल सम्प्रेषण या पर्यावरण विज्ञान	बातचीत और नेतृत्व		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

सेमेस्टर- II						
अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)	**चयनित (डीएसई)**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)**	**योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)**	**कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)**	**इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (2)**	**मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)**
मेजर के रूप में सी-1 भारत का इतिहास, 300 ई. से 1200 ई. डीएससी 01 सी-2 मध्यकालीन समाज: वैश्विक परिप्रेक्ष्य डीएससी 02 लघु भारत का इतिहास, 300 ई. से 1200 ई.		जीई-I: युगों तक दिल्ली: औपनिवेशिक काल से समकालीन काल तक या जीई-II इतिहास और संस्कृति: पाठ, वस्तुओं और प्रदर्शन इतिहास में प्रतिनिधित्व जीई III भारतीय समाज: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	अंग्रेजी / हिंदी / एमआईएल सम्प्रेषण या पर्यावरण विज्ञान	बातचीत और नेतृत्व		प्राचीन भारतीय परंपराओं में नैतिकता और मूल्य भारतीय भक्ति परम्परा और मानव मूल्य

		जीई IV भारतीय विरासत को समझना				

6. महत्वपूर्ण अभिविन्यास पाठ्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशालाएँ, सम्मेलन:

संगोष्ठी का शीर्षक,अभिविन्यास पाठ्यक्रम, सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन	**आयोजन, विभाग एवं दिनांक**	**प्रायोजक**	**स्तरों (राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय/ राज्य/विश्वविद्यालय /महाविद्यालय**
स्वतंत्रता दिवस समारोह	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 10-08-22	नहीं	राष्ट्रीय
वेबिनार साहित्य, पाठ और इतिहास	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 25-08-22	नहीं	राष्ट्रीय
विभाग ओरिएन्टेशन	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 02-11-22	नहीं	राष्ट्रीय
तीन - रंग प्रतियोगिता	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 24-01-2023	नहीं	राष्ट्रीय

हेरिटेज वॉक और राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 08-02-2023	नहीं	राष्ट्रीय
शाही नियंत्रण की रणनीतियों पर एक दिवसीय चर्चा	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 10-02-2023	नहीं	राष्ट्रीय
एक दिवसीय इतिहास उत्सव धरोहर-ए-बज़्म	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 17-04-2023	नहीं	राष्ट्रीय
अंतरराष्ट्रीय वेबिनार 19वीं और 20वीं शताब्दी के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता संग्राम की ओर	इतिहास विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 30-04-2023	नहीं	अंतरराष्ट्रीय

7. विभाग में अनुसंधान:

क्र.सं. नहीं	**प्रधान अन्वेषक (सह-अन्वेषक) का नाम**	**रियोजना का शीर्षक**	**फंडिंग एजेंसी, अवधि और मंजूरी की तारीख**	**राशि (INR में)**	**परियोजना की स्थिति (पूर्ण/ चल रहे)**
1.	डॉ.रिनी पुंडीर श्री एज्रा जॉन	ॉलीवुड की चर्चित दौर की फिल्मों में महिलाओं का सिनेमाई प्रतिनिधित्व	कालिंदी महाविद्यालय /2018	10000/-	पूर्ण
2.	डॉ.पुनीता वर्मा, डॉ.कृष्णा कुमारी,डॉ.रक्षा	ारत में शिक्षा प्रणाली का इतिहास और मौजूदा प्रणाली से तुलना	कालिंदी महाविद्यालय /2018	7000/-	पूर्ण

	गीता,सुश्री नवनीता				
3.	डॉ. कृष्णा कुमारी डॉ. पुनिता वर्मा डॉ. रक्षा गीता	वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी	कालिंदी महाविद्यालय /2021	7000/-	पूर्ण
4.	डॉ. त्सेरिंग पुंचोक	ास व्यापार और प्रारंभिक आधुनिक यूरोप	कालिंदी महाविद्यालय /2021	11500/-	पूर्ण
5.	डॉ.गरिमा प्रकाश, डॉ. राम सारिक गुप्ता	हिमालय क्षेत्र के प्रति ब्रिटिश भारत की नीति: तिब्बत का एक केस स्टडी	कालिंदी महाविद्यालय /2021	15000/- रु.	पूर्ण

8. शैक्षणिक सत्र 2022-23 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची:

(i) प्रोफेसर उमेश अशोक कदम, सदस्य सचिव, आईसीएचआर नई दिल्ली और प्रोफेसर, सीएचएस/एसएसएस/जेएनयू

(ii) प्रो. एमेरिटस डेविड एल. कर्ली, इतिहासकार, लिबरल अध्ययन विभाग, पश्चिमी वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए

(iii) प्रोफेसर अमर फारूकी, प्रोफेसर, इतिहासकार, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त प्रो.)

(iv) डॉ. सौरव कुमार राय, अनुसंधान अधिकारी, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली

(v) प्रोफेसर इशिता बनर्जी दुबे (इतिहासकार) प्रोफेसर, सेंटर फॉर एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज, एल कोलेजियो डी मैक्सिको, मैक्सिको

राजनीति विज्ञान विभाग

1. विभाग के बारे में संक्षिप्त परिचय:

राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना 1967 में हुई थी। डॉ. सरोज पाठक पहले विभाग प्रभारी थे और लगभग 80 छात्र बी.ए. (पास) पाठ्यक्रम कर रहे थे। राजनीति विज्ञान में ऑनर्स पाठ्यक्रम पहली बार 1973-74 में और एम.ए.1987-88 में प्रस्तावित किया गया था। तब से, इस विषय में छात्राओं की संख्या 500 से अधिक हो गई है। महाविद्यालय में बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान सबसे अधिक चयन किया जाने वाला पाठ्यक्रम है।

एक अंतःविषय आचार के तहत, राजनीति विज्ञान विभाग बहुत सक्रिय सहयोगी रहा है और पत्रकारिता विभाग के साथ समन्वय किया है। संकाय ने पत्रकारिता के छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय संबंध और भारत सरकार और राजनीति जैसे कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र भी पढ़ाए हैं।

2. पाठ्यक्रम का दायरा:

सिविल सेवा में करियर के लिए पसंदीदा विषयों में से एक, राजनीति विज्ञान विषय के रूप में महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय शासन, मासमीडिया, लोक कल्याण, सिविल सेवा, प्रबंधन में करियर के अवसर प्रदान करता है और यह पसंदीदा प्रारंभिक स्नातक पाठ्यक्रम बना हुआ है। कानून में करियर, लैंगिक अध्ययन और अन्य अंतःविषय दृष्टिकोण छात्रों के लिए भविष्य में करियर के अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय राजनीति और शासन के मुद्दों या लोक प्रशासन, अंतरराष्ट्रीय शासन या संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों या दुनिया की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए राजनीति विज्ञान में ऑनर्स, स्नातक का चयन करना अच्छा रहेगा।

3.संकाय सदस्यों का विवरण

एस.एन.	नाम	पद	नियुक्ति का प्रकार	योग्यता	शिक्षण अनुभव	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो.रुचि	प्रोफ़ेसर	स्थायी	एम.ए, एम.फिल.,	38 वर्ष	भारतीय

	त्यागी			पीएच.डी.		राजनीतिक विचार और भारतीय राजनीति
2.	प्रो.सुनीता मंगला	प्रोफ़ेसर	स्थायी	पीएच.डी.	17 वर्ष	भारतीय राजनीतिक विचार भारतीय राजनीति
3.	प्रो.संगीता ढल	प्रोफ़ेसर	स्थायी	पीएच.डी.,पी. डी.एफ.	21 साल	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
4.	डॉ.अनिता टैगोर	सह - प्रोफ़ेसर	स्थायी	एम.फिल., पीएच.डी., एल.एल.बी	16 साल 5 महीने	भारतीय राजनीति, राजनीतिक सिद्धांत, मीडिया राजनीति और महिला अध्ययन
5.	प्रो.मीना चरांदा	प्रोफ़ेसर	स्थायी	पीएच.डी.	पन्द्रह साल	भारतीय सरकार और राजनीति और गांधी को पढ़ना
6.	डॉ.नितिन मल्होत्रा	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	एम.फिल., पीएच.डी.	11 वर्ष	तुलनात्मक सरकार और राजनीति
7.	डॉ.राखी चौहान	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	15 साल 8 महीने	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और लिंग अध्ययन
8.	डॉ.मनीला नार्ज़री	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	एम.फिल., नेट, पीएच.डी.	पन्द्रह साल	अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अफ़्रीकी राजनीति।

9.	डॉ.वंदना रानी	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	एम.फिल., नेट, पीएच.डी.	13 वर्ष	लोक प्रशासन और सार्वजनिक नीति
10.	डॉ.अंजनी कुमार	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	10 वर्ष	अंतरराष्ट्रीय संबंध
11।	डॉ.निशा बख्शी	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	8 साल 6 महीने	अंतरराष्ट्रीय संबंध
12.	डॉ.निवेदिता गिरि	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	11 वर्ष	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और वैश्विक राजनीति
13.	डॉ.उत्पल कुमार	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	9 वर्ष	राजनीतिक सिद्धांत और विचार
14.	डॉ.विनीता मीना	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	7 साल	लोक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध
15.	डॉ.दीपक यादव	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	7 साल 3 महीने	अंतरराष्ट्रीय संबंध
16.	डॉ. प्रियाबाला सिंह	सहायक प्रोफेसर	स्थायी	पीएच.डी.	2011 से 10 साल छुट्टी सहित (अक्टूबर 2017 से अक्टूबर 2020 तक)	अंतरराष्ट्रीय संबंध
17.	डॉ.ऋतु	सहायक	अस्थायी	एम.ए., नेट, पीएच.डी.	7 साल	अंतरराष्ट्रीय संबंध

	शर्मा	प्रोफेसर				
18.	डॉ.संदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर	अस्थायी	एम.ए., एम.फिल., नेट, पीएच.डी.	6 वर्ष 01 माह	अंतर्राष्ट्रीय संबंध और वैश्विक राजनीति
19.	डॉ.सीमा माथुर	सहायक प्रोफेसर	अस्थायी	एम.ए., यूजीसी-नेट, पीएच.डी.	11 वर्ष	राजनीतिक सिद्धांत और विचार
20	डॉ.सुनीता मीना	सहायक प्रोफेसर	अस्थायी	एम.ए., एम.फिल.	2 साल	लोक प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

4.बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान के लिए पाठ्यक्रम की संरचना

बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान के लिए क्रेडिट वितरण

बी.ए (ऑनर्स) में पाठ्यक्रमों का विवरण

बैचलर ऑफ पॉलिटिकल साइंस (ऑनर्स)								
सेमस्टर	**डीएससी प्रत्येक को 4 क्रेडिट**	**डीएससी प्रत्येक को 4 क्रेडिट**	**जीई प्रत्येक को 4 क्रेडिट**	**एईसी 2 प्रत्येक को**	**सेक (एसईसी) प्रत्येक को 2 क्रेडिट**	**आईएपीसी प्रत्येक को 2 क्रेडिट**	**वीएसी प्रत्येक को 2 क्रेडिट**	**कुल क्रेडिट**
I	डीएससी-1 डीएससी-2 डीएससी-3		जीई-1	एईसी-1	एसईसी-1		वीएसी-1	22 क्रेडिट
II	डीएससी-4 डीएससी-5 डीएससी-6		जीई-2	एईसी-2	एसईसी-2		वीएसी-2	22 क्रेडिट

	बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (राजनीति विज्ञान में) से सम्मानित किया जाएगा					44 क्रेडिट
III	डीएससी-7 डीएससी-8 डीएससी-9	डीएसई-1 या जीई-3**	एईसी-3	एसईसी-3 या आईएपीसी-1*	वीएसी-3	22 क्रेडिट
IV	डीएससी-10 डीएससी-11 डीएससी-12	डीएसई-2 या जीई-4 (4)**	एईसी-4	एसईसी-4 या आईएपीसी-2*	वीएसी-4	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (राजनीति विज्ञान में) से सम्मानित किया जाएगा					88 क्रेडिट
V	डीएससी-13 डीएससी-14 डीएससी-15	डीएसई-3	जीई-5		एसईसी-5 या आईएपीसी-3***		22 क्रेडिट
VI	डीएससी-16 डीएससी-17 डीएससी-18	डीएसई-4	जीई-6^		एसईसी-6 या आईएपीसी-4***		22 क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ पॉलिटिकल साइंस ऑनर्स (3 वर्ष) से सम्मानित किया जाएगा।					132 क्रेडिट
	डीएससी-19	डीएसई-5 + डीएसई-6 +					22
		डीएसई-7				मेजर डिजरटेर्शन 6) या	क्रेडिट

		या					
VII		डीएसई-5 + डीएसई-6 + जीई-7 ^				माइनर डिजरटेर्शन (6) या शैक्षणिक परियोजना/	
		या				उद्यमशीलता	
		डीएसई-5 + जीई+7+				(6)	
		जीई-8#					
	डीएससी-20	डीएसई-8 + डीएसई-9 +				मेजर डिजरटेर्शन 6) या	22
		डीएसई-10					क्रेडिट
		या				माइनर डिजरटेर्शन (6) या शैक्षणिक परियोजना/	
VIII		डीएसई-8 + डीएसई-9 + जीई-9				उद्यमशीलता	
		या				(6)	
		डीएसई-8 + जीई+9+				मेजर डिजरटेर्शन 6)	

						या	
		जीई-10#					
	*बाहर निकलने वाले छात्राओं को बैचलर ऑफ पॉलिटिकल साइंस (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (अनुशासन में अनुसंधान के साथ ऑनर्स-1 (मेजर) के साथ अनुशासन-2 (*माइनर*) से सम्मानित किया जाएगा।*						176 क्रेडिट

तीसरे और चौथे सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी आउटरीच' में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

** सेमेस्टर III और IV में डीएसई या जीई में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

*** पांचवें और छठे सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/कम्युनिटी आउटरीच' में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

VII और VIII सेमेस्टर में चार विकल्प होंगे -

i. प्रत्येक 4 क्रेडिट के तीन डीएसई चुनने के लिए या

ii. प्रत्येक 4 क्रेडिट के दो डीएसई और एक जीई चुनने के लिए या

iii. प्रत्येक 4 क्रेडिट के एक डीएसई और दो जीई चुनने के लिए।

^ 'रिसर्च मेथडोलॉजी' को VI और VII सेमेस्टर में DSE पाठ्यक्रमों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। छात्र इसे छठे सेमेस्टर या सातवें सेमेस्टर में चुन सकते हैं।

मान लीजिए कि एक छात्र किसी अन्य अनुशासन (इसके डीएसई में से एक के रूप में) द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम का अध्ययन करना चाहता है। उस स्थिति में, वह इसका विकल्प चुन सकता है, बशर्ते ऐसा अनुशासन उसका छोटा अनुशासन हो। उसके द्वारा चुने गए किसी अन्य विषय की अनुसंधान पद्धति को उसके लिए जीई माना जाएगा।

सेमस्टर	डीएससी प्रत्येक को 4 क्रेडिट	डीएससी प्रत्येक को 4 क्रेडिट	जीई प्रत्येक को 4 क्रेडिट	एईसी प्रत्येक को 2 क्रेडिट	सेक(एसईसी) प्रत्येक को 2 क्रेडिट	आईएपीसी प्रत्येक को 2 क्रेडिट	वीएसी प्रत्येक को 2 क्रेडिट	कुल क्रेडिट
I	एमडीएससी-1ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन		जीई-1	एईसी-1	एसईसी-1		वीएसी-1	22 क्रेडिट
II	एमडीएससी-2ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन		जीई-2	एईसी-2	एसईसी-2		वीएसी-2	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (बहुविषयक क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा अध्ययन)							44 क्रेडिट
III	एमडीएससी-3ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन	डीएसई-1 या जीई-3**		एईसी-3	एसईसी-3 या आईएपीसी-1*		वीएसी-3	22 क्रेडिट
IV	एमडीएससी-4ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन	डीएसई-2 या जीई-4 (4)**		एईसी-4	एसईसी-4 या आईएपीसी-2*		वीएसी-4	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							88

							क्रेडिट
V	एमडीएससी-5ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन	डीएसई-3	जीई-5		एसईसी-5 या आईएपीसी-3***		22 क्रेडिट
VI	एमडीएससी-6ए अन्य अनुशासन अन्य अनुशासन	डीएसई-4	जीई-6		एसईसी-6 या आईएपीसी-4***		22 क्रेडिट
	सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।						132 क्रेडिट

अंतर्विषयक बीए में राजनीति विज्ञान के वृहत और लघु पाठ्यक्रम की संरचना

बी.ए बहुविषयक राजनीति विज्ञान के लिए क्रेडिट वितरण

बी.ए बहुविषयक के लिए पाठ्यक्रमों का विवरण [राजनीतिक के 1 डीएससी के साथ सेमेस्टर-I से सेमेस्टर-VI के लिए विज्ञान]

VII	एमडीएससी-7/ अन्य अनुशासन	डीएसई-5 + डीएसई-6 + डीएसई-7 या डीएसई-5 + डीएसई-6 + जीई-7 ^ या डीएसई-5 + जीई+7+ जीई-8#	मेजर डिजरटेर्शन 6) या माइनर डिजरटेर्शन (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमशीलता (6) मेजर डिजरटेर्शन 6) या	22 क्रेडिट

VIII	एमडीएससी-8/ अन्य अनुशासन	डीएसई-8 + डीएसई-9 + डीएसई-10 या डीएसई-8 + डीएसई-9 + जीई-9 या डीएसई-8 + जीई+9+ जीई-10#	मेजर डिजरटेर्शन 6) या माइनर डिजरटेर्शन (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमशीलता (6) मेजर डिजरटेर्शन 6) या	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ सम्मान या सम्मान) से सम्मानित किया जाएगा।			176 क्रेडिट

तीसरे और चौथे सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी आउटरीच' में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

** सेमेस्टर III और IV में डीएसई या जीई में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

*** पांचवें और छठे सेमेस्टर में प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए एक 'एसईसी' या वैकल्पिक 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/कम्युनिटी आउटरीच' में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा।

 # VII और VIII सेमेस्टर में चार विकल्प होंगे -

i. प्रत्येक 4 क्रेडिट के तीन डीएसई चुनने के लिए या
ii. प्रत्येक 4 क्रेडिट के दो डीएसई और एक जीई चुनने के लिए या
iii. प्रत्येक 4 क्रेडिट के एक डीएसई और दो जीई चुनने के लिए।

^ 'रिसर्च मेथडोलॉजी' को VI और VII सेमेस्टर में डीएसई पाठ्यक्रमों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। छात्र इसे छठे सेमेस्टर या सातवें सेमेस्टर में चुन सकते हैं। हालाँकि, तीन मुख्य विषयों में बहु-विषयक अध्ययन करने वाले छात्र को छठे सेमेस्टर में अनुसंधान पद्धति का चयन करना होगा, यदि वह चौथे वर्ष में तीन विषयों में से एक में मेजर बनना चाहता है।

मान लीजिए कि एक छात्र किसी अन्य अनुशासन (इसके डीएसई में से एक के रूप में) द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम का अध्ययन करना चाहता है। उस स्थिति में, वह इसका विकल्प चुन सकता है, बशर्ते ऐसा अनुशासन उसका छोटा अनुशासन हो। उसके द्वारा चुने गए किसी अन्य विषय की अनुसंधान पद्धति को उसके लिए जीई माना जाएगा।

शब्दों के लघुरूप के अर्थ-

1. 'एईसी' 'योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम' को दर्शाता है
2. 'बीए' 'बैचलर ऑफ आर्ट्स' को दर्शाता है
3. 'डीएससी' 'अनुशासन विशिष्ट कोर' को इंगित करता है
4. 'डीएसई' 'अनुशासन विशिष्ट वैकल्पिक' को इंगित करता है
5. 'जीई' 'जेनेरिक इलेक्टिव' को दर्शाता है
6. 'एनएचईक्यूएफ' 'राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता ढांचे' को दर्शाता है
7. 'एसईसी' 'कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम' को इंगित करता है
8. 'वीएसी' 'मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम' को दर्शाता है
9. 'आईएपीसी' 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच' को दर्शाता है

5.विभागीय गतिविधियाँ

- आपके कानून, आपके अधिकार के तहत समानता और भेदभाव विरोधी नीति पर सेमिनार 11 अक्टूबर 2022
- इंट्रा-महाविद्यालय डिजिटल पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता 14 अक्टूबर 2022

संस्कृत विभाग

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय:

संस्कृत विभाग को 1967 में महाविद्यालय में शुरू किया गया था, जिसने बी.ए. पास पाठ्यक्रम प्रस्तावित किया और 1973 में बी.ए. (एच) और एम.ए. संस्कृत की शुरुआत की। 2016 में, बौद्ध अध्ययन के पेपर को संस्कृत भाषा की विविधता के बारे में छात्रों में गहरी रुचि विकसित करने और जागरूक करने के उद्देश्य से संस्कृत विभाग में बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम के अध्ययन को शुरू किया गया।

संकाय न केवल संस्कृत भाषा के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और वैदिक गणित की समृद्धि का भी प्रतिनिधित्व करता है।

छात्रों के बेहतर करियर अवसरों के लिए विभिन्न पेपर शुरू किए गए हैं जैसे, भारतीय ओन्टोलॉजी और एपिस्टेमोलॉजी, सौंदर्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच, संस्कृत मीडिया, कंप्यूटर जागरूकता, आयुर्वेद के बुनियादी तत्व, अभिनय और स्क्रिप्ट लेखन आदि।

शिक्षक छात्रों के समग्र विकास पर बल देते हैं और भाषा बोलने के प्रवाह का ध्यान रखते हैं। इस दृष्टि से, संस्कृत साहित्य परिषद् संचार कौशल विकसित करने के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, वार्ता और संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन करता है। हमारी संस्कृत साहित्य परिषद् छात्रों को अपने प्रतिभा प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करने के लिए नियमित रूप से कई गतिविधियों का आयोजन करता है ताकि उनमें आत्मविश्वास विकसित हो और अवसर प्राप्त कर सके। वे ज्ञान की सभी आनुशासनों में सकारात्मक वातावरण का नेतृत्व कर सकें। हमारे विभाग को सदैव संस्कृत विद्वानों का सम्मान प्राप्त हुआ है और आज हम उन्हीं के मार्ग पर चल रहे हैं।

2. पाठ्यक्रम का दायरा:

करियर के अवसर

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। विश्व की लगभग 97% भाषाएँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस भाषा से प्रभावित हुई हैं। संस्कृत में शब्दों की संख्या सबसे अधिक (102 अरबी, 78 करोड़ और 50 लाख) है।

इसकी शब्दावली दुनिया की अन्य भाषाओं की तुलना में बहुत अधिक है। निकट भविष्य में कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी में संस्कृत का दायरा और अधिक होगा। जो छात्र संस्कृत का चयन करते हैं, उन्हें विभिन्न शोध-उन्मुख क्षेत्रों में करियर के विभिन्न अवसर मिलते हैं और वे एलआईसी और अन्य वित्तीय संस्थानों,

वैचारिक/संस्कृत/ओरिएंटल अनुसंधान संस्थानों में शैक्षणिक और अन्य प्रशासनिक पदों के विकल्प भी चुन सकते हैं।

संस्कृत में प्रोफेसरशिप, लेक्चरशिप और स्कूल टीचिंग जैसे शिक्षण के विकल्प छात्रों के लिए करियर के सबसे संभावित अवसर हैं। यह पाठ्यक्रम संस्कृत-आधारित साहित्य की विभिन्न ऐतिहासिक पृष्ठभूमियों से संबंधित है।

संस्कृत में स्नातक करने के बाद, छात्र बैंक की नौकरियों का विकल्प भी चुन सकते हैं, अनुवादक बन सकते हैं, संग्रहालयों, पुस्तकालयों में काम कर सकते हैं, समाचार वाचक बन सकते हैं और यहां तक कि सिविल सेवाओं में भी जा सकते हैं। पुस्तकालय विज्ञान, जल संरक्षण, पुरातत्व, पर्यावरण विज्ञान और मीडिया आजकल संस्कृत छात्रों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

3. संकाय सदस्यों का विवरण:

क्र.सं.	नाम	पद	योग्यता	का क्षेत्र विशेषज्ञता	संकाय(स्थायी/अस्थायी) और शिक्षण अनुभव
1.	डॉ. हरविंदर कौर	सहायक प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	छंदशास्त्र	स्थायी 12 साल 10 महीने
2.	डॉ. निशा गोयल (विभाग प्रभारी)	सह - प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	व्याकरण	स्थायी 12 साल 10 महीने
3.	डॉ. मंजू लता	सहायक प्रोफेसर	बी. ए, एम. ए, बिस्तर, एम. फिल, पीएच.डी.	छंदशास्त्र	स्थायी 12 साल 4 महीने
4.	डॉ. देशराज	सहायक प्रोफेसर	बी. ए, एम. ए, एम. फिल, पीएच.डी	छंदशास्त्र	स्थायी 7 साल 11 महीने

5.	डॉ. शशि बाला	सहायक प्रोफेसर	बी. ए, एम. ए, एम. फिल, पीएच.डी	व्याकरण	अस्थायी(तदर्थ) 6 साल 10 महीने
6.	डॉ दिव्या मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी., पद-डॉक्टरेट फेलो (पीडीएफ)	छंदशास्त्र	अस्थायी(तदर्थ)5 साल 10 महीने
7.	डॉ. ऋचा शर्मा	सहायक प्रोफेसर	बी.ए. ए म. ए., पीएच.डी.	भारतीय दर्शन	अस्थायी(तदर्थ) 5 साल 10 महीने
8.	डॉ शिव कुमार	सहायक प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	वैदिक अध्ययन	अस्थायी(तदर्थ)3 साल 5 महीने
9.	डॉ. दीपमाला	सहायक प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	बौद्ध अध्ययन	अस्थायी(अतिथि अ.) 6 साल 10 महीने
10.	डॉ सनी	सहायक प्रोफेसर	बी.ए., एम.ए., पीएच.डी.	बौद्ध अध्ययन	अस्थायी(अतिथि अ.) 2 साल 1 महीना

4. प्रस्तावित पाठ्यक्रम और माध्यम:

बीए (एच) संस्कृत, बीए (पी) संस्कृत, बीए (पी) बौद्ध अध्ययन,

शिक्षणका माध्यम : हिंदी और अंग्रेजी

5. पाठ्यक्रम विवरण:

संस्कृत के लिए (विशेष)

सेमेस्टर	कोर (डीएससी)	जेनेरिक ऐच्छिक (जीई)	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)	कौशल संवर्धन-पाठ्यक्रम (एसईसी)	कुल क्रेडिट
I	डीएससी-1(4) अनुप्रयुक्त संस्कृत डीएससी-2(4) शास्त्रीय संस्कृत काव्य डीएससी-3(4) भारतीय सामाजिक संस्थाएँ और राजव्यवस्था	जीई-1(4) आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	एईसी-(2) उपनिषद और गीता	वैक-1(2) पंचकोश: व्यक्तित्व का समग्र विकास	एसईसी-1(2) रंगमंच	22
II	डीएससी-4(4) शास्त्रीय संस्कृत गद्य डीएससी-5(4) संस्कृत महाकाव्य डीएससी-6(4) शास्त्रीय साहित्य का शास्त्रीय सर्वेक्षण	जीई-2(4) बुनियादी व्याकरण		वैक-2 (2) पंचकोश: व्यक्तित्व का समग्र विकास	एसईसी-2(2) रंगमंच	20
III	डीएससी-7(4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई-1(4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	एक एसईसी चुनें या प्रशिक्षण/शिक्षुता/परियोजना/	22

		या पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, जीई-3(4)			सामुदायिक आउटरीच (आईपीएसी) (2)	
	डीएससी-8(4)					
	डीएससी-9(4)					
IV	डीएससी-10(4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई-2(4) या पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, जीई-4(4)	एई सी पा ठ्य क्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	एक एसईसी चुनें या प्रशिक्षण/ शिक्षुता/परि योजना/ सामुदायि क आउटरीच (आईपीए सी) (2)	22
	डीएससी-11(4)					
	डीएससी-12(4)					

वर्ष	सेमेस्टर	मुख्य	जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) / डीएसई-आई/डीएसई III/मिल	एईसीसी/एसईसी/डीएसई II/डीएसई IV
बीए (एच) संस्कृत, तृतीय वर्ष	V	सी-11 वैदिक साहित्य सी-12 संस्कृत व्याकरण	संतुलित जीवन जीने की कलाएँ डीएसई-I	रंगमंच और नाट्यशास्त्र DSE-II
	VI	भारतीय ओन्टोलॉजी और ज्ञानमीमांसा संस्कृत रचना और संचार	तर्क और वाद-विवाद की भारतीय प्रणाली DSE-III	आयुर्वेद के आधारभूत डीएसई-IV

बी.ए(प्रोग्राम)

सेमेस्टर	कोर (डीएससी)	जेनेरिक ऐच्छिक (जीई)	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	कुल क्रेडिट
I	अनुशासन ए-1(4) संस्कृत व्याकरण (लघु) अनुशासन बी-1(4) संस्कृत काव्य (प्रमुख)	जीई-1(4) भारतीय सौंदर्यशास्त्र		वैक-1(2) पंचकोश: व्यक्तित्व का समग्र विकास	एसईसी (2) रंगमंच	20

	अनुशासन सी-1(4)					
II	अनुशासन ए-2(4) संस्कृत गद्य (लघु) अनुशासन बी-2(4) संस्कृत नाटक (प्रमुख) अनुशासन सी-2(4)	जीई-2(4) संस्कृत कथाविद्या	एईसी-2 (2) संस्कृत ए: अग्रिम संस्कृत मूल व्याकरण में नीति साहित्य एईसी-2 (2) संस्कृत बी: परिचयात्मक उपनिषद और गीता एईसी-2(2) संस्कृत सी: संस्कृत भाषा का परिचय	वैक-2 (2) पंचकोश: व्यक्तित्व का समग्र विकास	एसईसी (2) रंगमंच	22
III	अनुशासन ए-3(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से चुनें, डीएसई ए/बी/सी(4) या पाठ्यक्रमों के पूल में से चुनें जीई-3(4)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	एक एसईसी चुनें या प्रशिक्षण/ शिक्षुता/परियोजना/ सामुदायिक	20
	अनुशासन बी-3(4)					

	अनुशासन सी-3(4)				आउटरीच (आईपीएसी) (2)	
IV	अनुशासन ए-2(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। जीई-2(4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	पाठ्य क्रमों के पूल में से एक चुनें। (2)	एक एसईसी चुनें या प्रशिक्षण/ शिक्षुता/परियोजना/ सामुदायिक आउटरीच (आईपीएसी) (2)	2 2
	अनुशासन बी-2(4)					
	अनुशासन सी-2(4)					

वर्ष	**सेमेस्टर**	**मुख्य**	**जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) / डीएसई-आई/डीएसई III/मिल**	**एईसीसी/एसईसी/डीएसई II/डीएसई IV**
बीए (पी) संस्कृत, तृतीय वर्ष	V	डीएसई- संस्कृत में गणितीय परंपरा	संस्कृत मीडिया जीई	पतंजलि का योगसूत्र एसईसी
	VI	डीएसई-साहित्यिक आलोचना	संस्कृत में नैतिकता और संस्कृत साहित्य के मुद्दे जी.ई	कंप्यूटर जागरूकता संस्कृत एसईसी

प्रति सप्ताह एक दिन उन छात्रों के लिए एमए ट्यूटोरियल कक्षाओं का शेड्यूल जो दिल्ली विश्वविद्यालय से संस्कृत में एमए का विकल्प चुनते हैं।

बौद्ध अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम विवरण:

अवधि	सेमेस्टर	कोर पेपर
बी.ए (प्रोग्राम) बौद्ध अध्ययन, प्रथम वर्ष	I	डीएससी 1-ए1(लघु पेपर) पाठ्यक्रम का नाम - बौद्ध धर्म का परिचय डीएससी 1- बी1 (प्रमुख पेपर) पाठ्यक्रम का नाम - बौद्ध साहित्य का परिचय
	II	डीएससी 2- ए2 (लघु पेपर) पाठ्यक्रम का नाम - थेरवाद बौद्ध दर्शन डीएससी 2- बी2 (प्रमुख पेपर) पाठ्यक्रम का नाम - महायान बौद्ध दर्शन
बी.ए (प्रोग्राम)बौद्ध अध्ययन, द्वितीय वर्ष	III	डीएससी 3- ए3 (लघु पेपर) डीएससी 3- बी3 (प्रमुख पेपर)
	IV	डीएससी 4- ए4 (लघु पेपर) डीएससी 4- बी4 (प्रमुख पेपर)
बी.ए (प्रोग्राम)बौद्ध अध्ययन, तृतीय वर्ष	V	पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-505 बौद्ध सांस्कृतिक इतिहास और विरासत

	VI	पाठ्यक्रम कोड: बीएस-सीबीसीएस-506 बुद्ध की बुनियादी शिक्षाओं से संबंधित चयनित पाठ

6. विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन-

कार्यशाला का शीर्षक	**आयोजन एवं आयोजन की तिथि**	**प्रायोजक**	**स्तर (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय/राज्य/ यूनिवर्सिटी/महाविद्यालय)**
10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर	संस्कृत विभाग, कालिंदी महाविद्यालय (10.4.2023-21.04.2023)	नहीं	महाविद्यालय

7. शैक्षणिक सत्र 2022-23 में आमंत्रित विशिष्ट वक्ताओं/अतिथियों की सूची।

1. श्री विवेक कौशिक, प्रांत संपर्क प्रमुख, संस्कृत भारती, दिल्ली।
2. डॉ. धनंजय, प्रांत प्रचार प्रमुख, संस्कृत भारती, दिल्ली एवं एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. श्री. सुशील कुमार, प्रांत-सह-मंत्री, संस्कृत भारती, दिल्ली और सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान नोएडा, सेक्टर 62।
4. श्री पंकज, सम्भाषण शिक्षक, संस्कृत भारती, दिल्ली।
5. श्री मनीष, सम्भाषण शिक्षा, संस्कृत भारती, दिल्ली।
6. श्री दीपक, सम्भाषण शिक्षक, संस्कृत भारती, दिल्ली।
7. प्रो. ओमनाथ बिमाली, प्रमुख, संस्कृत विभाग, कला संकाय, उत्तरी परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

बी.ए. प्रोग्राम विभाग

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय:

संयोजिका : डॉ.अनीता टैगोर, सह-प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग

सह-संयोजक: डॉ.निशा बख्शी, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग

2. पाठ्यक्रम का दायरा:

बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम प्रकृति में अंतःविषय है और विद्यार्थी को दो अनुशासन पाठ्यक्रमों का चयन करने की आवश्यकता होती है। बी.ए. प्रोग्राम के पाठ्यक्रम हर विषय के भिन्न- भिन्न होते है। लेकिन एमआईएल हिंदी, अंग्रेजी और पर्यावरण विज्ञान जैसे कुछ विषय हैं, जो सभी विषयों के लिए सामान्य हैं।

एक विद्यार्थी बी.ए. प्रोग्राम की डिग्री प्राप्त करने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकता है। आगे की पढ़ाई कर सकता है, यानी अपनी पसंद के किसी भी विषय में स्नातकोत्तर कर सकता है या स्नातक के दौरान उसी विषय में स्नातकोत्तर कर सकता है। इसके अलावा, एक विद्यार्थी कानून, प्रबंधन पाठ्यक्रम या किसी अन्य विशेष पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकता है और सभी सरकारी क्षेत्र की प्रवेश-आधारित सेवाओं के लिए योग्य हो सकता है।

3. निर्देश का माध्यम: अंग्रेजी / हिंदी

4. पाठ्यक्रम विवरण: छात्रों को निम्नलिखित अनुशासन संयोजन हैं:

क्रमांक	बीए (प्रोग) के लिए अनुशासन संयोजन
1	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)
2	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)
3	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)
4	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + अर्थशास्त्र)
5	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))
6	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर एससी + भूगोल)
7	बीए कार्यक्रम (कंप्यूटर विज्ञान + गणित)
8	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))

9	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + भूगोल)
10	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + इतिहास)
11	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + गणित)
12	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
13	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + भूगोल
14	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + इतिहास)
15	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + गणित)
16	बीए प्रोग्राम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)
17	बीए प्रोग्राम (भूगोल + इतिहास)
18	बीए कार्यक्रम (भूगोल + गणित)
19	बीए कार्यक्रम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)
20	बीए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)
21	बीए कार्यक्रम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
22	बीए कार्यक्रम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
23	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)
24	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)
25	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + संगीत)
26	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)

महाविद्यालय द्वारा पेश किए गए अनुशासन पाठ्यक्रमों का संयोजन और सीटें

क्रम संख्या	विषय	प्रस्तावित सीटों की संख्या						
		कुल सीटें	UR	SC	ST	OBC	EWS	Minority
1	बी.ए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	78	31	12	6	21	8	नहीं
2	बी.ए (ऑनर्स) अंग्रेजी	78	31	12	6	21	8	नहीं
3	बी.ए (ऑनर्स) भूगोल	58	24	9	4	16	5	नहीं
4	बी.ए (ऑनर्स) हिंदी	78	31	12	6	21	8	नहीं
5	बी.ए (ऑनर्स) इतिहास	78	31	12	6	21	8	नहीं
6	बी.ए (ऑनर्स) पत्रकारिता	58	24	9	4	16	5	नहीं
7	बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	154	62	23	12	42	15	नहीं
8	बी.ए (ऑनर्स) संस्कृत	78	31	12	6	21	8	नहीं
9	बी.ए. कार्यक्रम	289	117	43	22	78	29	नहीं
10	बी.कॉम	115	46	17	9	31	12	नहीं
11	बी.कॉम (ऑनर्स)	58	24	9	4	16	5	नहीं
12	बी.एस.सी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	40	16	6	3	11	4	नहीं
13	बी.एस.सी.(ऑनर्स) रसायन विज्ञान	40	16	6	3	11	4	नहीं

14	बी.एस.सी.(ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	58	24	9	4	16	5	नहीं
15	बी.एस.सी.(ऑनर्स) गणित	39	16	6	3	11	3	नहीं
16	बी.एस.सी.(ऑनर्स) भौतिकी	39	16	6	3	11	3	नहीं
17	बी.एस.सी.(ऑनर्स) जूलॉजी	40	16	6	3	11	4	नहीं
18	बी.एस.सी.(जीवन विज्ञान)	78	31	12	6	21	8	नहीं
19	बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान	58	24	9	4	16	5	नहीं
				एम.ए.				
1	एम.ए. हिंदी	19	8	3	1	5	2	नहीं
2	एम.ए. राजनीति विज्ञान	19	8	3	1	5	2	नहीं
3	एम.ए. संस्कृत	19	8	3	1	5	2	नहीं

बी.ए प्रोग्राम में महाविद्यालय द्वारा पेश किए गए अनुशासन पत्रों का संयोजन और सीटें

क्रम. संख्या	बीए (प्रोग) के लिए अनुशासन संयोजन	प्रस्तावित सीटों की संख्या							1% रियायत महिला उम्मीदवार (वाई / एन) को प्रदान किया जाएगा
		कुल सीटें	UR	SC	ST	OBC	EWS	Minority	
1	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + इतिहास)	5	2	1	0	1	1	नहीं	नहीं
2	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + संगीत)	4	2	1	0	1	0	नहीं	नहीं
3	बीए कार्यक्रम (बौद्ध अध्ययन + राजनीति विज्ञान)	8	2	1	1	3	1	नहीं	नहीं
4	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग) + अर्थशास्त्र)	13	5	2	1	4	1	नहीं	नहीं
5	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग) + उद्यमिता और लघु व्यवसाय (ईएसबी))	8	3	1	1	2	1	नहीं	नहीं
6	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग) + भूगोल)	7	2	1	1	2	1	नहीं	नहीं
7	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग) + गणित)	12	4	2	1	3	2	नहीं	नहीं
8	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र	13	5	2	1	4	1	नहीं	नहीं

	+ उद्यमिता और उद्यमिता) लघु व्यवसाय (ईएसबी))								
9	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + भूगोल)	18	7	3	1	5	2	नहीं	नहीं
10	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + इतिहास)	18	7	3	1	5	2	नहीं	नहीं
11	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + गणित)	10	4	1	1	3	1	नहीं	नहीं
12	बीए कार्यक्रम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)	33	17	4	1	8	3	नहीं	नहीं
13	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + भूगोल)	5	2	1	0	1	1	नहीं	नहीं
14	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + इतिहास)	4	2	1	0	1	0	नहीं	नहीं
15	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + गणित)	9	4	1	1	2	1	नहीं	नहीं
16	बीए कार्यक्रम (उद्यमिता और लघु व्यवसाय) (ईएसबी) + राजनीति विज्ञान)	8	3	1	1	2	1	नहीं	नहीं
17	बीए कार्यक्रम (भूगोल +	7	2	1	1	2	1	नहीं	नहीं

	इतिहास)								
18	बीए कार्यक्रम (भूगोल + गणित)	8	3	1	1	2	1	नहीं	नहीं
19	बीए कार्यक्रम (भूगोल + राजनीति विज्ञान)	20	8	3	2	5	2	नहीं	नहीं
20	बीए कार्यक्रम (इतिहास + संगीत)	4	2	1	0	1	0	नहीं	नहीं
21	बीए कार्यक्रम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)	15	6	2	1	4	2	नहीं	नहीं
22	बीए कार्यक्रम (संगीत + राजनीति विज्ञान)	10	3	2	1	3	1	नहीं	नहीं
23	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + बौद्ध अध्ययन)	8	4	1	1	2	0	नहीं	नहीं
24	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + इतिहास)	17	8	2	1	5	1	नहीं	नहीं
25	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + संगीत)	8	4	1	1	2	0	नहीं	नहीं
26	बीए कार्यक्रम (संस्कृत + राजनीति विज्ञान)	17	6	3	1	5	2	नहीं	नहीं

शुल्क संरचना

स्नातक प्रथम वर्ष शुल्क संरचना 2023 -24

DU Notification No. Acad..1/UG & PG Fee/2023-24/344 date: 07.07.2023

क्रम संख्या	खाता	बी. ए / बी.कॉम / बी.ए. (विशेष) अर्थशास्त्र, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी और संस्कृत	बी.कॉम विशेष	भूगोल विशेष	पत्रकारिता विशेष	बी.एससी (विशेष) गणित / वनस्पति विज्ञान / प्राणीशास्त्र / रसायन विज्ञान / भौतिकी / जीवन विज्ञान	बी.एससी/ बी.ए.प्रोग्राम	बी.एससी विशेष कंप्यूटर विज्ञान
1	विश्वविद्याल छात्र कल्याण कोष	200	200	200	200	200	200	200
2	विश्वविद्याल विकास निधि	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000
3	विश्वविद्याल सुविधाएँ और सेवा शुल्क	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सहयोग	150	150	150	150	150	150	150
5	ट्यूशन शुल्क	180	180	180	180	180	180	180
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350
7	महाविद्यालय विकास निधि	2900	4900	6400	15350	6900	6600	22850
8	महाविद्यालय सुविधाएँ और सेवा शुल्क	1205	1255	1255	1255	1255	1255	1255
9	कुल	**9985**	**12035**	**13535**	**22485**	**14035**	**13735**	**29985**
10	सिक्योरटी	500	550	550	550	550	550	550
11	कुल	**10485**	**12585**	**14085**	**23035**	**14585**	**14285**	**30535**

PWD Fee: Rs.105/-

स्नातक द्वितीय और तृतीय वर्ष शुल्क संरचना 2023-24

DU Notification No. Acad..1/UG & PG Fee/2023-24/344 date: 07.07.2023

क्रम संख्या	खाता	बी ० ए / बी.कॉम बी ० ए (विशेष) (अर्थशास्त्र, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी और संस्कृत	बी.कॉम विशेष	भूगोल विशेष)	पत्रकारिता विशेष	बी.एससी (एच) - गणित/वनस्पति/ जूलॉजी/ रसायन विज्ञान / भौतिकी / जीवन विज्ञान	बी.एस.सी बी.ए. (प्रोग्राम) कॉम. आवेदन	बी.एस.सी (विशेष) कॉम्प. विज्ञान	बी.वोक वेब डिज़ाइनिग
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	200	200	200	200	200	200	200	200
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	150	150	150	150	150	150	150	150
5	ट्युशन शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350	3350
7	महाविद्यालय विकास निधि	2900	4900	6400	15350	6900	6600	22850	18603
8	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	1200	1250	1250	1250	1250	1250	1250	1250
9	कुल	**9980**	**12030**	**13530**	**22480**	**14030**	**13730**	**29980**	**25733**
10	सुरक्षा	0	50	50	50	50	50	50	50
11	कुल योग	**9980**	**12080**	**13580**	**22530**	**14080**	**13780**	**30030**	**25783**
PWD Fee: Rs.100/-									

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध वर्ष की शुल्क संरचना 2023-24

क्र.सं	खाता	एम.ए. (पूर्वार्द्ध वर्ष)
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	200
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1000
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	1000
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	150
5	ट्युशन शुल्क	216
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	2120
7	महाविद्यालय विकास निधि	820
8	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	565
	कुल	**6071**
	सुरक्षा	60
	कुल योग	**6131**
	PWD Fee: 25%	**1533**

स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की फीस संरचना 2023-24

क्र.सं	खाता	एम.ए. (अंतिम वर्ष)
1	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	200
2	विश्वविद्यालय विकास निधि	1000
3	विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	1000
4	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विश्वविद्यालय निधि का समर्थन करता है	150
5	ट्युशन शुल्क	216
6	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	2120
7	महाविद्यालय विकास निधि	820
8	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	560
	कुल	**6066**
	सुरक्षा	0
	कुल योग	**6066**
	PWD Fee: 25%	**1517**

शुल्क रियायत और छात्रावृत्ति

क्रम संख्या	छात्रवृत्ति का नाम	पुरस्कार
1	रजत जयंती छात्रवृत्ति	कॉलेज का सर्वश्रेष्ठ छात्रा
2	सुषमा गुप्ता छात्रवृत्ति	कॉलेज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड छात्रा
3	अयोध्या गुप्ता मेमोरियल स्कॉलरशिप	द्वितीय वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्रा
4	इकबाल देवी मेमोरियल स्कॉलरशिप	प्रथम वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्रा
5	गणेश दास अग्निहोत्री मेमोरियल स्कॉलरशि	वाणिज्य के सर्वश्रेष्ठ छात्रा
6	सरदार बख्शीश सिंह लांबा मेमोरियल स्कॉलरशिप	बी.एस.सी (विशेष) का सर्वश्रेष्ठ छात्रा
7	विद्यावती अरोड़ा मेमोरियल स्कॉलरशिप	विशेष पाठ्यक्रम का सर्वश्रेष्ठ छात्रा
8	डॉ. एम. पी. गुप्ता छात्रवृत्ति	सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट
9	श्री राज कुमार ग्रोवर छात्रवृत्ति	पत्रकारिता का सर्वश्रेष्ठ छात्र
10	माता अमृता नंदमयी छात्रवृत्ति	कंप्यूटर विज्ञान का सर्वश्रेष्ठ छात्र
11	माता अमृता नंदमयी छात्रावृत्ति	प्रथम और द्वितीय वर्ष की सबसे अच्छी और जरूरतमंद छात्रा
12	शकुंतला गुलाटी छात्रावृत्ति	राजनीति विज्ञान (विशेष) प्रथम वर्ष में 55% से अधिक अंक प्राप्त
13	सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रावृति	बी.कॉम (विशेष) I वर्ष में उच्चतम अंक
14	डॉ के. इंदिरा कृष्ण मेमोरियल	उच्चतम अंक- बी.एससी. तृतीय वर्ष जीवन विज्ञान, भाग-II (न्यूनतम 60%)

	छात्रावृति	उच्चतम अंक- बी.एससी. तृतीय वर्ष व्यावहारिक जीवन विज्ञान, भाग-II (न्यूनतम 60%)
		उच्चतम अंक- बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष जीवन विज्ञान, भाग-I - जीवविज्ञान (न्यूनतम 60%)
		उच्चतम अंक- बी.एससी. द्वितीय वर्ष व्यावहारिक जीवन विज्ञान, भाग-I - जीव विज्ञान (न्यूनतम 60%)
15	उषा अग्रवाल तेजस्वी / तेजस्विनी छात्रावृत्ति	बी.कॉम (प्रोग्राम) I वर्ष, नया पाठ्यक्रम, उच्चतम अंक (सभी पेपरों में आंतरिक और बाहरी का कुल योग 70 से ऊपर होना)
		बी.कॉम (प्रोग्राम) IIवर्ष परीक्षा उपरोक्तानुसार ही है।
16	उषा आहूजा छात्रावृत्ति	अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर उपलब्धियों के साथ खेल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ छात्रा
17	श्री शेर सिंह मंगला छात्रावृत्ति	कला वर्ग में उच्चतम अंक (केवल आरक्षित श्रेणी)
18	डॉ उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रावृति	बी.कॉम (विशेष) II सेमेस्टर में उचतमअंक
19	डॉ उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रावृति	बी.कॉम (विशेष) IV सेमेस्टर. में कॉलेज के सभी पेपरों में सर्वाधिक अंक
20	डॉ उषा अग्रवाल ट्रस्ट छात्रावृति	बी.कॉम (प्रोग्राम) III सेमेस्टर के परिणाम में उच्चतम अंक
		बी.कॉम (प्रोग्राम) IV सेमेस्टर के परिणाम में उच्चतम अंक
21	डॉ. निर्मल कपिल छात्रावृति	छात्रासंघ के सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट पदाधिकारी
22	पूर्व छात्रा संघ छात्रावृत्ति	विज्ञान में भाग I के सभी पाठ्यक्रमों में दूसरा स्थान
23	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	उच्चतम अंक (लेकिन 55% से कम नहीं) प्राप्त करने वाले छात्रों को

		बीएससी (विशेष) भौतिकी भाग-I
		बीएससी (विशेष) भौतिकी भाग- II
24	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए छात्रा संघ छात्रावृत्ति
		बीएससी भौतिक विज्ञान भाग-I
		बीएससी भौतिक विज्ञान भाग-II
		एम.ए हिंदी(पूर्वार्ध)
25	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए छात्रा संघ छात्रावृत्ति
		बीएससी (विशेष) गणित पीटी-I
		बीएससी (विशेष) गणित पीटी-II
		एम.ए.संस्कृत भाग -I
26	श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रावृति	बी.कॉम (विशेष) II में उच्चतम अंक वर्ष कुल मिलाकर 70% से ऊपर
27	डी.एन. दीवान छात्रावृत्ति	संस्कृत ऑनर्स के तीनों में से आर्थिक रूप से कमजोर छात्रा
28	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	उच्चतम अंक (लेकिन 55% से कम नहीं) प्राप्त करने वाले छात्रा
		बीए (विशेष) अर्थशात्र भाग-I
		बीए (विशेष)इंग्लिश भाग-I
		बीए (विशेष) अर्थशात्र भाग- II
		बीए (विशेष) इंग्लिश भाग- II
		बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता भाग-I एवं भाग-II परीक्षा में

29	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी
30	छात्रा संघ छात्रावृत्ति	एमए (पूर्व) राजनीति विज्ञान विज्ञान में उच्चतम अंक (लेकिन 55% से कम नहीं)
31	स्वर्ण जयंती छात्रावृत्ति	कॉलेज के सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्रा (तीनों स्ट्रीम में)
32	डॉ मालती छात्रावृत्ति	ओबीसी श्रेणी में बी ए (ऑनर्स) हिंदी में उच्चतम अंक (55% से अधिक अंक)
33	डॉ अनुला मौर्य छात्रावृत्ति	पीडब्लूडी श्रेणी में महाविद्यालय की मेधावी छात्रा
34	रोहित मल्होत्रा छात्रावृति	बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथमवर्ष की छात्रा (जिसे वित्तीय सहायता की सख्त जरूरत है) (1)
		छात्रावृत्ति हर साल नवीनीकरण के साथ पाठ्यक्रम पूरा होने तक जारी रहेगी) (2)
		छात्रावृत्ति हर साल नवीनीकरण के साथ पाठ्यक्रम पूरा होने तक जारी रहेगी) (3)
35	रोहित मल्होत्रा छात्रावृति	योग्यता छात्रावृत्ति निम्नलिखित प्रत्येक पाठ्यक्रम में सेमेस्टर I, II और III में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया
		बी कॉम (प्रोग्राम)
		बी कॉम (ऑनर्स)
		बी ए (विशेष) अर्थशास्त्र
		बी ए (विशेष) अंग्रेजी
		बी ए (विशेष) पत्रकारिता
		बी एससी (विशेष)गणित
		बी एससी (विशेष) भौतिकी

		बी एससी (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान
36	रोहित मल्होत्रा छात्रावृति	विशेष आवश्यकता वाले सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्रा को पुरस्कृत किया गया
		नोट: उपरोक्त श्रेणी के छात्रा की अनुपलब्धता की स्थिति में, यह किसी भी श्रेणी/पाठ्यक्रम के मेधावी जरूरतमंद छात्रा को प्रदान किया जाएगा।
37	दिवंगत प्रोफेसर बी पी मौर्य मेमोरियल छात्रावृति	तीनों संकायों (मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य) से कमजोर वर्ग (आर्थिक रूप से कमजोर) के सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्रा
38	श्रीमती प्रकाशवती नंचाहल छात्रवृति	भाग-2 की परीक्षा में बीएससी जीवन विज्ञान के वनस्पति विज्ञान के पेपर में सर्वाधिक अंक
39	श्रीमती लीली सहगल छात्रवृति	भाग-I परीक्षा में बीएससी जीवन विज्ञान के वनस्पति विज्ञान पेपर में उच्चतम अंक
40	मंजू गंभीर मेमोरियल छात्रावृति	वाणिज्य विभाग में तृतीय वर्ष में आर्थिक रूप से कमजोर परन्तु अच्छे शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ
41	श्रीमति सत्यवती छात्रवृति	द्वितीय या तृतीय वर्ष से बीए (ऑनर्स) हिंदी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रा (केवल आरक्षित श्रेणी)
42	श्री सूबेदार सिंह छात्रवृति	तृतीय वर्ष से मेधावी एनसीसी छात्रा (नोट: छात्रा को तीनों वर्षों तक एनसीसी के प्रति समर्पित रहना चाहिए)
43	स्वदेश कुमार नंदा छात्रावृत्ति	रसायन विज्ञान (विशेष) –III वर्ष परीक्षा में उच्चतम अंक
44	आर.एस. रॉय मेमोरियल छात्रावृति	वनस्पति विज्ञान (विशेष), II वर्ष में उच्चतम अंक , (III+IV सेमेस्टर)
45	बिद्यापति मिश्रा मेमोरियल छात्रावृति	वनस्पति विज्ञान (विशेष),प्रथम वर्ष में उच्चतम अंक (प्रथम +द्वितीय सेमेस्टर)
46	सरोज चावला छात्रावृत्ति	अर्थशास्त्र (ऑनर्स) तीन वर्षों में उच्चतम सीजीपीए

एक नज़र में परिणाम

विश्वविद्यालय रैंक धारक

क्रम संख्या	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम	रोल नंबर	वर्तमान सेमेस्टर	विश्वविद्यालय रैंक
1.	तेजल दुआ	बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता	19033520002	पास आउट	पहला

उत्कृष्टता का पुरस्कार

क्रम संख्या	धनराशि देना	नाम	पाठ्यक्रम	साल	रोल नंबर
1.	नरगिस सुनील दत्त गर्ल ऑफ द ईयर (अधिकतम पुरस्कार के लिए)	आरती	बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	III	20033510003
2.	उत्कृष्टता का समग्र पुरस्कार (शिक्षाविदों के लिए)	काव्या जैन	बी एस सी (एच) रसायन विज्ञान	III	20033557011
3.	प्रिंसिपल पुरस्कार (सभी छात्रों के लिए)	साक्षी	बी एस सी (एच) भौतिकी	III	20033567019
4.	शिव पाल गोयल मेमोरियल पुरस्कार (अकादमिक उत्कृष्टता के लिए)	ईशा शर्मा	बी एस सी (ज) कंप्यूटर विज्ञान	III	20570014
5.	श्रीमती राज कुमारी बेरी पुरस्कार (गरीब छात्र की मदद करें)	सोनिया फरियाल	बी कॉम आनर्स	III	20504026
6.	आदर्श कुमारी जैन मेमोरियल पुरस्कार (वाद-विवाद के लिए)	अनुष्का सिंह	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	द्वितीय	21527013
7.	प्रिंसिपल शिव दुआ मेमोरियल पुरस्कार (सामाजिक विज्ञान के सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए)	ऋत्वाजा रतन सिंह	बी.ए. (कार्यक्रम)	III	20033501052
8.	आशा मेमोरियल पुरस्कार (छात्र के रूप में उपयुक्त माना जाता है)	Dimpi	बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी	द्वितीय	21516050
9.	प्रकाशवती कपूर मेमोरियल पुरस्कार (गर्ल ऑफ द ईयर)	आकांक्षा कुमारी	बी कॉम आनर्स	III	20033504002

विभिन्न पेपरों में ओ ग्रेड प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
वनस्पति-शास्त्र	84
रसायन शास्त्र	54
व्यापार	99
कंप्यूटर विज्ञान	102
अर्थशास्त्र	39
भूगोल	30
हिंदी	02
पत्रकारिता	61
गणित	175
भौतिक विज्ञान	122
संस्कृत	27
प्राणीविज्ञान	09
बी.ए. (कार्यक्रम)	99

प्रॉक्टोरियल बोर्ड

संयोजक: प्रो.इंदु चौधरी

प्रॉक्टोरियल बोर्ड महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने से संबंधित है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B द्वारा संचालित होता है। महाविद्यालय अपने छात्राओं से संस्था की गरिमा को बनाए रखने और अनुकरणीय तरीके से कार्य करने की अपेक्षा करता है। प्रत्येक छात्र, उपरोक्त अध्यादेश में निर्धारित प्रावधानों के अतिरिक्त, महाविद्यालय के नियमों का पालन करेगा और देश का कानून का पालन करने वाला नागरिक होगा।

अध्यादेश XV-बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन का रखरखाव

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति प्रॉक्टर को और ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकता है, सभी या ऐसी शक्तियों को सौंप सकता है, जो वह उचित समझे।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की आम तौर पर शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना। निम्नलिखित घोर अनुशासनहीनता के कृत्यों की राशि होगी।

क) दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के किसी भी सदस्य और किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी।

ख) हथियार ले जाना, इस्तेमाल करना या इस्तेमाल करने की धमकी देना।

ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन।

घ) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन: ।

ङ) महिलाओं के लिए कोई भी व्यवहार-चाहे मौखिक हो या अन्यथा-अपमानजनक।

च) रिश्वत देने का कोई प्रयास या किसी भी रूप में भ्रष्टाचार।

छ) संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश।

ज) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना।

i) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी तरह से व्यवधान पैदा करना।ii) अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग।

4. अनुशासन बनाए रखना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उन्हें उचित लगे, कुलपति अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि कोई छात्र या छात्र

ए) निष्कासित किया जाना: या

बी) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित हो: या

ग) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए न हो, एक महाविद्यालय, विभाग में पाठ्यक्रम या अध्ययन के पाठ्यक्रम में भर्ती कराया गया हो या विश्वविद्यालय की संस्था: या

घ) राशि के साथ जुर्माना लगाया जा सकता है जो निर्दिष्ट किया जा सकता है: या

ई) एक या एक से अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षा देने से वंचित रहें: या

च) यह कि परीक्षा या परीक्षाओं में संबंधित छात्रों या छात्रों का परिणाम जिसमें वे उपस्थित हुए हैं, रद्द कर दिया जाए।

5. कॉलेजों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुख, प्राचार्य, स्कूल ऑफ कॉरस्पोंडेंस कोर्स और कंटीन्यूइंग एजुकेशन और लाइब्रेरियन के पास छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा संबंधित विभागों में संस्थानों, हॉल और शिक्षण के उचित संचालन के लिए विश्वविद्यालय में उनके संबंधित महाविद्यालय, संस्थान, संकाय और शिक्षण विभाग आवश्यक हो सकते हैं। वे अपने अधिकारों का प्रयोग अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं, जैसा कि वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6. पूर्वोक्त कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में

कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉल के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक बनाया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं को इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए।

7. प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र और विश्वविद्यालय के कई प्राधिकरणों के अधीन रखता है जो प्राधिकरण के साथ निहित हो सकते हैं। अनुशासन का अभ्यास करने के लिए।

महिला हेल्पलाइन नंबर

क्रम संख्या.	स्रोतों का नाम	हेल्पलाइन नंबर
1.	पुलिस	100
2.	महिला हेल्पलाइन	1091
3.	विशेष प्रकोष्ठ (उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए)	1093

महिला सुरक्षा आवेदन

क्रम संख्या.	आवेदन का नाम	ऐप लिंक
1.	हिम्मत प्लस	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.dp.hidmat
2.	मेरा सेफ्टीपिन	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.safetipin.mysafetipin
3.	लेट्सट्रैक	https://play.google.com/store/apps/details?id=com.pb.letstrakpro

महाविद्यालय के नियम और विनियम

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों से अपेक्षा करता है कि वे महाविद्यालय में अनुशासित और सम्मानित व्यवहार करें।

इसके कुछ प्रावधान इस प्रकार हैं:

1 छात्राएं प्राचार्या के प्रति अपने आचरण के लिए उत्तरदायी हैं और उन्हें महाविद्यालय के अंदर या बाहर जो कुछ भी करने से मना किया गया है जो महाविद्यालय में अनुशासन या हस्तक्षेप का उल्लंघन होगा। कोई भी छात्रा अनुशासन के किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी, और /या जुर्माना, और/या महाविद्यालय पुस्तकालय या यहाँ तक कि महाविद्यालय से भी निलंबन शामिल हो सकता है, या दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन नियमों के अध्यादेश XV (बी) और XV (सी) में किए गए प्रावधान के अनुसार ऐसी कोई कार्रवाई शामिल हो सकती है।

2 किसी भी व्यक्ति को प्राचार्या की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय में किसी भी बैठक को सम्बोधित करने के लिए आमंत्रित नहीं किया जाएगा।

3 छात्राएं अपने जोखिम पर पार्किंग क्षेत्र में बंद अपनी साइकिल, स्कूटर या मोटरसाइकिल, कार को छोड़ दें। महाविद्यालय भवन के किसी अन्य हिस्से में कोई भी साइकिल, स्कूटर या मोटरसाइकिल खड़ी नहीं की जा सकती है।

4 कोई भी छात्रा प्राचार्या की पूर्व/लिखित अनुमति के बिना महाविद्यालय में किसी बाहरी/ पुलिस या किसी अन्य अनधिकृत व्यक्ति को आमंत्रित नहीं कर सकता है।

5 प्रत्येक छात्र को स्वयं को कुलपति, विश्वविद्यालय और कालिंदी महाविद्यालय के कई प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के समक्ष प्रस्तुत करना होगा, जिन्हें अधिनियम, संविधि, अध्यादेश और विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किए गए नियमों के तहत अनुशासन का प्रयोग करने का अधिकार दिया जा सकता है।

6 महाविद्यालय परिसर या दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी अन्य भाग के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग की सख्त मनाही है। रैगिंग को बढ़ावा देना भी रैगिंग के समान होगा। कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या रैगिंग की प्रथा घोर अनुशासहीनता है और उस पर अध्यादेश XV (सी) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

7 माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार, महाविद्यालय परिसर के अंदर धूम्रपान पूरी तरह से प्रतिबंधित है. दिल्ली विश्वविद्यालय तंबाकू मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली पुलिस और वर्ल्ड लंग फाउंडेशन-दक्षिण एशिया के साथ साझेदारी कर रहा है। इस दिशा में कदम उठाते हुए महाविद्यालय में धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रवेश के समय, महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा से अपेक्षित है कि वह एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करे कि वह कुलपति और विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय के अनुशासनात्मक अधिकार-क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करती है, जिसे विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय के अधिनियमों, संविधियों, अध्यादेशों और नियमों के तहत अनुशासन का अधिकार दिया जा सकता है।

कुछ नियम जिनका पालन किया जाना हैः शिक्षा और विनियमन के साथ स्वतंत्रता

विद्यार्थियों को चाहिए	विद्यार्थियों को नहीं चाहिए
महाविद्यालय के नियम और विनियमों का पालन करना। Ø पहचान पत्र प्रतिदिन साथ लेकर आएं। Ø सभी पुस्तकालय नियमों का पालन करना। Ø कक्षा में बैठने या स्टाफ-रूम के चक्कर लगने के स्थान पर कक्षा में बैठे रहें। Ø नियमित रूप से सभी कक्षाओं में भाग लेना। Ø सभी अकादमिक /सांस्कृतिक/ विभागीय कार्यों में भाग लेना। Ø सांस्कृतिक क्लबों में शामिल हों और सक्रिय रूप से भाग लें।	Ø व्याख्यान, आबंटन, परियोजनाएं या व्यावहारिक छोड़ दें। Ø उनकी श्रेणियों में देर से पहुंचें Ø कक्षा/किसी भी अकादमिक/ सांस्कृतिक/विभागीय कार्यों के दौरान चलभाष् का प्रयोग करें। Ø नुकसान/फाड़ना/रेखांकित पुस्तकालय पुस्तकें/पठन सामग्री। Ø कक्षा में या कार्यों के दौरान ध्यान भटकना। Ø गलियारों में शोर मचाया और व्याख्यान में व्यवधान डाला। Ø आपत्तिजनक सामग्री/तस्वीर /एमएमएस परिचालित

Ø खेल/एनसीसी/एनएसएस में नियमित रूप से भाग लें। Ø सूचनापट्ट नियमित रूप से पढ़ें। Ø पुस्तकालय में 'खाली कालांश' का उपयोग करें। Ø अभद्र भाषा और प्रतिकूल बहस से बचें। Ø किसी भी अप्रत्याशित घटना की सूचना प्राधिकारियों को दें। Ø महाविद्यालय के फर्नीचर और परिसर का उचित ध्यान रखें। Ø कक्षा से निकलते समय सभी बिजली के बटन बंद कर दें। Ø महाविद्यालय के समय के बाद महाविद्यालय परिसर छोड़ें।	करना। Ø दीवार/ महाविद्यालय भवन/परिसर को सुरक्षित करना। Ø कक्षाओं में फर्नीचर के संरेखण में व्यवधान पैदा करना। Ø कुर्सियों या मेज पर कदम/कूद Ø सीढ़ियों पर बैठते/धक्का देते/बैठते हैं। Ø कूड़ा Ø भवनों/कक्षाओं के अंदर खाद्य सामग्री ले जाना। Ø यदि कोई संक्रामक या संक्रामक रोग है तो महाविद्यालय में आएं Ø रैगिंग में शामिल होना । Ø शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार।

वर्तमान में जारी कोरोना वायरस महामारी के कारण किए जाने वाले सुरक्षा उपाय

1. सामाजिक दूरी का हर समय पालन करना।

2. अगली सूचना तक नकाब (मास्क)लगाना अनिवार्य होगा।

3. बार-बार हाथ धोने को प्रोत्साहित किया जाना।

अध्यादेश

महाविद्यालय की छात्रा के लिए यह आवश्यक है कि वह महाविद्यालय के भीतर और बाहर अनुशासन और अच्छा व्यवहार बनाए रखे। अनुशासन नियमों का उल्लंघन तथा रैगिंग, यौन उत्पीड़न आदि के कार्य निम्नलिखित विश्वविद्यालय अध्यादेशों के अनुसार दंडनीय हैं।

1. अध्यादेश VII-उपस्थिति के नियम
2. अध्यादेश XV-बी-अनुशासन
3. अध्यादेश XV-सी-एंटी-रैगिंग
4. अध्यादेश XV-डी-यौन उत्पीड़न

रैगिंग की सख्त मनाही है और इसका परिणाम महाविद्यालय से निलंबन के रूप में निकलेगा। रैगिंग की कोई भी घटना छात्र संघ, संकाय सलाहकारों या प्राचार्या को शिकायत की जा सकती है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे मामलों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं जिनका महाविद्यालय पालन करेगा। ये अध्यादेश विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और विद्यार्थियों को इन्हें सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए।

छात्र शिकायत निवारण समिति (SGRC)

-

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम 2023 के निर्देशों के अनुपालन में, छात्र शिकायत निवारण समिति (SGRC) का गठन निम्नलिखित सदस्यों और विवरणों के साथ किया गया है:-

(SGRC) का गठन निम्नलिखित सदस्यों और विवरणों के साथ किया गया है:-

नाम	विभाग	मोबाइल नंबर	मेल पता
प्रो. मीना चारान्दा	कार्यवाहक प्राचार्या (अध्यक्ष)	9891115656	kalindisampark@kalindi.du.ac.in
डॉ. तारकेश्वर	जीव विज्ञान	9873761548	tarkeshwar@kalindi.du.ac.in
डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित	जीव विज्ञान	9810198909	manishaarorapandit@kalindi.du.ac.in
डॉ. राखी चौहान	राजनीति विज्ञान	9818450951	rakheechauhan@kalindi.du.ac.in
डॉ. निधि कपूर	वाणिज्य विभाग	9873679455	nidhikapoor@kalindi.du.ac.in
सुश्री प्रियंका	उपाध्यक्ष छात्र संघ - विशेष निमंत्रण पर	8791672717	

लोकपाल का विवरण है:-

माननीय कुलपति

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संपर्क विवरण :- 011-27667011

ईमेल आईडी:-vc@du.ac.in

छात्रों द्वारा दर्ज किये जाने वाला शिकायत निवारण आवेदन पत्र का लिंक कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है:- https://forms.gle/98ScUrf92HQrKTLG7

सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। अध्यक्ष के साथ बैठक में (अगर कोरम पूरा होता है) विशेष अनुरोध पर एक वर्ष की अवधि बढाई जा सकती है। अधिकतम तीन वर्ष के लिए। समिति प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन करेगी। शिकायत प्राप्त होने की तारीख से पंद्रह कार्य दिवसों की अवधि के भीतर समिति अपनी रिपोर्ट सिफारिशों के साथ, यदि कोई हो तो, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय को और उसकी एक प्रति पीड़ित छात्र को भेजेगी। छात्र शिकायत निवारण समिति के निर्णय से व्यथित कोई भी छात्र इस तरह के निर्णय की प्राप्ति की तारीख से पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर लोकपाल के पास अपील कर सकता है। समिति द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को एक साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। यदि कोई शिकायत प्राप्त नहीं होती है, तो एक शून्य रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।

कार्यवाहक प्राचार्या

महाविद्यालय प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्या	प्रो मीना चरंदा
कोषाध्यक्ष	डॉ. राखी चौहान
संयोजक, एंटी रैगिंग	प्रो. नैना हसीजा
अपीलीय प्राधिकरण	प्रो मीना चरंदा
पीआईओ	सुश्री कर्णिका गौड़, पुस्तकालयाध्यक्ष
वरिष्ठ निजी सहायक अधिकारी	सुश्री भावना मुंजाल
एनसीसी अधिकारी	लेफ्टिनेंट कमांडर डॉ. आरती सिंह
एनएसएस अधिकारी	डॉ. मनीषा अरोड़ा पंडित
एससी-एसटी संपर्क अधिकारी	डॉ. एम. अरुणजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग
ओबीसी- संपर्क अधिकारी	डॉ. दिव्या वर्मा, सहायक प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग
ईडब्ल्यूएस- संपर्क अधिकारी	डॉ. अंजलि बंसल, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग
अनुभाग अधिकारी (लेखा)	श्री विकास शर्मा
वरिष्ठ सहायक (प्रशासन)	श्री संजय कुमार
शैक्षणिक ब्लॉक प्रभारी	डॉ. निशा बक्शी
शैक्षणिक ब्लॉक केयर-टेकर	श्री हेमन्त नंदा
विज्ञान ब्लॉक प्रभारी	प्रो. पुष्पा बिंदल
साइंस ब्लॉक केयर-टेकर	श्री हेमन्त नंदा
शिक्षण अनुसंधान एवं नवाचार ब्लॉक प्रभारी	डॉ. कंचन बत्रा
शिक्षण अनुसंधान और नवाचार ब्लॉक केयर-टेकर	श्री एन.के.भारद्वाज
स्पोर्ट्स यूटिलिटी सेंटर प्रभारी	डॉ. राखी चौहान
स्पोर्ट्स यूटिलिटी सेंटर केयर-टेकर	श्री एन.के.भारद्वाज
छात्र सुविधा केंद्र प्रभारी	डॉ. पंकज कुमार
छात्र सुविधा केंद्र केयर-टेकर	श्री हेमन्त नंदा
पुस्तकालय ब्लॉक प्रभारी	सुश्री कर्णिका गौड़
लाइब्रेरी ब्लॉक केयर-टेकर	श्री एन.के.भारद्वाज

कुछ झलकियाँ

कालिंदी एक नजर में

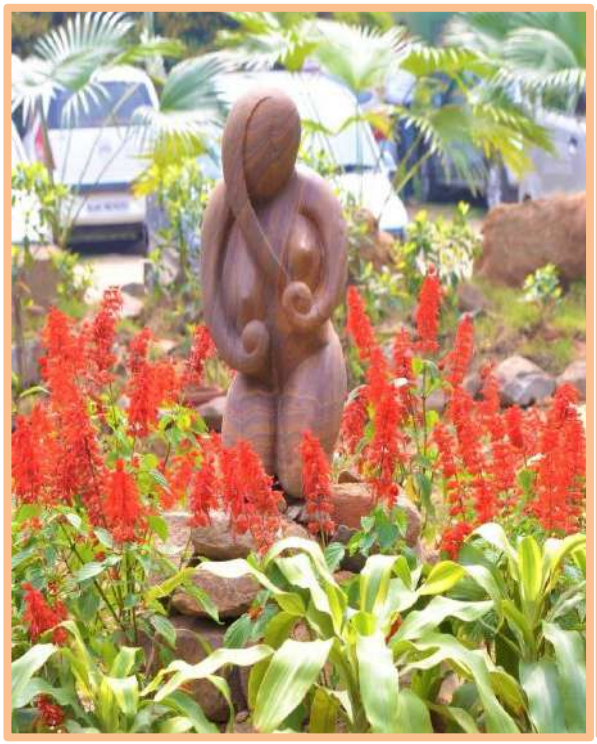

घटनाएँ और गतिविधियाँ

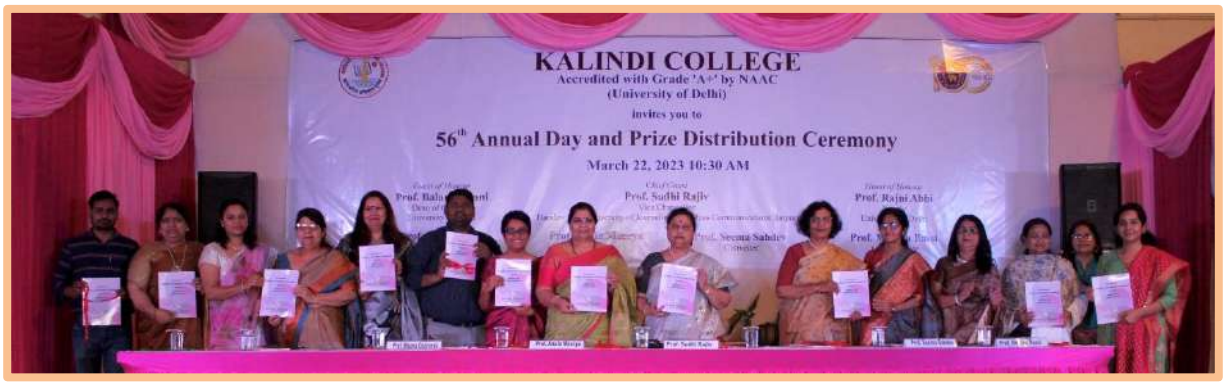

56वाँ वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह

लेहरन 2023

CHAIRMAN, GOVERNING BODY
PRINCIPAL

PAINT & BRUSH CLUB
KALINDI COLLEGE
DELHI UNIVERSITY

STAR PERFORMER
KALINDI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
NAAC ACCREDITED GRADE 'A+'
The Annual Cultural Fest
LEHREN'23
उत्सव The Celebration of Life
15 & 16 February 2023
Our Sponsors
Media Sponsors
GUEST OF HONOUR
CHIEF GUEST
SPECIAL GUEST
CO-CONVENERS
PRINCIPAL

पूर्व छात्र सम्मेलन 2023

विभाग

VENI
VIDI
VICI
2022

अंग्रेजी विभाग

Department of Geography
Kalindi College
University of Delhi
NAAC Accredited Grade 'A+'
RESURGENCE '23
SINKING DOMAINS OF NATURE : A LIGHT ON

भूगोल विभाग

कल्पधरा - ईसीओ क्लब उत्सव

KALINDI COLLEGE
धन-verse
FINLEAGUE

वाणिज्य विभाग

New Delhi, Delhi, India
Google

New Delhi, Delhi, India
M52J+H28, Mata Rameshwari Nehru Nagar, Karol Bagh
New Delhi, Delhi 110006, India
Lat 28.648644°
Long 77.177779°
04/11/22 11:14 AM GMT +05:30
Google

New Delhi, Delhi, India
Google

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

RASAYANIKA'23
WELCOME
CHEM-WORLD

New Delhi,DL,India
Prasad Nagar Phase 1, New Delhi, 110005, DL, India
Lat 28.649182, Long 77.178163
13/02/2023 10:07 AM GMT+05:30

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
1, Kalindi College Road, Block 49, East Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648506°
Long 77.178111°
30/09/22 11:27 AM GMT +05:30
Google BLOCK

रसायनिकी विभाग

COMIC कला

KALINDI COLLEGE
ECONOMICS DEPARTMENT
Invites you to
SPEAKER SESSION
on

KALINDI COLLEGE
Accredited with NAAC grade A+
UNIVERSITY OF DELHI
Bidding Battle
Scavenger Hunt
Sustaination
Model-IMF

अर्थशास्त्र विभाग

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
49/30/1, near Kalindi College, University of Delhi, Prasad Nagar, East Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648033°
Long 77.177993°
27/09/22 11:45 AM GMT +05:30
Google

KALINDI COLLEGE
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
1, Kalindi College Road, Block 49, East Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648484°
Long 77.178124°
27/09/22 11:32 AM GMT +05:30
Google

गणित विभाग

भौतिकी विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग

संस्कृत सम्भाषण शिविर
VICE PRINCIPAL
BURSAR
SEMINAR ROOM
STAFF ROOM
WAY TO ACADEMIC BLOCK
STAFF ROOM

संस्कृत विभाग

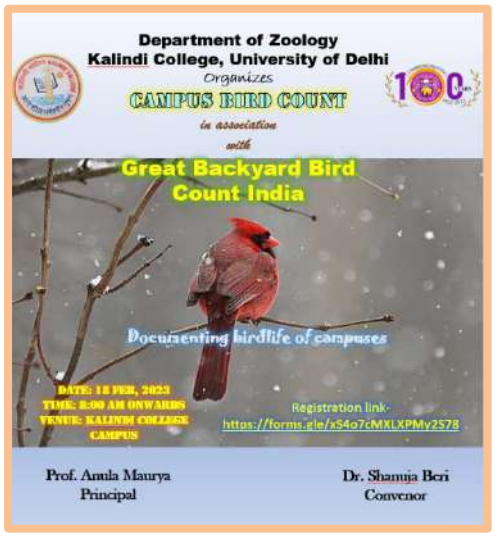
Department of Zoology
Kalindi College, University of Delhi
Organizes
CAMPUS BIRD COUNT
in association
with
Great Backyard Bird Count India
Documenting birdlife of campuses
DATE: 18 FEB, 2023
TIME: 8:00 AM ONWARDS
VENUE: KALINDI COLLEGE CAMPUS
Registration link-
https://forms.gle/x54o7cMXLXPMv2578
Prof. Anula Maurya
Principal
Dr. Shanuja Beri
Convenor

New Delhi,DL,India
Krishna Batia Marg, Prasad Nagar Phase 1,
New Delhi, 110005, DL, India
Lat 28.648532, Long 77.178364
18/02/23 09:42 AM GMT+05:30

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
49/23, near Kalindi College, University of Delhi, Block 49, East
Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648484°
Long 77.178014°
30/08/22 12:24 PM

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
1, Kalindi College Road, Block 49, East Patel Nagar, Patel Nagar,
New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648608°
Long 77.177998°
30/08/22 12:28 PM

DIET & NUTRITION FOR GIRLS
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
1, Kalindi College Road, Block 49, East Patel Nagar,
Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.648541°
Long 77.178102°
07/02/23 11:42 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
110006, near Kalindi College, University of Delhi, Block 49, East
Patel Nagar, Patel Nagar, New Delhi, Delhi 110008, India
Lat 28.649049°
Long 77.178248°
18/04/23 01:39 PM GMT +05:30

New Delhi, Delhi, India

प्राणीशास्त्र विभाग

कॉलेज लेआउट और रूट मानचित्र

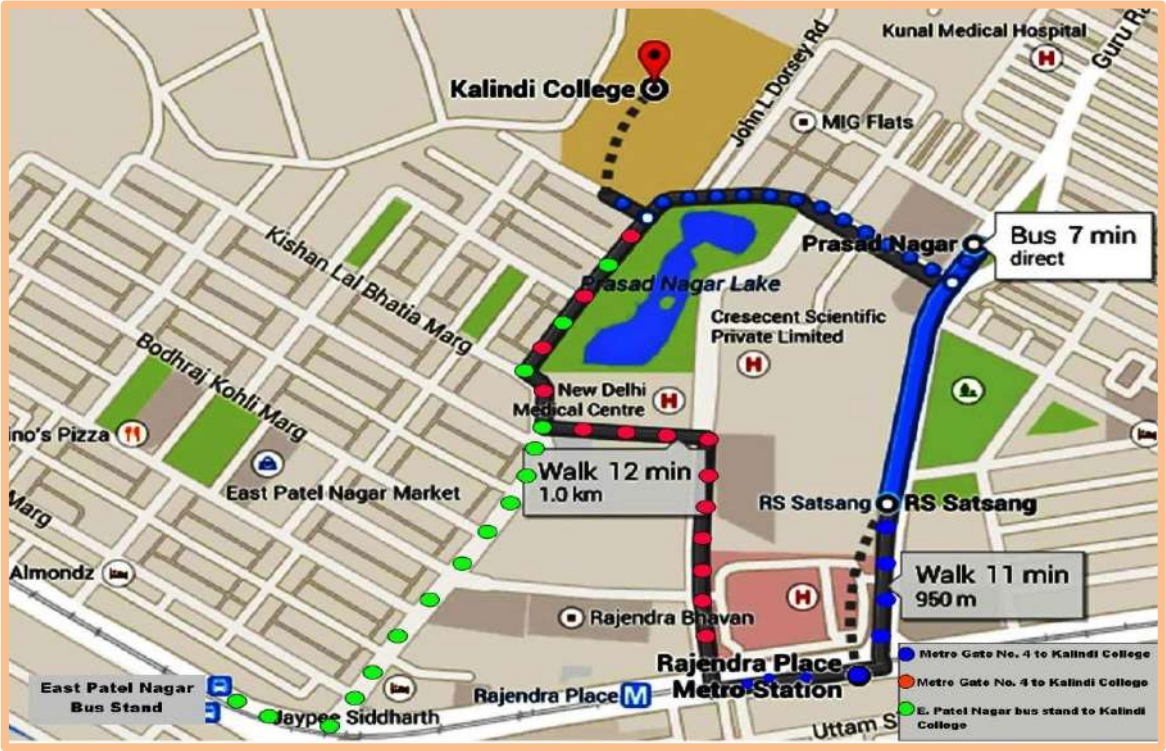

प्रॉस्पेक्टस (विवरणिका)समिति

प्रो.मीना चरांदा	संरक्षक
डॉ. पुनम त्यागी	संयोजक
डॉ. कंचन बत्रा	सह संयोजक
श्री.सुश्रुत भाटिया	सह-संयोजक, अंग्रेजी संस्करण
डॉ. मुकेश,डॉ. एज्रा जॉन, सुश्री एल. पावेइन, सुश्री वाणी एम. प्यारीलाल, डॉ.रश्मि मेनन, श्री शशि शेखर	अंग्रेजी संस्करण के लिए सदस्य
सुश्री रेखा मीणा	हिंदी संस्करण की सह-संयोजिका
डॉ. मंजु शर्मा ,डॉ. विभा ठाकुर सुश्री बलजीत कौर डॉ. रक्षा गीता, डॉ.ऋतु डॉ. हेमन्त रमण रवि, डॉ. संजय कुमार डॉ.लवकुश कुमार , डॉ.ममता चौरसिया	हिंदी संस्करण के लिए सदस्य
सुश्री गुंजन वर्मा	वाणिज्य प्रतिनिधि
सुश्री स्वीटी	विज्ञान प्रतिनिधि
डॉ. सुशील मलिक	सदस्य
डॉ. रेशु चौधरी	सदस्य
सुश्री नगमा परवीन	सदस्य
डॉ. साजिद इकबाल	सदस्य

अस्वीकरण

इस प्रॉस्पेक्टस की सामग्री की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए हर सावधानी बरती गई है। यहां दी गई जानकारी केवल कालिंदी महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों से संबंधित है। विस्तृत जानकारी के लिए, आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन या विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने की सलाह दी जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंधित नियमों, अध्यादेशों और क़ानूनों में शामिल जानकारी अंतिम होगी। प्रॉस्पेक्टस में मौजूद डेटा केवल सांकेतिक है और इसका उपयोग कानूनी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

KALINDI COLLEGE

University of Delhi

East Patel Nagar, New Delhi -110008

Phone: 011-25787604, Fax: 011-25782505
Email: kalindisampark@kalindi.du.ac.in
Website: http://www.kalindicollege.in/